

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 62 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 28 अक्टूबर 2026(बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

रिश्वत लेते पकड़े गए कर्मचारियों पर हरियाणा सरकार सख्त



महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने भ्रष्टाचार के मामलों में रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए अधिकारियों और कर्मचारियों को लेकर सख्त कदम उठाया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा रिश्वत लेते पकड़े गए और फिलहाल जमानत पर रिहा कर्मचारियों को उसी पद और उसी स्टेशन पर तैनात नहीं रखा जाएगा। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने इस संबंध में सभी विभागों को निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों के अनुसार, ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती में बदलाव किया जाना चाहिए, ताकि रिश्वत के मामलों में पकड़े जाने के बाद भी उन्हें पहले की तरह उसी पद और स्थान पर काम करने का अवसर न मिले। सरकार का यह फैसला उन कर्मचारियों पर लागू होगा, जिन्हें रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया है और जो जमानत पर बाहर हैं। इस कदम के जरिए भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई का सामना कर रहे कर्मचारियों की तैनाती को लेकर सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस और कार्यक्रमों के व्यापक बहिष्कार की मांग

उज्जैन में सागरचंद्र सागर के खिलाफ समाज का आक्रोश गहराया; अमर्यादित आचरण और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप

साध्वियों से जुड़ी अनुचित गतिविधियों के डिजिटल साक्ष्य का दावा; जैन समाज ने की निष्पक्ष जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

उज्जैन। धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी उज्जैन में जैन समाज के विभिन्न संगठनों, प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों द्वारा सागरचंद्र सागर नामक व्यक्ति के खिलाफ मोर्चा खोल दिया गया है। हाल ही में सामने आए गंभीर आरोपों के बाद से पूरे समाज में रोष और चिंता का माहौल बना हुआ है। समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों का कहना है कि संस्थागत, धार्मिक और सामाजिक मर्यादाओं की रक्षा के लिए इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होना और सच का सामने आना अत्यंत आवश्यक है।

वीडियो कॉल पर अमर्यादित आचरण और डिजिटल साक्ष्य का दावा

प्राप्त विवरण और समाज के सूत्रों के अनुसार, जैन समाज की कुछ साध्वियों के साथ वीडियो कॉल के दौरान अनुचित व्यवहार करने और अमर्यादित आचरण प्रदर्शित करने के गंभीर आरोप सागरचंद्र सागर पर लगाए गए हैं। पीड़ित पक्ष और समाज के जागरूक सदस्यों का दावा है कि इस पूरे घटनाक्रम से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य, जैसे स्क्रीनशॉट और कॉल रिकॉर्ड्स, सुरक्षित कर लिए गए हैं। समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि इन साक्ष्यों के आधार पर ही उच्च स्तरीय विरोध दर्ज कराया जा रहा है और इस तरह के आचरण को धार्मिक व सामाजिक परंपराओं पर कुठाराघात माना जा रहा है।

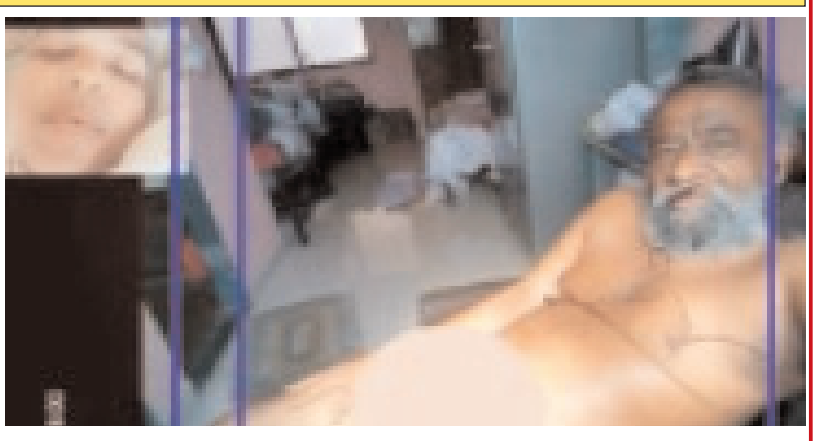
दान राशि के दुरुपयोग और व्यक्तिगत संपत्ति अर्जित करने के आरोप

नैतिक आचरण के अलावा, इस मामले में वित्तीय अनियमितताओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठ रहा है। विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और सार्वजनिक सभाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं द्वारा दी गई दान राशि के उपयोग पर सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय समाजजनों का आरोप है कि धर्म और सेवा के नाम पर एकत्र किए गए करोड़ों रुपये के कोष का उपयोग व्यक्तिगत हित, संपत्ति निर्माण और अन्य अनधिकृत गतिविधियों में किया गया है। समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने स्पष्ट किया कि किसी भी सार्वजनिक या धार्मिक ट्रस्ट की पारदर्शिता सर्वोपरि होती है, अतः इस वित्तीय हेरफेर की भी गहन जांच होनी चाहिए।

मीडिया संयोजक अभय चोपड़ा की भूमिका पर खड़े हुए सवाल

इस पूरे प्रकरण में सागरचंद्र सागर का पक्ष रखने और मीडिया में आ रही खबरों का खंडन करने वाले मीडिया संयोजक अभय चोपड़ा की भूमिका भी कटघरे में आ गई है। समाज के एक बड़े वर्ग का आरोप है कि मीडिया संयोजक द्वारा बिना तथ्यों की सही जांच-पड़ताल किए लगातार बचाव





पक्ष के बयान जारी किए जा रहे हैं और मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। इस रवैये को लेकर समाज के प्रतिनिधियों ने कड़ी आपत्ति जताई है और अभय चोपड़ा से भी इस मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

उज्जैन में भव्य प्रेस कॉन्फ्रेंस और राष्ट्रव्यापी बहिष्कार का आह्वान

मामले की गंभीरता को देखते हुए उज्जैन में आने वाले दिनों में एक विस्तृत प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने की रूपरेखा तैयार की गई है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में जैन समाज के शीर्ष पदाधिकारी, वरिष्ठ अधिवक्ता और प्रमुख नागरिक शामिल होंगे, जहाँ इस मामले से जुड़े दस्तावेज और साक्ष्य मीडिया के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे।

इसके साथ ही समाज ने निम्नलिखित कदम उठाने का निर्णय लिया है:

कार्यक्रमों का बहिष्कार: देश भर के आयोजकों से अपील की गई है कि वे सागरचंद्र सागर के किसी भी धार्मिक या सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन न करें।

सार्वजनिक अपील: जैन समाज के प्रतिनिधियों ने आयोजकों को सख्त लहजे में सचेत किया है कि ऐसे विवादित व्यक्तियों को मंच प्रदान न किया जाए।

स्थानीय प्रशासन और समाज की नज़र

मामले के तूल पकड़ने के बाद, स्थानीय प्रशासन और पुलिस तंत्र भी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं ताकि शांति एवं कानून व्यवस्था बनी रहे। जैन समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रस्तुत किए जा रहे डिजिटल साक्ष्यों की तकनीकी जांच कराई जाए ताकि दोषियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सके।

डिप्टी सीएम के आश्वासन पर अंतिम संस्कार, पत्नी को मिलेगी सरकारी नौकरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। दिनदहाड़े हुए ट्रिपल मर्डर के बाद मंगलवार को मृतकों के परिजनों और लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। पोस्टमॉर्टम के बाद पिता, बेटे और भाई के शव घर पहुंचे तो परिवार में चीख-पुकार मच गई। इस दौरान डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक मृतकों के घर पहुंचे। लोगों ने उनके सामने नारेबाजी की। डिप्टी सीएम ने ऐलान किया कि शिवेंद्र तिवारी उर्फ शंभु की पत्नी रुचि तिवारी को सरकारी नौकरी दी जाएगी और उनकी बेटी की पढ़ाई आजीवन मुफ्त होगी। परिवार को सुरक्षा देने और आरोपियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई का भी आश्वासन दिया गया। इसके बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए। डिप्टी सीएम ने शवों को कंधा दिया और चिता पर लकड़ी भी लगाई।

भाजपा विधायक महेश त्रिवेदी की दो टूक, बोले- गाली देने वाले के मुंह में जूता घुसेड़ देंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। किदवई नगर से भाजपा विधायक महेश त्रिवेदी सोमवार रात गोविंद नगर की विद्यार्थी मार्केट में दो दुकानदारों के बीच विवाद सुलझाने पहुंचे। इस दौरान गाली-गलौज और धमकी की जानकारी मिलने पर वह नाराज हो गए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि बाजार में किसी को भी गाली-गलौज और गलत व्यवहार करने की छूट नहीं दी जाएगी।विधायक ने कहा, 'किसी ने गाली बकी तो मुंह में जूता घुसेड़ देंगे। इतना बाराहां कौन हो गया कि जो गाली देगा। किसी के भी माई के लाल का हाथ हो, उसकी ऐसी की तैसी। पाप बढ़ने नहीं देंगे। ' सोमवार रात करीब आठ बजे विद्यार्थी मार्केट पहुंचे विधायक ने व्यापारियों से आपसी विवाद खत्म कर मिल-जुलकर रहने की अपील की ।



झांसी में मंगेतर से परेशान युवती ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट में धोखा देने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झांसी। झांसी में मंगलवार सुबह 24 वर्षीय युवती छाया ने आत्महत्या कर ली। उसकी सगाई हो चुकी थी और दिसंबर 2027 में शादी तय थी। युवती ने अपनी मौत से पहले एक सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उसने मंगेतर पर धोखा देने का आरोप लगाते हुए उसे जिम्मेदार ठहराया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए हैं। छाया की बहन का आरोप है कि उसके मंगेतर का किसी दूसरी लड़की से संबंध था। वह दूसरी लड़की के साथ अपने अश्लील फोटो और वीडियो छाया को भेजता था। साथ ही, वह छाया पर रिश्ता तोड़ने का दबाव भी बना रहा था। परिजनों के मुताबिक, इन घटनाओं के कारण छाया परेशान थी। छाया के पिता ने बताया कि उन्होंने मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के रहने वाले हर्ष बग्गन से बेटी का रिश्ता तय किया था। घटना के बाद उन्होंने हर्ष बग्गन, उसके माता-पिता और एक अज्ञात लड़की के खिलाफ कोतवाली थाने में शिकायत दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बयान दर्ज किए हैं।



दहेज में थार नहीं मिली तो बारात लेकर नहीं आया दूल्हा, शादी के जोड़े में बैठी दुल्हन अस्पताल पहुंची

गोंडा में निकाह के दिन कार की मांग पूरी नहीं होने पर शादी से इनकार का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा में शादी के दिन थार गाड़ी नहीं मिलने पर दूल्हे के बारात लेकर नहीं पहुंचने का मामला सामने आया है। दुल्हन और उसके परिजन रातभर बारात का इंतजार करते रहे, लेकिन आरोप है कि दूल्हे ने गाड़ी के बिना निकाह करने से इनकार कर दिया। इस घटना से शादी के जोड़े में तैयार बैठी दुल्हन की तबीयत बिगड़ गई। वह रोते-रोते कई बार बेहोश हो गई, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। मंगलवार सुबह दुल्हन के परिजनों ने नगर कोतवाली थाने में दूल्हे और उसके घरवालों के खिलाफ शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। मामला नगर कोतवाली क्षेत्र का है। एक साल पहले तय हुआ था रिश्ता जानकारी के अनुसार, कटारिया मोहल्ले के रहने वाले मिर्जा अजमल बेग पेशे से ड्राइवर



हैं। उनके परिवार में पत्नी नाजो खातून, बेटी नौशबा मिर्जा बेग और एक बेटा है। अजमल ने करीब एक साल पहले अपनी बेटी नौशबा का निकाह गोरखपुर निवासी मोहम्मद असलम के बेटे मोहम्मद सलमान से तय किया था। सलमान तीन भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा है। वह फिलहाल विदेश में रहकर पढ़ाई कर रहा है। परिवार ने निकाह के लिए सोमवार, 26 अक्टूबर की तारीख तय की थी। इसके लिए शहर में एक मैरिज पैलेस भी बुक कराया गया था। दुल्हन के हाथों में मेहंदी लग चुकी थी और वह शादी के जोड़े में तैयार होकर बैठी थी। रिश्तेदार भी बारात के स्वागत की तैयारियों के साथ उसके पहुंचने का इंतजार कर रहे थे। तय समय बीतने के बाद भी जब बारात नहीं पहुंची तो दुल्हन पक्ष ने दूल्हे के घरवालों से फोन पर संपर्क किया। आरोप है कि दूल्हे के परिजन काफी देर तक बारात निकलने की बात कहकर उन्हें टालते रहे। बाद में थार गाड़ी की मांग पूरी नहीं होने के कारण दूल्हे के शादी से इनकार करने की बात सामने आई। बारात नहीं आने और शादी टूटने की आशंका से दुल्हन सदमे में आ गई। परिजनों के मुताबिक, वह रोते-रोते कई बार बेहोश हुई, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद मंगलवार सुबह दुल्हन के परिजन पुलिस के पास पहुंचे।

मेरठ के नीला ड्रम हत्याकांड में नया मोड़, साहिल का परिवार मुस्कान की फांसी माफ कराने के लिए आया आगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। चर्चित नीला ड्रम हत्याकांड में फांसी की सजा पाए मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल उर्फ मोहित के मामले में नया घटनाक्रम सामने आया है। साहिल के परिवार ने मुस्कान की ओर से भी कानूनी पैरवी की व्यवस्था की है। दोनों की फांसी की सजा माफ कराने के लिए हाईकोर्ट में एक ही वकील ने 23 अक्टूबर को याचिका दाखिल की है। याचिका में पहले साहिल और उसके बाद मुस्कान रस्तोगी का नाम दर्ज है। दोनों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सुशील शुक्ला पैरवी कर रहे हैं। जेल प्रशासन के मुताबिक, साहिल के परिवार ने ही मुस्कान के लिए वकील की व्यवस्था की है। इस घटनाक्रम के बाद दोनों के रिश्ते और साहिल के परिवार के रुख को लेकर चर्चा शुरू हो गई है मेरठ जिला जेल के वरिष्ठ अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा ने बताया कि मुस्कान ने पहले जेल प्रशासन से अपने लिए वकील की व्यवस्था करने की इच्छा जताई थी। इसके बाद उसे सरकारी वकील उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही थी, लेकिन बाद में मुस्कान ने सरकारी वकील लेने से इनकार कर दिया।जेल अधीक्षक के अनुसार, मुस्कान ने ही बताया कि साहिल के वकील सुशील शुक्ला उसका मुकदमा भी लड़ेंगे। अब दोनों की फांसी की सजा के संबंध में हाईकोर्ट में वही पैरवी कर रहे हैं। बताया गया है कि साहिल का छोटा भाई दिव्यांश शुक्ला, उसकी नानी और चाचा जेल में उससे मिलने आते रहते हैं। वहीं, उपलब्ध जानकारी के अनुसार, हत्या के बाद बीते 18 महीनों में मुस्कान से मिलने उसके मायके या ससुराल से कोई नहीं पहुंचा है। मुस्कान और साहिल उर्फ मोहित की पहचान मेरठ के ब्रह्मपुरी स्थित विवेकानंद स्कूल में पढ़ाई के दौरान हुई थी।

सोनिया गांधी बोलीं—राजीव को प्रधानमंत्री बनाने के फैसले के खिलाफ थी, अब खुद बताऊंगी अपनी कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने कहा है कि जब राजीव गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाया जा रहा था, तब वह इस फैसले के पक्ष में नहीं थीं। वह कभी नहीं चाहती थीं कि राजीव प्रधानमंत्री बनें। अपनी आने वाली किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' के जरिए सोनिया गांधी अपनी जिंदगी के अनकहे पहलुओं और अनुभवों को सामने लाने जा रही हैं। यह किताब 10 नवंबर को रिलीज होगी। सोनिया गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर किताब से जुड़ा नया वीडियो साझा किया। इसमें उन्होंने कहा कि किताब के आने पर कुछ 'तमाशा' जरूर होगा। दशकों से लोग उनकी कहानी बताते रहे हैं, लेकिन अब वह खुद अपनी कहानी बताना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि उनके बारे में बहुत सी बातें मनगढ़ंत थीं या उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। इसलिए उन्होंने घटनाओं और तथ्यों को उसी तरह सामने रखने का फैसला किया, जैसे वे वास्तव में हुई थीं। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में राजीव गांधी से पहली मुलाकात और उनके रिश्ते की शुरुआत का भी जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि कैम्ब्रिज में राजीव से मुलाकात ने दोस्ती का रास्ता खोला। पहली मुलाकात में ही राजीव उन्हें पसंद आ गए थे। सोनिया के मुताबिक, उन्हें लगा था कि राजीव ऐसे व्यक्ति हैं, जिनके साथ वह अपनी जिंदगी बिताना चाहेंगी। बाद में उन्हें पता चला कि राजीव भी उनके बारे में ऐसा ही महसूस करते थे। दोनों की दोस्ती पार्टियों, घूमने और छात्रों की बैठकों में साथ समय बिताने के दौरान गहरी हुई। सोनिया ने राजीव के स्वभाव का जिक्र करते हुए कहा कि वह सौम्य व्यक्तित्व के धनी थे और उनका अच्छा स्वभाव पहली नजर में ही दिखाई देता था। राजीव गांधी से शादी के बाद सोनिया को नेहरू-गांधी परिवार का हिस्सा बनने के साथ भारतीय जीवनशैली को समझने और अपनाने का अनुभव भी हुआ। किताब में अपनी सास और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से पहली मुलाकात, परिवार के साथ बिताए समय और भारत में जीवन के शुरुआती दौर का उल्लेख है। सोनिया ने हिंदी सीखने, साड़ी पहनने और भारतीय खानपान तथा संस्कृति के साथ तालमेल बैठाने जैसे अनुभवों को भी अपनी कहानी का हिस्सा बनाया है। किताब में निजी जीवन से जुड़े इन पहलुओं के जरिए उनके जीवन में आए बदलावों को सामने रखा गया है। 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री बने। इसके सात साल बाद, 1991 में राजीव गांधी की भी हत्या कर दी गई। सोनिया गांधी के जीवन में इन दोनों घटनाओं ने गहरा बदलाव किया। उन्होंने बताया कि अपनों को खोने के दर्द ने उन्हें सार्वजनिक जीवन और राजनीति की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इससे पहले वह अपनी निजी जिंदगी को सार्वजनिक नजरों से दूर रखना चाहती थीं।

गर्भवती भाभी की हत्या के लिए नर्स ने दी सुपारी, दिए ढाई लाख रुपये

महानगर मेट्रो ब्यूरो

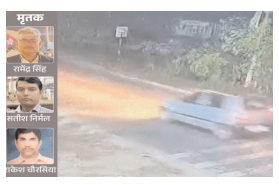
देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया में एक सरकारी स्टाफ नर्स पर अपनी पांच महीने की गर्भवती भाभी की सुपारी देकर हत्या कराने का आरोप लगा है। पुलिस के अनुसार, नर्स पूर्णिमा ने अपने प्रेम संबंध का खुलासा होने के डर से प्रेमी के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। इसके लिए तीन लाख रुपये में सौदा तय किया गया और गहने गिरवी रखकर कथित हत्यारे को ढाई लाख रुपये एडवांस दिए गए। वारदात 24 अक्टूबर की देर रात रुद्रपुर कस्बे में हुई थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सरकारी आवास में घुसे और महिला का पहले गला घोंटा, फिर हथौड़े से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद नर्स ने खुद पुलिस को सूचना दी, ताकि घटना को सामान्य हत्या की तरह दिखाया जा सके। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और पूछताछ के दौरान पुलिस का शक उस पर गहरा गया। पुलिस के अनुसार, पूर्णिमा गोरखपुर जिले के सहजनवां थाना क्षेत्र के चांदबाड़ी गांव की रहने वाली है। वह अविवाहित है और करीब पांच साल से देवरिया के रुद्रपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ नर्स के पद पर तैनात है। वह वहीं सरकारी आवास में रहती थी। उसका बड़ा भाई चमनलाल विश्वकर्मा अयोध्या की एक निर्माण कंपनी में फिटर का काम करता है। चमनलाल की पत्नी गुड़िया (28) अपने परिवार के साथ गांव में रहती थी। गुड़िया पांच महीने की गर्भवती थी। इसी वजह से कुछ दिन पहले वह देवरिया में अपनी ननद पूर्णिमा के पास रहने आई थी। पुलिस का कहना है कि पूर्णिमा का एक युवक से प्रेम संबंध था और वह अक्सर उसके सरकारी आवास पर आता-जाता था। कई बार रात में भी उसका आना होता था। गुड़िया को इस संबंध की जानकारी हो गई थी।



सीतापुर में तालाब में डूबी कार से मिले तीन कारोबारियों के शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में सोमवार देर रात तालाब में डूबी आल्टो कार से तीन कारोबारियों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। तीनों बहराइच में एक कारोबारी के घायल बेटे को देखने गए थे, लेकिन वापस घर नहीं पहुंचे। तलाश के दौरान पुलिस को उनकी कार कमलापुर थाना क्षेत्र के पंचपीर गांव के तालाब में मिली। क्रेन की मदद से कार बाहर निकलवाई गई तो उसमें दो शव आगे और एक पीछे की सीट पर मिला। शवों के पास मिले दस्तावेजों से मृतकों की पहचान सिधौली निवासी राकेश चौरसिया (50), उनके पड़ोसी सतीश निर्मल (40) और अटरिया निवासी रामेंद्र सिंह (62) के रूप में हुई। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरुआती जांच में मौत का कारण कार के तालाब में डूबने को माना जा रहा है। हालांकि, घटना की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, राकेश चौरसिया के बेटे मोहन का रविवार दोपहर करीब चार बजे बहराइच में एक्सीडेंट हो गया था। हादसे में उसे हल्की चोटें आई थीं। बेटे को देखने और उसे घर लाने के लिए राकेश ने बहराइच जाने का फैसला किया। जब उन्होंने अपने पड़ोसी सतीश निर्मल और अटरिया निवासी रामेंद्र सिंह को इसकी जानकारी दी तो दोनों ने भी साथ चलने की इच्छा जताई रूइसके बाद तीनों रविवार शाम करीब पांच बजे सतीश की आल्टो कार से बहराइच के लिए रवाना हुए।



'दया, प्यार और करुणा' ही नर्सिंग प्रोफेशनल्स के लिए सच्ची दवा है: हेल्थ मिनिस्टर श्री प्रफुल पंशेरिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। राज्य के हेल्थ सेक्टर को मज़बूत और ज़्यादा मानवीय बनाने की दिशा में एक और ज़रूरी कदम उठाते हुए, ट्रेंड नर्सेस एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के गुजरात चैप्टर द्वारा आयोजित एक दिन के 23वें स्टेट कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन गुजरात के हेल्थ और परिवार कल्याण मंत्री श्री प्रफुल पंशेरिया ने किया। अहमदाबाद में सरदार वल्लभभाई नेशनल मेमोरियल में गुजरात इंस्टीट्यूट ऑफ़ नर्सिंग एजुकेशन एंड रिसर्च द्वारा आयोजित इस इवेंट का थीम 'क्लिनिकल प्रैक्टिस को फिर से परिभाषित करना: इनोवेटिव टेक्नोलॉजी के ज़रिए नर्सों को सशक्त बनाना' था। यह कॉन्फ्रेंस ज्ञान और स्किल्स के लेन-देन का 'कुंभ जैसा' फेस्टिवल है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए हेल्थ मिनिस्टर श्री प्रफुल्ल पंशेरिया ने कहा कि ऐसी कॉन्फ्रेंस कुंभ मेले की तरह होती हैं, जहां ज्ञान और स्किल्स का लगातार लेन-देन होता रहता है। एक इंसान के तौर पर हमें ज़िंदगी भर लगातार सीखते रहना होगा, और नर्सिंग जैसे नेक फील्ड में अपना बेस्ट परफॉर्म करने के लिए, लगातार अपडेटेड रहना ज़रूरी है आज के मॉडर्न ज़माने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चर्चा के बारे में बात करते हुए, मिनिस्टर ने साफ कहा, 'चाहे कितनी भी मॉडर्न टेक्नोलॉजी या रोबोट आ जाए, वह कभी भी नर्सिंग का काम नहीं ले पाएगा।



डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट ऑफिसर ने गुजरात पंचायत एक्ट, 1993 के सेक्शन 59(1) के तहत कार्रवाई की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवगढ़। एंटी-करप्शन ब्यूरो द्वारा देवगढ़ बारिया तालुका की अंकली ग्राम पंचायत के सरपंच रमेशभाई भीखाभाई बारिया को गिरफ्तार करने के बाद, डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट ऑफिसर हिरेन बारोट ने उन्हें तुरंत सरपंच पद से सस्पेंड कर दिया। सागताला पुलिस ने अंकली गांव में एक गांव वाले के खेत से बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब जब्त की थी। इस मामले में, सरपंच रमेशभाई बारिया ने बिचौलिए का काम किया और शिकायतकर्ता से पुलिस कार्रवाई से बचाने और मामला निपटाने के बहाने 50,000 रुपये की रिश्वत मांगी। क्योंकि शिकायत करने वाला रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने गोधरा ACB से संपर्क किया। ACB के बिछाए जाल में, सरपंच रमेश बारिया को 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया और 8 जुलाई 2026 को गिरफ्तार करके देवगढ़ बारिया सब जेल भेज दिया गया। इस मामले में दाहोद ACB द्वारा चार्जशीट फाइल करने और प्रॉसिक्यूशन अप्रूवल मिलने के बाद, जिला पंचायत दाहोद ने कानूनी प्रक्रिया के तहत, सरपंच को आमने-सामने सुनवाई के तीन नोटिस दिए और उसे अपना बचाव पेश करने का मौका दिया। सरपंच द्वारा पेश की गई दलीलों और सुनवाई के दौरान कानूनी प्रावधानों की जांच करने के बाद, जिला विकास अधिकारी हिरेन बारोट ने कहा कि सरपंच के खिलाफ नैतिक रूप से भ्रष्ट होने से जुड़े एक गंभीर अपराध के तहत क्रिमिनल कार्रवाई शुरू की गई है और वह 65 दिनों से ज़्यादा समय तक जेल की कस्टडी में रहा। इसलिए, 'गुजरात पंचायत अधिनियम, 1993' की धारा 59(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला विकास अधिकारी ने अंकली ग्राम पंचायत के सरपंच रमेशभाई भीखाभाई बारिया को पद से निलंबित करने का अंतिम आदेश जारी किया।



देवगढ़ बारिया पुलिस ने देवगढ़ बारिया और धनपुर पुलिस स्टेशन के शराबबंदी अपराधों में फरार आरोपियों को पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

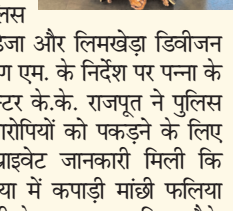
देवगढ़। आरोपी फारूकभाई सत्तारभाई चेमन को प्राइवेट जानकारी के आधार पर कापड़ी मांछी फलिया चौकड़ी से पकड़ा गया जिला पुलिस द्वारा जिले में फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे स्पेशल ऑपरेशन के तहत देवगढ़ बारिया पुलिस को सफलता मिली पुलिस ने फारूकभाई सत्तारभाई चेमन को पकड़ा, जो देवगढ़ बारिया और धनपुर पुलिस स्टेशनों में शराबबंदी अपराधों में शामिल था और फरार था मिली जानकारी के अनुसार, पंचमहल रेंज की डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस विधि चौधरी और दाहोद जिले के पुलिस सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस रविराजसिंह जडेजा और लिमखेड़ा डिवीजन के असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस करण एम. के निर्देश पर पन्ना के मार्गदर्शन में देवगढ़ बारिया पुलिस इंस्पेक्टर के.के. राजपूत ने पुलिस स्टाफ की एक टीम बनाई और फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस को प्राइवेट जानकारी मिली कि फारूकभाई सत्तारभाई चेमा देवगढ़ बारिया में कपाड़ी मांछी फलिया चौकड़ी के पास मौजूद है। मिली जानकारी के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। जांच के दौरान आरोपी मिल गया और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की। पता चला कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ देवगढ़ बारिया पुलिस स्टेशन में साल 2025 के दौरान और धनपुर पुलिस स्टेशन में साल 2026 के दौरान प्रोहिबिशन एक्ट की धारा 65. 116, 98(2) और 81 के तहत अपराध दर्ज किए गए थे। देवगढ़ बारिया पुलिस इंस्पेक्टर के.के. राजपूत, स्ट्ठ रणजीतसिंह समरसिंह, ASI किरणभाई खाटूभाई और पुलिस कांस्टेबल राजेशभाई प्रतापभाई शामिल हुए।



कर्णावती में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत एक बड़ी पदयात्रा का आयोजन किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कर्णावती। देश और राज्य में लोकतंत्र के संवैधानिक मूल्यों को बचाए रखने, जनता के अधिकारों की रक्षा करने और समाज में जागरूकता फैलाने के मकसद से आज कर्णावती महानगर में एक बड़ी और प्रभावशाली पदयात्रा का आयोजन किया गया। 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत आयोजित यह जन जागरूकता पदयात्रा नवा वडाज इलाके के एक बहुत ही व्यस्त और जाने-माने व्यासवाड़ी चौराहे से पूरे जोश और अनुशासित माहौल में शुरू हुई। व्यासवाड़ी चार रास्ता से शानदार स्वागनगी लोकल लोगों का ज़बरदस्त रिस्पॉन्स सुबह व्यासवाड़ी चार रास्ता पर बड़ी संख्या में लोकल नागरिक, युवा, महिलाएं और सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र के नेता इकट्ठा हुए। मार्च के स्वागनगी के समय ही पूरा माहौल देशभक्ति और लोकतंत्र की रक्षा के संकल्प से गूंज उठा। नवा वडाज की मुख्य सड़कों और अंदरूनी रिहायशी इलाकों से गुज़रे इस मार्च के दौरान, हिस्सा लेने वालों ने हाथों में जागरूकता वाले पोस्टर और बैनर लेकर 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के ज़ोरदार नारे लगाए।



मेधावी छात्रों की छात्रवृत्ति पांच साल से अटकी, गुजरात कांग्रेस ने केंद्र से मांगा जवाब

डॉक्टर मनीष दोशी ने वित्तीय प्राथमिकताओं और शिक्षा पर संसदीय समिति की सिफारिशों का दिया हवाला

गुजरात कांग्रेस ने NTSE स्कॉलरशिप योजना के निलंबन पर केंद्र सरकार पर साधा निशाना, निष्पक्ष जांच और तत्काल पुनरुद्धार की मांग

पांच साल से बंद NTSE स्कॉलरशिप पर गुजरात कांग्रेस का केंद्र पर निशाना, योजना बहाल करने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया संयोजक और प्रवक्ता डॉक्टर मनीष दोशी ने केंद्र सरकार की नीतियों और शिक्षा प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अहमदाबाद में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि देश के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने वाली प्रमुख योजना 'नेशनल टैलेंट सर्च एग्जामिनेशन' पिछले पांच वर्षों से रुकी हुई है, जिससे लाखों होनहार छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

स्कॉलरशिप योजना के निलंबन और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर सवाल

कांग्रेस प्रवक्ता डॉक्टर मनीष दोशी ने कहा कि वर्ष 1963 से चली आ रही इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय योजना के तहत हर साल कक्षा 10वीं के 8 से 9 लाख विद्यार्थियों में से लगभग 2,000 मेधावी छात्रों का चयन किया जाता था। चयनित छात्रों को माध्यमिक स्तर से लेकर डॉक्टरेट तक वित्तीय सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया जाता था। गुजरात में ही हर साल लगभग 50,000 छात्र इस परीक्षा में बैठते थे, जिनमें से 200 से 300 छात्रों का चयन होता था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस योजना के बंद होने से न केवल अनुसंधान क्षेत्र प्रभावित हुआ है, बल्कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित संकाय पदों (फैकल्टी पोस्ट्स) की प्रतिभा पाइपलाइन पर भी विपरीत असर पड़ा है।

प्रचार और विदेश यात्राओं पर खर्च का आरोप

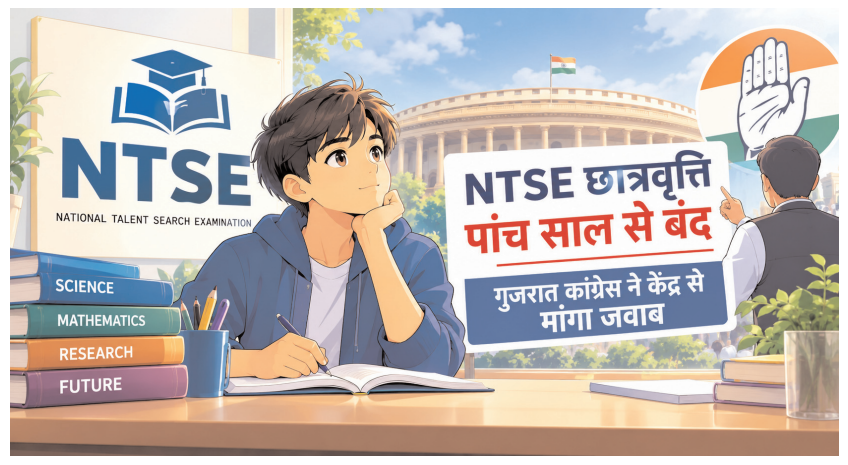
डॉक्टर दोशी ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार आत्म-प्रचार और विदेश यात्राओं जैसे मदों में पर्याप्त बजट आवंटित कर रही है, लेकिन शिक्षा और मेधावी छात्रों के लिए आवश्यक वित्तीय स्वीकृतियां अटकी हुई हैं। उन्होंने कहा कि 'NTSE 2.0' का ड्राफ्ट मेमोरैंडम मंत्रालयी परामर्शों और व्यय वित्त समिति की प्रक्रियाओं में लंबित है, जिससे वित्तीय स्वीकृति मिलने में देरी हो रही है।

संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट का संदर्भ

प्रेस वक्तव्य में शिक्षा पर संसदीय स्थायी समिति की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि समिति ने भी इस योजना के लगातार बंद रहने पर चिंता जताई है। संसदीय समिति ने इसे देश की प्रतिभा पाइपलाइन के लिए नुकसानदेह माना है और सिफारिश की है कि इस योजना को समयबद्ध सीमा में पुनर्गठित कर फिर से शुरू किया जाए।

कांग्रेस की मांगें और भविष्य की कार्रवाई

गुजरात कांग्रेस ने केंद्र सरकार से मांग की है कि NTSE स्कॉलरशिप योजना को बिना किसी अतिरिक्त विलंब के पारदर्शी तरीके से पुनर्जीवित किया जाए। पार्टी ने कहा कि यदि मेधावी छात्रों के अधिकारों और स्कॉलरशिप को लेकर त्वरित निर्णय नहीं लिया गया, तो समाज और छात्र संगठनों को साथ लेकर लोकतांत्रिक तरीके से इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा।



NTSE छात्रवृत्ति पांच साल से बंद, गुजरात कांग्रेस ने केंद्र से मांगा जवाब

गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ. मनीष दोशी ने राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा छात्रवृत्ति योजना पांच वर्षों से स्थगित रहने पर केंद्र सरकार की शिक्षा नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 1963 से संचालित इस योजना के माध्यम से हर साल हजारों मेधावी विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता मिलती थी। गुजरात में भी करीब 50 हजार विद्यार्थी प्रतिवर्ष इस परीक्षा में शामिल होते थे। दोशी ने आरोप लगाया कि योजना के बंद रहने से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के अवसर प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से योजना को पारदर्शी तरीके से तत्काल बहाल करने, इसके निलंबन की निष्पक्ष जांच कराने और संसदीय स्थायी समिति की सिफारिशों पर अमल करने की मांग की

गांव वाले पानी के लिए दूर-दूर जाने को मजबूर हैं, जनता की मांग है कि प्रशासन जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करे कदवाल के नाथपुरा फलिया में 'नल से जल' स्कीम पर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कदवाल। कदवाल गांव के नाथपुरा फलिया में 'नल से जल' स्कीम के तहत नल और नल स्टैंड तो लग गए हैं, साथ ही पाइपलाइन भी बिछा दी गई है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इस काम को एक साल से ज़्यादा समय बीत जाने के बाद भी फलिया के लोगों को आज तक नल से पानी की एक बूंद भी नहीं मिली है। ऐसे में, स्थानीय लोगों के बीच सवाल उठ रहे हैं कि उन्हें सरकार की इस स्कीम का फ़ायदा कब मिलेगा। सरकार ने 'नल से जल' स्कीम हर घर में साफ़ पीने का पानी पहुंचाने के मकसद से लागू की है। इस स्कीम के तहत कदवाल के नाथपुरा फलिया में नल स्टैंड लगाए गए हैं और पाइपलाइन बिछाने का काम भी किया गया है। लेकिन, इतने काम के बाद भी नलों से पानी आना शुरू नहीं हुआ है, इसलिए यह प्लान सिर्फ़ कागज़ों तक ही सीमित रह गया है और नल सिर्फ़ दिखावे के लिए हैं। नाथपुरा फलिया के लोग पानी का इंतज़ार कर रहे हैं क्योंकि एक साल से ज़्यादा समय बीत जाने के बाद भी पानी की सप्लाई शुरू नहीं हुई है। लोगों को उम्मीद थी कि नल और पाइपलाइन का काम पूरा होने के बाद उनके घरों के आंगन में पानी मिलेगा, लेकिन यह उम्मीद अभी तक पूरी नहीं हुई है। नाथपुरा फलिया में पानी की सुविधा न होने की वजह से स्थानीय लोगों को पानी लाने के लिए दूर जाना पड़ रहा है। लोगों को अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में पानी जैसी बेसिक ज़रूरतों के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। एक तरफ़ सरकार हर घर में नल का पानी पहुंचाने की बात कर रही है, वहीं दूसरी तरफ़ नल की सुविधा होने के बावजूद पानी न मिलने की स्थिति सिस्टम के काम करने के तरीके पर सवाल उठाती है। लोगों की मांग है कि प्रशासन जल्द से जल्द पानी की सप्लाई शुरू करे नाथपुरा फलिया के लोगों को अब सिर्फ भरोसे की नहीं, बल्कि असली राहत की जरूरत है। लोगों की मांग है कि संबंधित प्रशासन मौके पर जाकर जांच करे और पाइपलाइन और पानी की सप्लाई की हालत का रिव्यू करे और जल्द से जल्द नलों में पानी शुरू करे। अब देखना यह है कि नाथपुरा फलिया के लोगों को 'नल से जल' स्कीम का फायदा कब मिलेगा और उन्हें पानी की समस्या से कब राहत मिलेगी? प्रशासन के लिए यह जरूरी हो गया है कि वह इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता दे और इसे जल्द से जल्द हल करे।



मोदी सरकार के 'सेल्फ-प्रमोशन और विदेश यात्राओं' के पीछे हज़ारों करोड़ का धुआं, लेकिन देश के सबसे होनहार बच्चों के लिए NTSE स्कॉलरशिप स्कीम' 5 साल से रुकी हुई है!

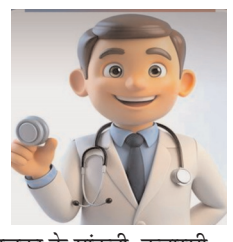
महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश के युवाओं और होनहार स्टूडेंट्स के खिलाफ केंद्र की BJP सरकार की प्राथमिकताएं एक बार फिर सामने आई हैं। भारत सरकार की एक बहुत ज़रूरी और फ्लैगशिप स्कीम 'नेशनल टैलेंट सर्च एग्जाम', जो देश के 10वीं क्लास के टैलेंटेड स्टूडेंट्स को पहचानकर उन्हें हायर एजुकेशन तक फाइनेंशियल मदद और मदद देती है, पिछले पांच सालों से, यानी 2021 से पूरी तरह से रुकी हुई है। इस गंभीर लापरवाही के खिलाफ, गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया कन्वीनर और स्पोक्सपर्सन डॉ. मनीष दोशी ने अपना गुस्सा ज़ाहिर किया है और सरकार पर हमला बोला है और साफ तौर पर आरोप लगाया है कि, 'केंद्र सरकार सेल्फ-प्रमोशन और बार-बार विदेश यात्राओं पर अनलिमिटेड पैसा खर्च करती है, लेकिन देश के लाखों बच्चों को उनके शिक्षा के अधिकार से दूर करके उनके ब्राइट फ्यूचर को अंधेरे में धकेलने का पाप कर रही है।' शिक्षा पर पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी ने भी NTSE जैसी ज़रूरी नेशनल परीक्षा के बंद होने को बहुत गंभीर बताया है और इसे देश की टैलेंट पाइपलाइन के लिए बड़ा झटका बताया है। 1970 के दशक से लगातार चल रही इस स्कीम (1963 की ओरिजिनल स्कीम के हिसाब से) में हर साल देश भर से 8 से 9 लाख होनहार कैंडिडेट्स में से करीब 2,000 मेरिटोरियस स्टूडेंट्स को चुना जाता था। इस स्कीम में सेकेंडरी स्कूल से लेकर पोस्ट-ग्रेजुएशन और डॉक्टरेट लेवल तक मंथली स्कॉलरशिप और गाइडेंस दी जाती थी, जिससे देश में टैलेंट की एक मजबूत पाइपलाइन बनी। सिर्फ नेशनल लेवल पर ही नहीं, बल्कि अगर गुजरात की बात करें तो राज्य से 50,000 से ज़्यादा स्टूडेंट्स ने इस एग्जाम में जोश के साथ हिस्सा लिया, जिनमें से 200 से 300 स्टूडेंट्स को यह खास मौका मिला। हालांकि, इस स्कीम के बंद होने से शेड्यूल्ड कास्टकम्युनिटीज़ के लिए रिज़र्व्ड फैकल्टी पोस्ट्स और रिसर्च सेक्टर पर भी बुरा असर पड़ा है। 'NTSE 2.0' फाइलों में पड़ा है, फाइनेंशियल मंज़ूरी न मिलने से रुका हुआ है' NTSE 2.0' के लिए एक्सपेंडिचर फाइनेंस कमेटी के ड्राफ्ट मेमो के रिव्यू और 24 सितंबर 2025 को इंटर-मिनिस्ट्रियल कंसल्टेशन के लिए फिर से सर्कुलेट होने के बावजूद, डॉ. मनीष दोशी की ज़ोरदार मांगें सरकार को 'टैलेंट पाइपलाइन' को फिर से बनाने के लिए तुरंत एक टाइम-बाउंड प्लान लागू करना चाहिए, जिसे पार्लियामेंट्री कमेटी ने माना है कि गंभीर नुकसान हुआ है।

क्या अधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री के आदेश को नज़रअंदाज़ कर दिया?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

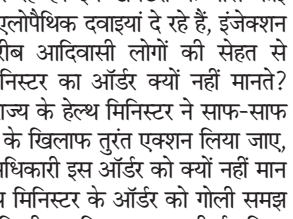
जीतपुर। मांकडी, कुवारसी, दंता, जीतपुर, नववास वगैरह में 250 से ज़्यादा फर्जी अस्पताल फल-फूल रहे हैं। गुजरात राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य भर में बिना डिग्री वाले फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के साफ निर्देश दिए हैं। जिनके पास कोई डिग्री नहीं है और जो गांवों में अस्पताल खोलकर लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं, उनके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई का आदेश दिया गया है। दांता-हदद में 250 से ज़्यादा फर्जी अस्पताल! मिली जानकारी के मुताबिक, दंता-हदद तालुका के मांकडी, कुवारसी, दंता, जीतपुर, नववास जैसे कई गांवों में 250 से ज़्यादा फर्जी डॉक्टर अस्पताल खोलकर प्रैक्टिस कर रहे हैं। इन डॉक्टरों के पास कोई वैलिड डिग्री नहीं है, फिर भी ये एलोपैथिक दवाइयां दे रहे हैं, इंजेक्शन लगा रहे हैं और खुलेआम गरीब आदिवासी लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। हेल्थ मिनिस्टर का ऑर्डर क्यों नहीं मानते? सवाल यह उठ रहा है कि जब राज्य के हेल्थ मिनिस्टर ने साफ-साफ ऑर्डर दिया है कि फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ तुरंत एक्शन लिया जाए, तो दंता-हदद तालुका के हेल्थ अधिकारी इस ऑर्डर को क्यों नहीं मान रहे हैं? क्या अधिकारियों ने हेल्थ मिनिस्टर के ऑर्डर को गोली समझ लिया है? या फर्जी डॉक्टरों को किसी का छिपा हुआ आशीर्वाद मिला हुआ है? इस धंधे को इस बहाने खुली छूट नहीं दी जा सकती कि गांवों में असली डॉक्टर नहीं हैं और फर्जी डॉक्टर ही गरीबों का एकमात्र सहारा हैं। तो अब देखना यह है कि क्या हेल्थ मिनिस्टर के ऑर्डर का दंता-हदद में सच में पालन होगा या यह ऑर्डर भी सिर्फ कागजों पर ही रहेगा? अगर तुरंत एक्शन नहीं लिया गया, तो किसी बड़े हादसे के लिए कौन जिम्मेदार होगा?



SOG ने अंगड़िया फर्म को लूटने की इंटरस्टेट साजिश को नाकाम किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। जब दिवाली की छुट्टियों से पहले तीर्थस्थल अंबाजी में चागडोल और सवारियां शुरू होने वाली हैं, तो उनकी सुरक्षा को लेकर एक बड़ी शिकायत सामने आई है। यह पक्का करने के लिए कि किसी की जान खतरे में न पड़े और किसी तीर्थयात्री की जान न जाए, और लोगों की सुरक्षा बनी रहे, असिस्टेंट कलेक्टर और प्रोविंशियल ऑफिसर से लिखित शिकायत की गई है कि इन चागडोल से किस तरह की परमिशन ली गई है, इसकी निष्पक्ष जांच की जाए। शिकायत के मुताबिक, अंबाजी में जो चागडोल और सवारियां लगाई जा रही हैं, उनकी जांच होनी चाहिए कि उनके पास पूरी परमिशन है या नहीं।



खास तौर पर

1. क्या एडमिनिस्ट्रेशन से पूरी परमिशन ली गई है?
2. क्या फायर सेफ्टी इक्विपमेंट लगाए गए हैं?
3. क्या इमरजेंसी के लिए एग्जिट गेट का इंतज़ाम है?
4. क्या एक्सीडेंट होने पर पब्लिक लायबिलिटी इंश्योरेंस लिया गया है? इन सभी मामलों पर निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

इस शिकायत के बाद अब प्रशासन क्या एक्शन लेता है, यह सबकी नज़र होगी। शिकायत के बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। अगर बिना इजाज़त के झोपड़ियाँ बनाई गई हैं, तो प्रशासन किस तरह का एक्शन लेगा? क्या प्रशासन इन झोपड़ियों को सील करेगा या सिर्फ़ कागज़ों पर एक्शन दिखाएगा? यह देखना बाकी है। अंबाजी तीर्थस्थल पर हर दिन हज़ारों तीर्थयात्री आते हैं, उनकी सुरक्षा से कोई समझौता न हो, इसलिए जनता की मांग है कि प्रशासन इस शिकायत को गंभीरता से ले और तुरंत साइट का इंस्पेक्शन करे।

राजकोट रेंज टीम ने गोंडल में वर्ली मटका जुआ अड्डे पर छापा मारा: 10 लोग गिरफ्तार, 2.23 लाख रुपये जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। रेंज टीम को पता चला कि राजकोट ग्रामीण जिले के गोंडल सिटी ए डिवीजन पुलिस स्टेशन क्षेत्र में स्थित एक तालुका स्कूल के सार्वजनिक मैदान में वर्ली फीचर नंबरों पर जुआ खेला जा रहा था। यह ऑपरेशन राजकोट डिवीजन के पुलिस उप महानिरीक्षक निरलिप्त राय के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन और राजकोट रेंज पुलिस निरीक्षक अपूर्व पटेल के निर्देशानुसार किया गया। अवैध शराबबंदी और जुआ गतिविधियों का पता लगाने के लिए, पुलिस उपनिरीक्षक पी.एन. मोरी, पुलिस उपनिरीक्षक बी.सी. मियात्रा, पुलिस उपनिरीक्षक एस.पी. गोहिल और पुलिस उपनिरीक्षक ए.वाई. उधास और कर्मचारी मानव स्रोतों से जानकारी प्राप्त करके आवश्यक अध्ययन कर रहे थे। इस दौरान मिले विशेष तथ्यों के आधार पर पी.एस.ई. बी.सी. मियात्रा और उनके स्टाफ मेंबर वकारभाई अरब, दिव्येशभाई सुवा और भोजभाई ट्रामटा ने भुवनेश्वर मंदिर के सामने कनया पान की दुकान के पीछे तालुका स्कूल ग्राउंड में छापा मारा। पुलिस ने मौके से लोगों को जुआ खेलते और खेलने देते हुए रंगे हाथों पकड़ा और उनके पास से 1,52,300 रुपये कैश और कुल 2,23,800 रुपये के 11 मोबाइल फोन जब्त किए।द्व इस जुआ नेटवर्क से जुड़े कुल 15 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में (1) जगदीश हरेशभाई गायनी (निवास स्थान आवास क्वार्टर, नानमवा मेन रोड, राजकोट), (2) जयदीप उर्फ बड़ो लीलाभाई वोरा (निवास स्थान भोजपारा, गोंडल), (3) मुनाफ उर्फ मुनो इस्माइलभाई बलोच (निवास स्थान वोराकोटेडा रोड खडाम, गोंडल), (4) मजीद उस्मानभाई सेटा (निवास स्थान भगवतपारा, गोंडल), (5) वसीम अब्दुलशाह शाहमदार (निवास स्थान भगवतपारा, गोंडल), (6) विपुल खेंगरभाई गोल्टर (निवास स्थान वोराकोटेडा रोड, मफतियापारा, गोंडल), (7) अशरफ करिम्बाही जलवानी (निवास स्थान भोजपारा गांव, गोंडल), (8) नाथाभाई थोभनभाई चंदेला (निवास स्थान मोविया गांव, गोंडल) को पुलिस ने नियमों के मुताबिक हिरासत में लिया है। आमद खिरानी (निवासी गोंडल) और उनके खिलाफ गोंडल सिटी डिवीजन पुलिस स्टेशन में आगे की कानूनी कार्रवाई की गई है।



तरसाली सोमनाथ के पास रावी पाक चौराहे के पास VMC की प्रेशर ब्रांच ने कार्रवाई की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। आज वडोदरा नगर निगम की प्रेशर ब्रांच ने सांस्कृतिक शहर वडोदरा के मकरपुरा इलाके में सख्त और बड़ी कार्रवाई की। मकरपुरा इलाके में तरसाली सोमनाथ के पास रावी पाक चौराहे के पास स्थित मनोकामना सोसाइटी-2 में नगर निगम की टीम ने काफिले के साथ अवैध कंस्ट्रक्शन पर हमला किया और उन पर बुलडोजर चला दिया। नगर निगम की इस आक्रामक कार्रवाई से पूरे इलाके में काफी हंगामा और अफरा-तफरी मच गई है। दबाव कम करने की मुहिम के दौरान दुखद दृश्य जैसे ही नगर निगम की दबाव शाखा की टीम बुलडोजर और पुलिस बल के साथ मनोकामना सोसायटी-2 पहुंची, स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जैसे ही सालों से बने अवैध दबावों और निर्माणों को गिराने की प्रक्रिया शुरू हुई, साइट पर दिल दहला देने वाले और उलटे-सीधे दृश्य बन गए। कुछ निवासियों की आंखों में आंसू आ गए जब उन्होंने अपना सामान या रोजी-रोटी के साधन टूटते देखे। दबाव कम करने की मुहिम के दौरान, साइट पर रिश्तेदारों का दुख और रोना-धोना, प्रशासन के खिलाफ बहुत गुस्सा और आक्रोश था, और अवैध दबावों से परेशान अन्य स्थानीय लोगों में खुशी थी।



मध्य प्रदेश की एक महिला ने अपनी पसंद के युवक से शादी का लालच देकर 28.43 लाख रुपये ऐंठ लिए!

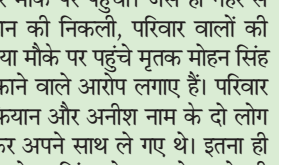
महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवसारी। नवसारी से अंधविश्वास और ज्योतिष के नाम पर ठगी का एक बड़ा और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मध्य प्रदेश की एक महिला ज्योतिषी ने नवसारी की एक लड़की को अपने जाल में फंसाकर अपनी पसंद के युवक से शादी का लालच दिया और उसे बार-बार धमकाकर और ब्लैकमेल करके कुल 28.43 लाख रुपये ऐंठ लिए। जालसाज महिला ने यह बड़ी रकम सीधे नहीं, बल्कि 29 अलग-अलग बैंक अकाउंट में ट्रांसफर की थी। अपनी पसंद के लड़के से शादी का लालच देकर फंसाया मिली जानकारी के मुताबिक, नवसारी की एक लड़की किसी वजह से मेंटल प्रेशर या कन्फ्यूजन में थी, जिसका फायदा मध्य प्रदेश की इस महिला ज्योतिषी ने उठाया। ज्योतिषी ने लड़की को भरोसे में लेकर दावा किया कि वह रीति-रिवाज और पूजा-पाठ के ज़रिए उसकी शादी उसकी पसंद के लड़के से करवा देगी। लड़की उसकी बातों में आ गई और छोटी रकम से शुरू हुई रकम लाखों रुपये तक पहुंच गई अपनी चाल के तहत, महिला ज्योतिषी ने लड़की से पूजा, रीति-रिवाज और किस्मत चमकाने के नाम पर अलग-अलग बहाने बनाकर पैसे ऐंठने शुरू कर दिए थे। हैरानी की बात यह है कि ज्योतिषी ने यह पैसे एक-दो नहीं बल्कि कुल 29 अलग-अलग बैंक अकाउंट में ऑनलाइन ट्रांसफर किए थे। धीरे-धीरे यह रकम बढ़कर 28.43 लाख रुपये हो गई। पैसे मिलने के बाद ब्लैकमेलिंग शुरू हो गई जब लड़की ने और पैसे देने में असमर्थता दिखाई और उसे लगा कि उसके साथ धोखा हुआ है, तो चालाक महिला ज्योतिषी ने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। उसने लड़की को बदनाम करने की धमकी देकर और डरा-धमकाकर और पैसे के लिए मानसिक रूप से ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। आखिरकार तंग आकर और परेशान होकर इस मामले में कानूनी पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई और पूरा मामला सामने आ गया है। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि कैसे सोशल मीडिया या पर्सनल कॉन्टैक्ट के ज़रिए ठग धर्म और ज्योतिष के नाम पर भोले-भाले लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं।

गोरवा मधुनगर के युवक मोहन सिंह चौहान की रहस्यमयी हत्या या आत्महत्या?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा शहर के गोरवा इलाके के मधुनगर में रहने वाले और पिछले दो दिनों से रहस्यमयी हालात में लापता युवक मोहन सिंह चौहान की लाश आज रायपुरा नर्मदा नहर में मिलने से पूरे इलाके में भारी हंगामा और सनसनी फैल गई। फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम ने काफी मशक्कत के बाद युवक की लाश नहर से बाहर निकाली। हालांकि, जैसे ही यह घटना सामने आई, मृतक के परिवार ने दोनों युवकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं कि सोफयान और अनीश नाम के लोगों ने मोहन सिंह को घर से बुलाया था और पहले भी जान से मारने की धमकी दी थी। इस गंभीर खुलासे के बाद मामला और भी गरमा गया है मिली जानकारी के मुताबिक, गोरवा मधुनगर के रहने वाले मोहन सिंह चौहान पिछले दो दिनों से अचानक लापता हो गए थे। उनके परिवार वाले उनकी काफी तलाश कर रहे थे लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच, आज रायपुरा नर्मदा नहर में एक युवक की लाश मिलने की सूचना मिलने पर परिवार मौके पर पहुंचा। जैसे ही नहर से निकाली गई लाश मोहन सिंह चौहान की निकली, परिवार वालों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया मौके पर पहुंचे मृतक मोहन सिंह के परिवार ने पुलिस के सामने चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। परिवार का कहना है कि दो दिन पहले सोफियान और अनीश नाम के दो लोग मोहन सिंह को उसके घर से बुलाकर अपने साथ ले गए थे। इतना ही नहीं, उससे पहले इन दोनों लोगों ने मोहन सिंह को जान से मारने की खुली धमकी भी दी थी। परिवार ने साफ तौर पर आरोप लगाया है कि मोहन सिंह की मौत कोई आम डूबने की घटना नहीं थी, बल्कि यह एक प्लान किया हुआ बेरहमी से किया गया मर्डर था और सोफियान और अनीश ने उसे किडनैप करके मार डाला और उसकी बॉडी नहर में फेंक दी। युवक की बॉडी नहर में मिलने और परिवार के गंभीर आरोप लगाने के बाद पुलिस सिस्टम भी हरकत में आ गया है। पुलिस ने बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और सोफियान और अनीश की संलिप्तता के लेवल की गहन जांच शुरू कर दी है।





408 बोतल विदेशी शराब और बीयर के साथ एक गिरफ्तार, सप्लायर की तलाश!

बगोदरा में ST बस से शराब की तस्करी का पर्दाफाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बगोदरा। गुजरात में शराब बैन के सख्ती से लागू होने के बीच, बूटलेगर शराब की तस्करी के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। अहमदाबाद जिले के बावला तालुका के बगोदरा में पुलिस ने सरकारी स्ज्ञ बस का इस्तेमाल करके शराब की तस्करी करने के ऐसे ही एक काले काम का पर्दाफाश किया है। गाड़ी चेकिंग के दौरान, बगोदरा पुलिस ने 85,600 की शराब और बीयर ज़ब्त की। बस से कुल 408 बोतल विदेशी शराब और बीयर ज़ब्त की गई है, जिससे शराबियों और अवैध शराब के धंधेबाजों में डर फैल गया है।

गहन गाड़ी चेकिंग में, ST बस से ज़ब्त की गई मात्रा

मिली जानकारी के मुताबिक, बगोदरा पुलिस टीम ने इलाके में गहन गाड़ी चेकिंग की। इस दौरान, संदिग्ध हालत में गुज़र रही एक स्ज्ञ बस को रोककर चेक किया गया, तो पुलिस भी हैरान रह गई। बस में छिपाकर रखी गई बड़ी मात्रा में विदेशी शराब और बीयर मिली। पुलिस ने मौके से कुल 408 बोतल विदेशी शराब और बीयर ज़ब्त की। 90,600 का सामान ज़ब्त, सप्लायर समेत नेटवर्क की जांच पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 85,600 की विदेशी शराब और बीयर और 90,600 का दूसरा सामान ज़ब्त किया। पुलिस ने इस शराब की तस्करी के आरोप में प्रवीणभाई



किशनभाई को मौके से हिरासत में लिया है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि यह शराब नरेशभाई राठवा नाम के एक आदमी ने सप्लाई की थी, जिसके चलते पुलिस ने नरेश राठवा को वॉन्टेड घोषित कर दिया है और उसे गिरफ्तार करने की कोशिश शुरू कर दी है। शराब कहां से आई और कहां जा रही थी पुलिस की जांच तेज बगोदरा पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। पुलिस ने इस बात की गहराई से जांच शुरू कर दी है कि इतनी शराब कहां से लाई गई, इसे स्ज्ञ. बस में कैसे लोड किया गया और आगे इसे कहां सप्लाई किया जाना था। प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से शराब तस्करों में भारी खलबली मच गई है।

डभोई के करनेट-सीतपुर कैनाल रोड पर मौत का तांडवः 2 फुट गहरे गड्ढें के बावजूद नर्मदा कॉर्पोरेशन के अधिकारी 'कुंभकर्ण की नींद' में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई. डेवलपमेंट के बड़े-बड़े दावों के बीच एडमिनिस्ट्रेशन की बेपरवाही और लापरवाही कैसे लोगों के लिए श्राप बन सकती है, इसका जीता-जागता उदाहरण डभोई तालुका से सामने आया है। डभोई तालुका में करनेट गांव से सीतपुर तक नर्मदा कैनाल के बगल में बना ज़रूरी अप्रोच रोड अब बहुत ही खराब और खस्ताहाल हो चुका है। सड़क से डामर गायब हो गया है और जगह-जगह 2 फुट तक गहरे जानलेवा गड्ढे हो गए हैं, जो इसे मौत को सीधा न्योता दे रहे हैं। गांव वालों को जोड़ने वाली सड़क 'एक्सीडेंट ज़ोन' बन गई है। यह डामर सड़क नर्मदा कॉर्पोरेशन ने नहर के किनारे इसलिए बनाई थी ताकि गांव के इलाकों के बीच कम्युनिकेशन आसान हो सके और किसान आसानी से ट्रैक्टर, खेती का सामान और फसलें अपने खेतों तक ले जा सकें। लेकिन, अब इस सड़क की हालत इतनी खराब हो गई है कि यह 'सड़क' नहीं बल्कि एक्सीडेंट को न्योता देने वाली जगह बन गई है। मॉनसून का मौसम खत्म होने के बाद भी, नर्मदा कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने इन गड्ढे को भरने या सड़क की मरम्मत के लिए आम कदम भी नहीं उठाए हैं। इस टूटी-फूटी सड़क की वजह से लोकल लोगों और खाने-पीने की चीज़ों के सप्लायर की मुश्किलें बर्दाश्त से



बाहर हो गई हैंखेती की उपज ले जाने में दिक्कतः किसानों को अपनी मेहनत की कमाई को मंडी तक ले जाने और खाद-बीज खेतों तक ले जाने में बहुत मुश्किल होती है। गाड़ियों के खराब होने और एक्सीडेंट का डर 2 फुट गहरे गड्ढे में फंसने से गाड़ियों को बहुत नुकसान होता है

डभोई में मौत का कारण बन रहा सिस्टमः एक बेरहम कॉन्ट्रैक्टर जो बिना सेफ्टी के मजदूरों से 40 फीट की ऊंचाई पर खतरनाक काम करवाता है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई. डेवलपमेंट के दावों के बीच आम लोगों और गरीब मजदूरों की कीमत पर लापरवाही कितनी खतरनाक साबित हो सकती है, इसका जीता-जागता उदाहरण डभोई नगर पालिका इलाके में सामने आया है। डभोई के अंबावाड़ी इलाके में स्थानीय निवासियों के लिए पीने के पानी की नई टंकी बनाने का काम इस समय जोरों पर है, लेकिन इस डेवलपमेंट के काम के पीछे मजदूरों के मानवाधिकारों और सुरक्षा को ताक पर रखा जा रहा है। टंकी बनाने वाले कॉन्ट्रैक्टर ने अपनी तिजोरी भरने के लिए गरीब मजदूरों की जान दांव पर लगा दी है, जिससे स्थानीय निवासियों में भारी गुस्सा है। 40 फीट ऊंचाई और मौत का कुदरती खेलः न हेलमेट, न सेफ्टी बेल्ट! मिली जानकारी के मुताबिक, अंबावाड़ी इलाके में बन रही पानी की टंकी की ऊंचाई करीब 40 फीट है। इतनी ऊंचाई पर जान जोखिम में डालकर काम कर रहे मजदूरों की सेफ्टी के लिए कॉन्ट्रैक्टर ने कोई बेसिक सुविधा नहीं दी है। मजदूरों को न



सेफ्टी हेलमेट दिए गए हैं, न सेफ्टी बेल्ट (हार्नेस), सेफ्टी शूज, न ही सेफ्टी नेट जैसा कोई ऐसा सिस्टम जो हल्का सा गिरने पर उनकी जान बचा सके। बिना किसी सहारे या सेफ्टी शील्ड के, ये मजदूर सिर्फ मामूली सहारे या पालकी के सहारे हवा में काम करने को मजबूर हैं। अगर बैलेंस थोड़ा भी बिगड़ा तो मजदूर सीधे 40 फीट नीचे गिर जाता है और मौके पर ही दर्दनाक मौत मर जाता है। इस पूरे मामले में सबसे हैरान करने वाली और शर्मनाक बात यह है कि डभोई मनपा के जिम्मेदार इंजीनियर या अधिकारी कभी साइट पर जाने या क्वालिटी और सेफ्टी की मॉनिटरिंग करने की जहमत तक नहीं उठाते। म्युनिसिपल सिस्टम की इस करप्ट और आंख मूंदकर काम करने वाली पॉलिसी की वजह से कॉन्ट्रैक्टर पूरी तरह से लापरवाह हो गया है और मनमानी कर रहा है। लेबर लॉ और कंस्ट्रक्शन सेक्टर में साफ नियम हैं कि ऊंचाई पर काम करने वाले हर कारीगर को PPE किट देना जरूरी है, फिर भी यहां कानून के कई सवालों के बीच मजदूरों का खून चूसा जा रहा है। लोगों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि अगर इस बेचारे कॉन्ट्रैक्टर की लापरवाही से कोई हादसा होता है और किसी बेकसूर मजदूर की मौत हो जाती है, तो इसके लिए नैतिक और कानूनी तौर पर कौन जिम्मेदार होगा? क्या डभोई म्युनिसिपैलिटी के आलसी और्रष्ट चैंबर वाले अधिकारी या मनमानी करने वाला यह बेरहम कॉन्ट्रैक्टर? स्थानीय लोग अब गुस्से में सवाल कर रहे हैं और तुरंत साइट पर जाकर कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ सख्त पेनल्टी और क्रिमिनल एक्शन लेता है या 'सब सुरक्षित' का ढिंढोरा पीटकर करप्शन को छिपाता है!

अहमदाबाद ईस्ट से चौंकाने वाली घटनाः दो दिन के लिए घर से निकली 18 साल की लड़की को उसके प्रेमी ने छोड़ दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सोशल मीडिया के पल भर के प्यार और अंधे भरोसे के कारण लड़कियां कैसे मुसीबत में पड़ सकती हैं, इसकी एक और चौंकाने वाली कहानी अहमदाबाद ईस्ट इलाके से सामने आई है। नवरात्रि के दौरान इंस्टाग्राम पर शुरू हुई लव स्टोरी का बहुत दुखद अंत हुआ है। वॉशरूम जाने का कहकर घर से भागी 18 साल की लड़की को उसके बॉयफ्रेंड ने शॉपिंग कराने के बाद सड़क पर अकेला छोड़ दिया। हालांकि, जैसे ही घटना की सूचना मिली, 181 अभयम महिला हेल्पलाइन टीम ने तुरंत कार्रवाई की, लड़की की काउंसलिंग की और उसे सुरक्षित उसके माता-पिता के पास वापस भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार, एक 18 साल की लड़की पिछले दो दिनों से घर से निकलने के बाद बहुत ही मानसिक रूप से परेशान और लाचार हालत में अहमदाबाद ईस्ट में सड़क पर भटकती हुई मिली। एक स्थानीय जागरूक नागरिक (थर्ड पार्टी) ने यह देखा और तुरंत 181 अभयम महिला हेल्पलाइन को सूचित किया। कॉल मिलते ही अभयम की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई। चूंकि लड़की बहुत डरी हुई और मानसिक रूप से तनाव में थी, इसलिए टीम ने पूरी संवेदनशीलता के साथ उसकी काउंसलिंग शुरू की। काउंसलिंग के दौरान, लड़की ने बताया कि वह पहले भी घर से निकल चुकी है। हाल ही में, नवरात्रि के त्योहार के दौरान, जब वह अपने माता-पिता के घर आई, तो इंस्टाग्राम के जरिए उसकी एक युवक से दोस्ती हो गई। यह दोस्ती जल्द ही प्यार में बदल गई। 21 तारीख को, लड़की ने घर पर वॉशरूम जाने का बहाना बनाया और शादी कर ली। इसके बाद वह अपनी एक जान-पहचान वाली लड़की के साथ रही और वहां से अपने बॉयफ्रेंड के साथ चली गई। बॉयफ्रेंड ने उसे कपड़े दिए और फिर उसे सड़क पर छोड़ दिया! शुरू में तो युवक ने लड़की को अपने साथ रखा और उसे कपड़े और दूसरी चीजें भी दीं। लेकिन कुछ देर बाद युवक का असली चेहरा सामने आ गया और वह लड़की को सड़क पर अकेला छोड़कर गायब हो गया। सड़क पर भटक रही लड़की के पास न तो कोई ठिकाना था और न ही घर वापस जाने की हिम्मत।

एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के तहत तमिलनाडु के स्टूडेंट्स DU पहुंचे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ तमिलनाडु के टीचर्स और स्टूडेंट्स की एक टीम भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के तहत 'युवा संगम फेज़ 7' के तहत दिल्ली यूनिवर्सिटी पहुंची। युवा संगम के इस फेज़ का उद्घाटन समारोह DU के ऐतिहासिक वाइस रीगल लॉज में हुआ। इस मौके पर DU के वाइस चांसलर प्रो. योगेश सिंह ने तमिलनाडु से आए स्टूडेंट्स का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए कहा कि वे किसी अलग जगह पर नहीं बल्कि भारत के एक खूबसूरत हिस्से से दूसरे खूबसूरत हिस्से में आए हैं। चांसलर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जब आप देश के किसी भी हिस्से जैसे दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और गुजरात में जाते हैं तो भाव और भाषाएं अलग हो सकती हैं, लेकिन हर जगह देश और लोग एक ही हैं, जो हमारे देश की असली खूबसूरती को दिखाता है। फंक्शन को एड्रेस करते हुए प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि दिल्ली पूरे भारत को रिप्रेजेंट करती है और देश की संस्कृति में तमिलनाडु का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने तमिलनाडु की अनोखी सभ्यता और इतिहास का ज़िक्र किया और तमिल को दुनिया की सबसे पुरानी भाषा बताया। चांसलर ने कहा कि तमिलनाडु का अनोखा साहित्य, क्लासिकल म्यूज़िक, भक्ति और परंपराएं भारतीय संस्कृति की खास पहचान हैं। 'वसुधैव कुटुंबकम' की परंपरा की याद दिलाते हुए उन्होंने युवाओं से अपील की कि जब वे दिल्ली से जाएं तो यहां से कम से कम 5 पक्के दोस्त बनाएं और उनके टच में रहें। उन्होंने युवाओं को मोटिवेट करते हुए कहा



कि हर नागरिक का यह फ़र्ज़ है कि वह अपने देश को गहराई से जाने और उसे हर मुमकिन तरीके से विकास के रास्ते पर आगे ले जाए। इस दौरान दिल्ली यूनिवर्सिटी में गांधी भवन के डायरेक्टर और युवा संगम के नोडल ऑफिसर प्रो. के. पी. सिंह ने प्रोग्राम की अहमियत को अंडरलाइन किया और इसे 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के कॉन्सेप्ट का बेसिक बेस बताया।

जब गार्डियन ने डांटने की कोशिश की तो वह चाकू लेकर घुस गया, और लड़की की आंखों में मिर्च झोंक दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के पॉश जगतपुर इलाके में पड़ोस को शर्मसार करने वाली और इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जगतपुर की 'सेरेनिटी स्पेस विश्वास सिटी-9' सोसाइटी में पड़ोसी ने ही पड़ोसी के घर खेलने गई मासूम नाबालिग लड़की से गलत काम करने की कोशिश की। जब मासूम लड़की के माता-पिता इस बारे में पड़ोसी को डांटने गए तो बदमाश और उसके परिवार ने अपना गुनाह छिपाने के लिए उन पर हमला कर दिया। अहमदाबाद शहर के पॉश जगतपुर इलाके में पड़ोसी की हैवानियत और इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जगतपुर में 'सेरेनिटी स्पेस विश्वास सिटी-9' सोसाइटी में पड़ोसी ने ही पड़ोसी के घर खेलने गई मासूम नाबालिग लड़की से गलत काम करने की कोशिश की। जब मासूम लड़की के माता-पिता इस बारे में पड़ोसी को डांटने गए तो बदमाश और उसके परिवार ने अपना गुनाह छिपाने के लिए उन पर हमला कर दिया। खेलने गई बच्ची के साथ हैवानियत की घिनौनी वारदात मिली जानकारी के मुताबिक, सेरेनिटी स्पेस विश्वास CT-9 में रहने वाली एक नाबालिग बच्ची पड़ोसी के घर खेलने गई थी। इस दौरान घर के बदमाश पड़ोसी ने मासूम बच्ची के अकेलेपन का फायदा उठाकर उसके साथ मारपीट की। जैसे ही बच्ची घर पहुंची और अपने माता-पिता को घटना के बारे में बताया, परिवार के पैरों तले से जमीन खिसक गई। जैसे ही उसने उसे डांटा, उसने उस पर चाकू और मिर्च के पैकेट से हमला कर दिया! जब नाबालिग बच्ची के माता-पिता अपनी बेटी के साथ हुए अन्याय और दुर्व्यवहार के बारे में पूछने और डांटने के लिए पड़ोसी के घर गए, तो अपनी गलती मानने के बजाय, दूसरे पक्ष ने चोर कोतवाल को सजा देने का क्रूर खेल खेला। पड़ोस की महिला और पुरुष दोनों भड़क गए और उन्हें मारने के लिए धारदार चाकू लेकर घर से बाहर भागे। यहीं नहीं रुके, हमलावरों ने बच्ची की मां की आंखों में मिर्च पाउडर छिड़क दिया और उसे बेरहमी से पीटा, जिससे खूनी ड्रामा हुआ। समाज में सन्नाटा और भारी गुस्सा एक शांत सोसायटी में, रिहायशी इलाके में एक मासूम लड़की के साथ इस तरह छेड़छाड़ और उसके बाद परिवार पर हुए बड़े हमले से आस-पास के लोगों में भारी गुस्सा और गुस्सा है। ऐसे बेशर्म पड़ोसियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है, जो गुनाह करने के बाद भी चाकू और मिर्च पाउडर से हमला करते हैं। अब देखना यह है कि पुलिस इस मामले में POCSO और जानलेवा हमले की सख्त धाराओं के तहत केस दर्ज करके बेईमान पड़ोसी कपल को सलाखों के पीछे पहुंचाएगी या नहीं!



क्या इस्तीफा देकर उपचुनाव कराने वाले MLA और चुनाव का खर्च उठाएंगे या उन पर 5 साल का बैन लगेगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में लोकतंत्र का मजाक उड़ाने वाले दलबदल और अपनी मर्ज़ी से इस्तीफा देकर लोगों पर बार-बार उपचुनाव थोपने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने अब सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट इस बात की पूरी जांच करने के लिए तैयार हो गया है कि अपनी मर्ज़ी से अपने पद से इस्तीफा देने वाले और उपचुनाव कराने वाले MLA या MP को पूरे चुनाव का फाइनेंशियल खर्च उठाना चाहिए या उन्हें भविष्य में पांच साल तक के कूलिंग-ऑफ पीरियड के लिए चुनाव लड़ने से रोक दिया जाना चाहिए? इस गंभीर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, चुनाव आयोग और AIADMK के 6 पूर्व MLA को नोटिस जारी कर उनसे डिटेल में जवाब मांगा है। पिटीशनर के. सुथन ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि तमिलनाडु में AIADMK के छह MLA मई और जून में अपने पदों से इस्तीफा देकर विजय थलपति की TVK पार्टी में शामिल हो गए थे। हैरानी की बात है कि उनमें से दो ने बाद में TVK के ऑथराइज्ड कैंडिडेट के तौर पर उपचुनाव लड़ा और फिर से जीत गए। इस मामले में पिटीशनर की ओर से पेश सीनियर वकील शोएब आलम ने कोर्ट में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सत्ता और पार्टी बदलने के लिए बार-बार इस्तीफा देकर जनता का पैसा बर्बाद करने वाले जनप्रतिनिधियों पर सख्त फाइनेंशियल लायबिलिटी और एक खास टाइम लिमिट लगाना जरूरी हो गया है चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने इस पिटीशन को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार, चुनाव आयोग और AIADMK के 6 पूर्व MLA, जिन्होंने पार्टी छोड़ी है, को नोटिस जारी किया है और उन्हें स्वार्थी कारणों से समय से पहले दिए गए ऐसे इस्तीफों के खिलाफ जरूरी और सुरक्षा देने वाले कानूनी नियम बनाने के बारे में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

डभोई-SOU रोड पर गंदगी छिपाने के लिए लगे फ्लेक्स बोर्ड तोड़ दिए गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। 31 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्टैच्यू ऑफ यूनिटी दौरे के बाद, प्रशासन करोड़ों रुपये खर्च करके शानदार तैयारियां कर रहा है। लेकिन डभोई से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक जाने वाली मुख्य सड़क पर स्थानीय प्रशासन की गंभीर लापरवाही, भ्रष्टाचार और घटिया काम उजागर हो गया है। प्रधानमंत्री के आने से पहले ही प्रशासन की लीपापोती उजागर हो गई है, जिससे पूरे इलाके में भारी बहस और गुस्सा है। सफाई में आलस और गंदगी छिपाने की ऊपरी कोशिश मिली जानकारी के मुताबिक, डभोई के शिनोर चौकड़ी से नांदोडी बगोल तक स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को जोड़ने वाली मेन सड़क सालों से गंदगी और कचरे से भरी पड़ी है। चूंकि प्रधानमंत्री का काफिला यहां से गुजरने वाला था, इसलिए प्रशासन को परेशानी से बचाने के लिए गंदगी हटाकर परमानेंट सफाई की ज़रूरत थी। लेकिन गंदगी साफ करने के बजाय, आलसी और भ्रष्ट अधिकारियों ने सड़क के दोनों तरफ 'स्वच्छता ही सेवा' जैसे बड़े-बड़े नारे लिखे फ्लेक्स बोर्ड और बैनर लगाकर गंदगी छिपाने का कागजी खेल खेला। ठेकेदार ने रातों-रात और जल्दबाजी में जो बोर्ड लगाया था, उसका स्ट्रक्चर इतना घटिया और घटिया क्वालिटी का था कि हल्की सी हवा चलते ही ज़्यादातर बैनर ज़मीन पर गिर गए। PM के आने से कुछ घंटे या दिन पहले बोर्ड गिरने से प्रशासन की लीपापोती उजागर हो गई है और बोर्ड के पीछे छिपी गंदगी एक बार फिर सामने आ गई है। इस मामले को लेकर स्थानीय नागरिकों में बहुत गुस्सा है। लोगों के मुताबिक, ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से बिना किसी पक्की प्लानिंग के ऐसा घटिया काम किया जा रहा है। सरकारी खजाने से लाखों-करोड़ों रुपये सिर्फ दिखावे और कमीशन कमाने के लिए ऐसे टेम्परारी बोर्ड पर बर्बाद किए गए हैं। अब सवाल यह उठता है कि क्या प्रधानमंत्री के इतने ज़रूरी प्रोग्राम से पहले हुई इस बड़ी गड़बड़ी और लापरवाही के खिलाफ बड़े अधिकारी कोई सख्त एक्शन लेंगे, या फिर वे रातों-रात एक और सरकारी खर्च करके जनता का पैसा बर्बाद करने के लिए नए बैनर लगाएंगे?



पाली में पंचायत चुनाव की तैयारी पूरी, आज जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। पंचायती राज चुनाव के दूसरे चरण के तहत बुधवार, 28 अक्टूबर को पाली जिले में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान होगा। मतदान को लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। मंगलवार को बांगड़ कॉलेज में प्रशिक्षण देने के बाद मतदान दलों को उनके निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। इस दौरान चुनाव प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए कार्मिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। वहीं, चुनाव ड्यूटी में तैनात कार्मिकों ने डाक मतपत्र के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पाली के बांगड़ कॉलेज में मंगलवार को मतदान दलों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें मतदान प्रक्रिया, चुनाव संबंधी जिम्मेदारियों और जरूरी दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। एसडीएम विमलेंद्र सिंह राणावत और अन्य प्रशिक्षकों ने कार्मिकों को चुनाव से जुड़े आवश्यक पहलुओं से अवगत कराया। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद मतदान दलों को संबंधित बूथों के लिए रवाना किया गया, ताकि निर्धारित समय पर मतदान प्रक्रिया शुरू कराई जा सके। चुनाव ड्यूटी में लगे कार्मिक भी मतदान से वंचित न रहें, इसके लिए डाक मतपत्र की व्यवस्था की गई। इसके माध्यम से कर्मचारियों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। अब बुधवार को जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव के लिए मतदाता मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के मतदान के बाद जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर चुनाव की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। 30 अक्टूबर को पाली, रोहट, बाली और देसूरी पंचायत क्षेत्रों की 146 ग्राम पंचायतों में पंच और सरपंच पदों के लिए मतदान कराया जाएगा।



जालोर में घर की अलमारी तोड़कर चोरी की कोशिश, आवाज सुनकर पहुंचे मकान मालिक ने युवक को दबोचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। शहर में दिनदहाड़े एक मकान में चोरी की कोशिश का मामला सामने आया है। आहोर रोड स्थित पिछोला बेरा में मंगलवार सुबह एक युवक घर की ऊपरी मंजिल पर कमरे में रखी अलमारी खोलने और उसे तोड़ने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान अलमारी तोड़ने की आवाज सुनकर मकान मालिक ऊपर पहुंच गया। उसने युवक को मौके पर ही पकड़ लिया। इसके बाद परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों की मदद से आरोपी को नीचे लाया गया। सूचना पर पहुंची कोतवाली थाना पुलिस युवक को अपने साथ थाने ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। मकान मालिक निंबाराम पुत्र नेकाराम माली ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 11 बजे वह दुकान जाने के लिए घर से निकल रहा था। इसी दौरान मकान की ऊपरी मंजिल से लोहे की किसी वस्तु को तोड़ने जैसी आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर उसे संदेह हुआ और वह तुरंत ऊपर पहुंचा। वहां कमरे में एक युवक अलमारी खोलने और तोड़ने का प्रयास करता दिखाई दिया। मकान मालिक ने बिना देर किए युवक को पकड़ लिया और उसे नीचे ले आया। इस दौरान घर में चोरी की कोशिश का पता चलने पर आसपास के लोग भी मौके पर एकत्रित होने लगेघटना की जानकारी मिलने पर दिलीप कुमार, किशोर, ओमप्रकाश, ललित और अरविंद सहित अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए। लोगों ने युवक से पूछताछ की तो उसने घर में चोरी का प्रयास करने की बात स्वीकार की। पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम भैरूलाल बताया। उसने खुद को बाड़मेर जिले के राखी गांव का निवासी बताया। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने कोतवाली थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर पोपटलाल सहित कोतवाली थाना पुलिस का जाब्ता मौके पर पहुंचा। वहां मौजूद लोगों ने पकड़े गए युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस आरोपी को अपने साथ थाने ले गई, जहां उससे घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवक मकान में किस उद्देश्य से घुसा था और घटना से जुड़े अन्य पहलू क्या हैं। शहर के रिहायशी इलाके में दिन के समय हुई इस घटना में मकान मालिक की सतर्कता से चोरी की कोशिश समय रहते पकड़ में आ गई। अलमारी तोड़ने की आवाज सुनकर ऊपर पहुंचना और युवक को मौके पर पकड़ लेना घटना का अहम पहलू रहा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।



जोधपुर में दूसरे चरण का पंचायत चुनाव कल, 17 पंचायत समितियों और जिला परिषद के 34 वार्डों में होगा मतदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जिले में पंचायत चुनाव के दूसरे चरण के लिए मतदान 28 अक्टूबर को होगा। इसके तहत 17 पंचायत समितियों के सदस्यों और जिला परिषद के शेष 34 वार्डों के लिए वोट डाले जाएंगे। मतदान को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार सुबह प्रशिक्षण के बाद मतदान दलों को रवाना किया जाएगा। वहीं पंच और सरपंच के चुनाव 30 अक्टूबर को होंगे। दूसरे चरण में आसोप, बावड़ी, भोपालगढ़, बिलाड़ा, धवा, हतुंडी, झंवर, कापरड़ा, केरू, लूणी, मंडोर, ओसियां, पीपाड़ सिटी, सालवा खुर्द, सामराऊ, तिंवरी और उम्मेदनगर पंचायत समितियों में चुनाव होंगे। इससे पहले पहले चरण में शेरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जिला परिषद के 9 वार्डों और 7 पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। अब शेष क्षेत्रों में मतदान कराया जाएगा। दूसरे चरण में पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव के लिए कुल 787 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें धवा पंचायत समिति का एक प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो चुका है। पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव में 10 लाख 77 हजार से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। वहीं जिला परिषद सदस्यों के चुनाव में 13 लाख 18 हजार से अधिक मतदाता मतदान कर सकेंगे। जिला परिषद सदस्यों के दूसरे चरण के चुनाव में बिलाड़ा, ओसियां, भोपालगढ़ और लूणी विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले वार्ड शामिल हैं। प्रशासन की ओर से मतदान प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए तैयारियां की जा रही हैं। दूसरे चरण के मतदान में मतदाताओं को दो वोट डालने होंगे। पहले जिला परिषद सदस्य और उसके बाद पंचायत समिति सदस्य के लिए मतदान किया जाएगा। मतदान के दौरान इस चरण में मतदाताओं के दाएं हाथ की तर्जनी अंगुली पर अमिट स्याही लगाई जाएगी। पहले चरण में बाएं हाथ की तर्जनी पर स्याही लगाई गई थी। वहीं 30 अक्टूबर को होने वाले पंच और सरपंच के चुनाव में पहले सरपंच और उसके बाद वार्ड पंच के लिए मतदान कराया जाएगा। प्रशासन मतदान दलों को प्रशिक्षण देने के बाद निर्धारित केंद्रों के लिए रवाना करेगा।



ग्रामीण महिलाओं की सेहत पर फोकसः चार स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर, 250 महिलाओं की हुई जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पिण्डवाड़ा। ग्रामीण महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने और उन्हें स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राजीविका और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए। रोहिड़ा, नितोड़ा, झाड़ोली और पिण्डवाड़ा में 23, 24 और 26 अक्टूबर को आयोजित इन शिविरों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 250 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविरों के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य की प्रारंभिक जांच करने के साथ उन्हें संतुलित आहार अपनाने, साफ-सफाई बनाए रखने और बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच कराने के लिए प्रेरित करना इन शिविरों का प्रमुख उद्देश्य रहा। शिविरों में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने महिलाओं की विभिन्न जांचें कीं और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह दी। महिलाओं को बताया गया कि नियमित स्वास्थ्य जांच से शरीर में होने वाली कमियों का समय रहते पता लगाया जा सकता है और आवश्यक उपचार के लिए चिकित्सकीय परामर्श लिया जा सकता है। शिविरों में पहुंचीं महिलाओं का रक्तचाप, रक्त शर्करा, वजन, लंबाई और हीमोग्लोबिन परीक्षण किया गया। इन जांचों के माध्यम से महिलाओं के सामान्य स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन किया गया। विशेष रूप से हीमोग्लोबिन की जांच के जरिए खून की कमी यानी एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने महिलाओं को सलाह दी कि किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर लापरवाही नहीं बरतें और समय पर चिकित्सक से परामर्श लें। शिविरों में गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच भी की गई। गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच के महत्व की जानकारी देते हुए उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। महिलाओं को बताया गया कि गर्भावस्था में उचित पोषण और समय पर चिकित्सकीय सलाह मां तथा शिशु के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए महत्वपूर्ण हैं। स्वास्थ्य परीक्षण के साथ महिलाओं को खान-पान और पोषण के प्रति जागरूक करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। पोषण सखियों ने महिलाओं को संतुलित आहार लेने, नियमित साफ-सफाई रखने और एनीमिया से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्हें भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल, गुड़ और भुने चने शामिल करने की सलाह दी गई। साथ ही पौष्टिक भोजन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए घरों में पोषण वाटिका विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। महिलाओं को समझाया गया कि दैनिक खान-पान में पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करना और स्वच्छता संबंधी आदतों को अपनाना स्वस्थ जीवनशैली के लिए जरूरी है। पोषण संबंधी जानकारी के माध्यम से परिवारों में भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। इन शिविरों के आयोजन में राजीविका और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने समन्वय के साथ कार्य किया। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं तक स्वास्थ्य जांच और पोषण संबंधी जानकारी पहुंचाने में इस पहल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिविरों के जरिए महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक करने और नियमित जांच के महत्व को समझाने का प्रयास किया गया। शिविरों को सफल बनाने में राजीविका के मनोज मीणा, सीएलएफ प्रभारी शीला बैरवा, भारती दाना, प्रवीण कुमारी, कविता राठौड़ और सीएमएफ के शंकर लाल प्रजापत ने योगदान दिया।



शहर के 57 वार्डों में शुरू होगा सर्वे, घरों के बाहर लिखा जा रहा पहचान नंबर; सफाई व्यवस्था में पारदर्शिता लाने की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। शहर की गलियों और मोहल्लों में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम ने नई योजना तैयार की है। इसके तहत शहर के 1 लाख 85 हजार घरों का सर्वे कर प्रत्येक मकान की अलग यूनिक आईडी बनाई जाएगी। घरों की जियो मैपिंग होने से कचरा संग्रहण करने वाली गाड़ियों की आवाजाही और घरों तक उनकी पहुंच का रिकॉर्ड भी रखा जा सकेगा। योजना की शुरुआत जोधपुर के जोन नंबर-3 से हो चुकी है और सर्वे टीम घर-घर जाकर जानकारियां जुटा रही है। नगर निगम की इस पहल की शुरुआत सोमवार को महापौर प्रसन्नचंद मेहता ने की। उन्होंने बताया कि शहर की सफाई व्यवस्था को मैपिंग प्रणाली के माध्यम से विकसित किया जा रहा है। घरों की मैपिंग होने के बाद यह पता लगाना आसान होगा कि कचरा संग्रहण करने वाली गाड़ियां किन-किन मोहल्लों तक पहुंचीं और कितने घरों से कचरा एकत्र किया गया। इससे सफाई व्यवस्था की निगरानी और कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी। सर्वे प्रमुख अजीत दास के अनुसार, योजना की शुरुआत जोन नंबर-3 से की गई है। इसके तहत शहर के सभी 57 वार्डों के घरों का सर्वे किया जाएगा। सर्वे टीम मकान मालिक का नाम और मोबाइल नंबर दर्ज करने के साथ घर की फोटो भी ले रही है। मौके पर ही प्रत्येक मकान की यूनिक आईडी तैयार की जा रही है और पहचान के लिए इसे घर के बाहर दीवार पर लिखा जा रहा है। योजना के तहत प्रत्येक घर को डिजिटल पहचान मिलने के बाद कचरा संग्रहण व्यवस्था की निगरानी अधिक व्यवस्थित तरीके से की जा सकेगी। मैपिंग के जरिए यह जानकारी मिल सकेगी कि कचरा संग्रहण वाहन निर्धारित क्षेत्रों में पहुंचे या नहीं और किन घरों से कचरा उठाया गया। साथ ही सफाई से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण में भी पारदर्शिता लाने में मदद मिलेगी सर्वे टीम के अनुसार, जियो मैपिंग का काम जल्द पूरा करने की तैयारी है।



पाली में दूसरे चरण के मतदान की तैयारी पूरी, आज जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए वोटिंग

बांगड़ कॉलेज में प्रशिक्षण के बाद मतदान दल रवाना, चुनाव ड्यूटी में लगे कार्मिकों ने डाक मतपत्र से किया दान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। पंचायती राज चुनाव के दूसरे चरण के तहत बुधवार, 28 अक्टूबर को पाली जिले में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान होगा। मतदान को लेकर मंगलवार को तैयारियां पूरी कर ली गईं। बांगड़ कॉलेज में प्रशिक्षण देने के बाद मतदान दलों को उनके निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कार्मिकों को चुनाव प्रक्रिया, मतदान व्यवस्था और जिम्मेदारियों से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। वहीं, चुनाव ड्यूटी में तैनात कार्मिकों ने डाक मतपत्र के माध्यम से अपने मताधिकार का इस्तेमाल भी किया। पाली के बांगड़ कॉलेज में मंगलवार को मतदान दलों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें मतदान प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने और चुनाव संबंधी जिम्मेदारियों के निर्वहन को लेकर आवश्यक जानकारी दी गई। एसडीएम विमलेंद्र सिंह राणावत सहित अन्य प्रशिक्षकों ने मतदान दलों को चुनाव प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में समझाया और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद मतदान दलों को उनके संबंधित बूथों के लिए रवाना किया गया। चुनाव कार्य में लगाए गए कार्मिकों को निर्धारित केंद्रों पर पहुंचकर मतदान की तैयारियां संभालने की जिम्मेदारी दी गई है। जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव को लेकर प्रशासनिक स्तर पर मतदान दलों की रवानगी के साथ आवश्यक तैयारियां पूरी की गईं। चुनाव ड्यूटी में तैनात कार्मिकों के लिए डाक मतपत्र के जरिए मतदान की व्यवस्था की गई। मतदान दलों में शामिल कर्मचारियों ने अपनी चुनावी जिम्मेदारियों के बीच डाक मतपत्र से वोट डाले। चुनाव प्रक्रिया में तैनात कार्मिकों को भी अपने मताधिकार का उपयोग करने का अवसर दिया गया। 30 अक्टूबर को 146 ग्राम पंचायतों में पंच-सरपंच के चुनाव जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के मतदान के बाद जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर चुनावी प्रक्रिया का अगला चरण होगा। 30 अक्टूबर को पाली, रोहट, बाली और देसूरी पंचायत क्षेत्रों की 146 ग्राम पंचायतों में पंच और सरपंच पदों के लिए मतदान कराया जाएगा। इसी दिन मतदान के बाद पंच-सरपंच चुनाव के परिणाम भी घोषित किए जाएंगे। इस चरण के साथ संबंधित ग्राम पंचायतों में पंचायती राज संस्थाओं के स्थानीय प्रतिनिधियों के चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। 20 नवंबर को घोषित होगा जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव का परिणा जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव के परिणाम 20 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। ऐसे में 28 अक्टूबर को होने वाला मतदान जिले में पंचायती राज चुनाव के दूसरे चरण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बाद 30 अक्टूबर को ग्राम पंचायतों में पंच-सरपंच पदों के लिए मतदान और परिणाम की प्रक्रिया पूरी होगी, जबकि जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के नतीजों के लिए 20 नवंबर तक इंतजार करना होगा। पाली जिले में पंचायती राज चुनाव के पहले चरण के तहत सोजत सिटी, मारवाड़ जंक्शन, बगड़ी नगर, रानी और सुमेरपुर पंचायत क्षेत्रों में मतदान कराया गया था। जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए 22 अक्टूबर को वोट डाले गए थे। इसके बाद 24 अक्टूबर को ग्राम पंचायतों में पंच और सरपंच पदों के लिए मतदान हुआ। पहले चरण में पंच-सरपंच चुनाव के परिणाम भी मतदान वाले दिन ही जारी कर दिए गए थे। पहले चरण की मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब जिले में दूसरे चरण के चुनाव को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बुधवार को जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान होगा, जबकि 30 अक्टूबर को चार पंचायत क्षेत्रों की 146 ग्राम पंचायतों में पंच-सरपंच पदों के लिए वोट डाले जाएंगे। जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के परिणाम 20 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।



9 महीने में पांच महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियों पर चढ़ाई, माउंट आबू में डॉ. मनस्वी अग्रवाल का भव्य सम्मान

रोटरी क्लब ऑफ माउंट आबू अर्बुदांचल ने क्लब हाउस में आयोजित समारोह में किया सम्मानित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। पर्वतारोहण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले डॉ. मनस्वी अग्रवाल का रोटरी क्लब ऑफ माउंट आबू अर्बुदांचल की ओर से क्लब हाउस में आयोजित समारोह में सम्मान किया गया। डॉ. मनस्वी ने महज नौ महीने में माउंट एवरेस्ट सहित पांच महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियों पर चढ़ाई कर उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि पर क्लब सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और सम्मानित किया। समारोह में नगरपालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्लब सदस्यों ने डॉ. मनस्वी अग्रवाल की पर्वतारोहण उपलब्धि की सराहना करते हुए इसे उल्लेखनीय सफलता बताया। कम समय में पांच महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियों तक पहुंचने की उनकी उपलब्धि समारोह का मुख्य आकर्षण रही। नगरपालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य ने डॉ. मनस्वी अग्रवाल की उपलब्धि की प्रशंसा की। उन्होंने रोटरी क्लब ऑफ माउंट आबू अर्बुदांचल की ओर से किए जा रहे सामाजिक कार्यों और जनसेवा के प्रयासों की भी सराहना की। समारोह में पर्वतारोहण के क्षेत्र में डॉ. मनस्वी की सफलता के साथ सामाजिक गतिविधियों में रोटरी क्लब की भूमिका पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में रोटरी क्लब अध्यक्ष मानवीराज सिंह, सचिव देवांग अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल और शाश्वत श्रोत्रिय सहित क्लब के सदस्य मौजूद रहे। समारोह में डॉ. मनस्वी अग्रवाल को सम्मानित कर उनकी उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी गईं।



20 रुपए की कचौरी खाते रह गए चंपालाल, स्कूटी के आगे रखा 20 लाख का बैग लेकर फरार हुए बदमाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

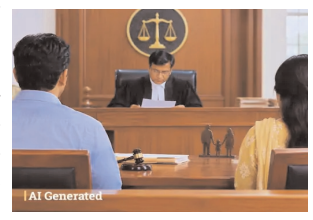
जयपुर। राजधानी जयपुर में 20 रुपए की कचौरी खाने के लिए रुके एक युवक को 20 लाख रुपए गंवाने पड़ गए। युवक स्कूटी पर बैठकर कचौरी खा रहा था, तभी स्कूटी सवार दो बदमाश उसकी स्कूटी के आगे रखा रुपयों से भरा बैग उठाकर फरार हो गए। युवक ने बदमाशों का पीछा किया और शोर मचाया, लेकिन आरोपी हाथ नहीं आए। शोर सुनकर स्थानीय लोगों ने भी बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की। घटना सोमवार शाम करीब 4 बजे नाहरगढ़ थाना क्षेत्र की है। पीड़ित चंपालाल मूल रूप से सिरोही का रहने वाला है और जयपुर में टिक्की वालों के रास्ते में एक कपड़ा व्यापारी के यहां कलेक्शन का काम करता है। सोमवार को वह कलेक्शन के लिए निकला था। इसी दौरान कचौरी खाने के लिए रुका और 20 लाख रुपए से भरा बैग स्कूटी के आगे रख दिया। आरोप है कि पहले से रेकी कर रहे दो बदमाशों ने मौका देखकर बैग उठाया और स्कूटी से फरार हो गए। नाहरगढ़ थानाधिकारी भंवर सिंह के अनुसार, चंपालाल माणक चौक क्षेत्र से लेकर नाहरगढ़ थाना इलाके तक कलेक्शन का काम करता है। वारदात वाली जगह पर भी उसे कलेक्शन करना था। इसी दौरान वह कचौरी खाने के लिए रुका था। बदमाशों ने मौके का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया। दोनों आरोपियों ने हेलमेट पहन रखे थे, जिससे सीसीटीवी फुटेज में उनके चेहरे स्पष्ट दिखाई नहीं दिए।



दूसरे पुरुष के नाम की मेहंदी और उसके लिए करवा चौथ का व्रत बना तलाक का आधार

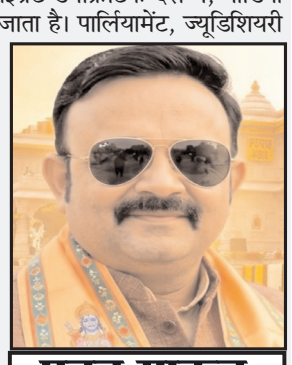
महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। जयपुर की फैमिली कोर्ट-2 ने एक तलाक मामले में पत्नी के दूसरे पुरुष के साथ वैवाहिक संबंधों जैसे आचरण, उसके लिए करवा चौथ का व्रत रखने और उसके नाम की मेहंदी लगाने जैसे तथ्यों को अहम माना। अदालत ने पति की तलाक याचिका स्वीकार करते हुए दंपती का विवाह समाप्त कर दिया। पति ने 27 जनवरी 2023 को तलाक का मामला दायर किया था। दोनों की शादी मई 2013 में हुई थी। न्यायाधीश विशाल भार्गव ने आदेश में कहा कि पत्नी ने दूसरे पुरुष के साथ गोवा में फेरे लेने और उसके साथ वैवाहिक संबंधों जैसा व्यवहार करने की बात स्वीकार की थी। अदालत ने इन परिस्थितियों को पति के प्रति वैवाहिक दायित्वों के निर्वहन में कमी और वैवाहिक रिश्ते पर पड़े प्रभाव के संदर्भ में देखा। अदालत ने माना कि पत्नी ने पति को दांपत्य सहचर्य से वंचित रखा, नाबालिग बेटे की उचित देखभाल नहीं की और पति के माता-पिता के साथ अनुचित एवं अपमानजनक व्यवहार किया। कोर्ट के अनुसार, इन घटनाओं की पूरी श्रृंखला से पति के लिए वैवाहिक जीवन में भरोसा, मानसिक शांति और संबंध बनाए रखना कठिन हो गया। अदालत ने इन परिस्थितियों को मानसिक क्रूरता के रूप में माना और तलाक की अर्जी मंजूर कर ली। पति ने अदालत में दावा किया था कि पत्नी ने वर्ष 2019 से उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने से इनकार कर दिया था और पिछले चार वर्षों में दोनों के बीच शारीरिक संबंध नहीं बने। हालांकि, अदालत ने इस दावे को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया। अदालत ने दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर पाया कि पति-पत्नी सवा साल से अलग रह रहे थे। दंपती का बेटा वर्ष 2018 में पैदा हुआ था और तलाक की याचिका दाखिल होने के समय उसकी उम्र करीब छह वर्ष थी।



डेमोक्रेसी के चौथे स्तंभ पर कानूनी तलवार

अधिकारियों से सवाल करने वाली ईमानदार पत्रकारिता के लिए खतरा या रेगुलेशन?



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

वडोदरा किसी भी हेल्दी और वाइब्रेंट डेमोक्रेटिक देश में, मीडिया को हमेशा 'चौथा स्तंभ' कहा जाता है। पार्लियामेंट, ज्यूडिशियरी और एग्जीक्यूटिव की तरह ही, मीडिया का मुख्य और पवित्र काम सत्ता में बैठे शासकों से कड़े सवाल पूछकर उन्हें जनता के प्रति जवाबदेह बनाना है। लेकिन, आज के दौर में, जब डिजिटल स्पेस, सोशल मीडिया और जर्नलिज़्म को रेगुलेट करने के लिए नए कानून और ढूंस नियम लाए जा रहे हैं, तो मीडिया की दुनिया में एक साफ़ बँटवारा सामने आया है– एक तरफ 'सपोर्टिव मीडिया' है जो रूलिंग पार्टी की तारीफ़ करता है, जबकि दूसरी तरफ 'इंडिपेंडेंट मीडिया' है जो सरकार की पॉलिसी पर सवाल उठाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या कानून सच में डिसिप्लिन के लिए हैं या सरकार को आईना दिखाने वालों को चुप कराने के लिए? इस बारे में एनालिटिकल और गंभीर पहलू इस तरह हैं

1. सरकार पर सवाल उठाने वाले मीडिया के लिए कानूनी मुश्किलें और रिस्क

यह समझना ज़रूरी है कि कानून के सख्त नियम डिजिटल न्यूज़ प्लेटफॉर्म, यूट्यूब चैनल या सरकार की नाकामियों, भ्रष्टाचार या एडमिनिस्ट्रेटिव कमियों पर हमला करने वाले बेबाक पत्रकारों पर कैसे असर डालते हैं 'फेक न्यूज़' की साफ़ न होने वाली परिभाषा कानून अक्सर 'गलत जानकारी' या 'फेक न्यूज़' की परिभाषा को इतना बड़ा और साफ़ न होने वाला रखते हैं कि सरकार के खिलाफ ज़मीनी हकीकत या इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिज़्म की कहानियों को भी अधिकारी आसानी से 'फेक' या 'गुमराह करने वाला' बताकर दबा देते हैं।

टेक-डाउन ऑर्डर: IT नियमों के तहत, सरकारी एजेंसियों के पास नेशनल सिक्योरिटी या पब्लिक ऑर्डर के नाम पर सोशल मीडिया से किसी भी वीडियो, आर्टिकल या पोस्ट को तुरंत हटाने का ऑर्डर देने का अधिकार है। यह कार्रवाई, जो बिना किसी कानूनी प्रक्रिया या कानूनी जांच के की जाती है, सीधे तौर पर सरकार की आलोचना को दबाने के लिए इस्तेमाल की जा रही है। लीगल और फाइनेंशियल बोझः सख्त कानूनी नियमों का पालन करने के लिए एक मजबूत लीगल टीम और फंड की ज़रूरत होती है। बड़े और सरकार के सपोर्टर मीडिया हाउस के पास करोड़ों रुपये होते हैं, लेकिन छोटे, ईमानदार और इंडिपेंडेंट प्लेटफॉर्म लीगल नोटिस, पुलिस केस, फाइन और कोर्ट की लड़ाइयों से फाइनेंशियली बर्बाद हो जाते हैं।

सेल्फ-सेंसरशिप का डर (चिलिंग इफेक्ट): जब पत्रकार देखते हैं कि सच लिखने या सरकार की आलोचना करने पर देश भर में पत्रकारों पर सेडिशन या दूसरी गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज हो रहे हैं, तो एक साइकोलॉजिकल डर का माहौल बनता है। नतीजतन, मीडिया ऑर्गनाइज़ेशन कानूनी परेशानी से बचने के लिए अपने आप कड़वी सच्चाई छापना या दिखाना बंद कर देते हैं।

2. रूलिंग पार्टी मीडिया के लिए 'प्रोटेक्शन' और सुविधा

दूसरी ओर, ये कानून उन मीडिया ऑर्गनाइज़ेशन के लिए कोई दिक्कत नहीं खड़ी करते जो पब्लिक इंटरेस्ट के मुद्दे उठाने या विपक्ष को टारगेट करके सरकार की तारीफ करने के बजाय सिर्फ रूलिंग पार्टी को प्रमोट करते हैं

सरकारी प्रोटेक्शन और एडवरटाइजिंग सपोर्ट ऐसे मीडिया हाउस को एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम से सीधा प्रोटेक्शन मिलता है। उन पर कभी कानूनी तलवार नहीं लटकती। इसके उलट, उन्हें सरकारी एडवरटाइजमेंट के ज़रिए भारी फाइनेंशियल इंसेंटिव मिलते हैं। कानून को एकतरफ़ा लागू करनाः आलोचक और जानकार साफ़ तौर पर आरोप लगाते हैं कि अगर रूलिंग पार्टी या उसके सपोर्टर फेक न्यूज़ या हेट स्पीच फैलाते हैं, तो लीगल एजेंसियां आँखें मूंद लेती हैं जबकि वही नियम सरकार पर सवाल उठाने वालों पर बहुत सख्ती से लागू किए जाते हैं।

3. डेमोक्रेसी और आज़ाद पत्रकारिता पर बुरा असर जब कानून का इस्तेमाल भलाई के मकसद के बजाय पॉलिटिकल हथियार के तौर पर किया जाता है, तो देश की डेमोक्रेसी की नींव हिल जाती है

सूचना का अधिकार और लोगों की अनदेखी: जनता तक सही बातें पहुँचने के बजाय, सिर्फ़ एक पार्टी की तारीफ़ के काबिल कहानियाँ पहुँचती हैं

कोर्ट की शरणः इसीलिए आज भारत में 'एडिटर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया' और कई पत्रकार संगठनों को ऐसे दबाने वाले कानूनों के ख़िलाफ़ सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाना पड़ा है, ताकि संविधान से मिली बोलने की आज़ादी की रक्षा हो सके। नतीजा यह 100' सच है एक मज़बूत, काबिल और ज़िंदादिल डेमोक्रेसी के लिए यह बहुत ज़रूरी है कि कानून ऐसे हों जो सोशल क्राइम या अराजकता को ज़रूर रोकें, लेकिन उन ईमानदार और निडर पत्रकारों के हाथ न बांधें जो समय पर रूलिंग पार्टी को जवाबदेह ठहराते हैं। यही भारतीय डेमोक्रेसी की असली ताकत है कि यहां अथॉरिटी से सवाल करने की परंपरा रही है, और इसे ज़िंदा रखना हर नागरिक की ज़िम्मेदारी है।

मोह का पर्दा जब सच भ्रम के पीछे छिप जाता है



लेखकः रूपेश सोलंकी, भचाऊ, कच्छ

इंसान की ज़िंदगी में सबसे बड़ी चुनौती हमेशा मुश्किल हालात से लड़ना नहीं होती, बल्कि कभी-कभी उस सच को पहचानना होता है, जिसे वह खुद मानना नहीं चाहता। जब ज़िंदगी में प्यार का पर्दा आँखों पर पड़ जाता है, तो सामने की असलियत दिखाई नहीं देती। इंसान वही देखता है जो उसका मन देखना चाहता है, और वही मानता है जिससे वह इमोशनली जुड़ा होता है।

मोह सिर्फ किसी इंसान से लगाव का नाम नहीं है। यह दौलत, इज़्ज़त, रिश्ते, पद, शोहरत, इच्छाओं और अपनी सोच के प्रति भी हो सकता है। जब यह जुनून हमारी सोच पर हावी हो जाता है, तो सही और गलत का फर्क धुंधला होने लगता है।

मोह सच को नहीं बदलता, सिर्फ उसे देखने का हमारा तरीका बदलता है। कभी-कभी हम किसी इंसान को इतना अच्छा मान लेते हैं कि उसकी कमियाँ भी हमें अच्छी लगने लगती हैं। उसकी हर बात में हमें कुछ लॉजिक दिखता है। इसके उलट, जिस इंसान से हमारी अनबन होती है, उसकी सही बातों में भी हमें कमियां दिखने लगती हैं। यह जुनून और बायस का ऐसा जाल है, जिसमें इंसान फंस जाता है और असलियत से दूर हो जाता है। रिश्तों में भी, प्यार का पर्दा अक्सर सच को छिपा देता है। हम रिश्ते को बचाने के लिए उसकी कड़वी सच्चाइयों को नज़रअंदाज़ करते रहते हैं। हमें लगता है कि समय के साथ सब ठीक हो जाएगा, लेकिन कभी-कभी समय सिर्फ़ उस समस्या को और गहरा कर देता है जिसे मानने की हमारी हिम्मत नहीं होती। रिश्ते निभाना अच्छी बात है, लेकिन रिश्ते की हवस में अपनी सेल्फ-रिस्पेक्ट और समझदारी खोना सही नहीं है। आज के सोशल मीडिया के ज़माने में प्यार के कई रूप हैं। दूसरों की चमकदार तस्वीरें, कामयाबी का दिखावा और नकली खुशी देखकर हम अपनी ज़िंदगी को कम समझने लगते हैं। हमें दूसरों की ज़िंदगी तो खूबसूरत लगती है, लेकिन उस खूबसूरती के पीछे का संघर्ष, अकेलापन और असली हालात हमें नहीं दिख पाते। इस तरह हम सच्चाई के बजाय उसकी सजावटी तस्वीर से प्रभावित होने लगते हैं। सवाल यह है कि मोह के इस पर्दे को कैसे हटाया जाए?

पहला उपाय है कि हम खुद से ईमानदार रहें। जब कोई बात हमारी मर्ज़ी के खिलाफ़ हो, तब भी हमें उसे सुनने और समझने की हिम्मत रखनी चाहिए। दूसरा उपाय है भावनाओं के साथ ज़मीर को भी जगह देना। किसी से प्यार करना, किसी पर भरोसा करना या किसी के रिश्ते को अहमियत देना गलत नहीं है; लेकिन इन भावनाओं की वजह से सच को नकारना खुद के साथ नाइंसाफी है। तीसरा उपाय है कि समय-समय पर अपनी सोच का रिव्यू करें और यह मान लें कि हम भी गलत हो सकते हैं।

सच हमेशा अच्छा लगे, यह ज़रूरी नहीं है। कभी-कभी सच हमें दुख पहुंचाता है, हमारी उम्मीदों को तोड़ता है और हमारी सोच को चुनौती देता है। फिर भी सच का सामना करना ज़रूरी है, क्योंकि गलतफहमी में जीने से मिलने वाली खुशी कुछ देर की होती है, जबकि सच को मानने से मिलने वाली साफ़गोई ज़िंदगी को एक नई दिशा दे सकती है।

ज़िंदगी में समझदार इंसान वह नहीं है जो सब कुछ जानता हो; समझदार इंसान वह है जो अपनी सोच के उलट सच को सुनने की हिम्मत रखता है। आखिरकार, मोह का पर्दा जितना मोटा होगा, सच उतना ही दूर दिखेगा। लेकिन जिस दिन इंसान अपनी भावनाओं से ऊपर उठकर असलियत को देखना शुरू कर देगा, उस दिन उसके अंदर समझ, आज़ादी और सही फ़ैसले लेने की काबिलियत की एक नई रोशनी पैदा होगी। क्योंकि ज़िंदगी में सबसे बड़ी जीत दूसरों को गलत साबित करने में नहीं, बल्कि खुद को भ्रम से आज़ाद करके सच को पहचानने में है।

न्यायिक अनुशासन के लिए आपसी सम्मान, संयम और सामंजस्य जरूरी; डिवीजन बेंच ने कहा- अपील में फैसला बदलने का अधिकार किसी जज को दूसरे से श्रेष्ठ नहीं बनाता

जजों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन कोई किसी से बड़ा नहीं: केरल हाईकोर्ट



कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने न्यायाधीशों के बीच आपसी संबंधों और न्यायिक अनुशासन को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि न्यायाधीश कानून के सवालों पर अलग-अलग राय रख सकते हैं, लेकिन उनके बीच आपसी सम्मान, संयम और न्यायिक शिष्टाचार बना रहना जरूरी है। हाईकोर्ट के सभी न्यायाधीश समान दर्जे के होते हैं और किसी भी बेंच को दूसरी बेंच पर संस्थागत श्रेष्ठता का दावा नहीं करना चाहिए।

जस्टिस देवन रामचंद्रन और जस्टिस बसंत बालाजी की डिवीजन बेंच ने यह टिप्पणी तिरुवनंतपुरम सर्विस को-ऑपरेटिव बैंक के एक कर्मचारी की अपील पर 15 अक्टूबर को दिए गए फैसले में की। कोच्चि में 26 अक्टूबर को जारी अदालत की प्रेस रिलीज में इस फैसले की जानकारी दी गई। बेंच ने स्पष्ट किया कि अपीलीय अदालत को किसी फैसले में हस्तक्षेप करने, उसे बदलने या रद्द करने का अधिकार जरूर है, लेकिन इससे फैसला देने वाले न्यायाधीश का दर्जा कम नहीं हो जाता।

'पीयर रेस्ट्रेंट' को बताया न्यायिक अनुशासन का आधार डिवीजन बेंच ने 'पीयर रेस्ट्रेंट' यानी समान दर्जे वाले लोगों के बीच संयम के सिद्धांत को न्यायिक अनुशासन का महत्वपूर्ण आधार बताया। अदालत के अनुसार, न्यायाधीशों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है, क्योंकि कानून की व्याख्या और किसी मामले के तथ्यों को समझने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं। लेकिन इन मतभेदों के बावजूद न्यायिक संस्थान के भीतर सम्मान और सामंजस्य बनाए रखना आवश्यक है।

अदालत ने कहा कि पीयर रेस्ट्रेंट केवल बाध्यकारी न्यायिक नजीरों का पालन करने तक सीमित नहीं है। इसका व्यापक अर्थ यह भी है कि अलग-अलग बेंच एक-दूसरे के प्रति न्यायिक शिष्टाचार बनाए रखें और अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते समय संस्थागत मर्यादा का ध्यान रखें।

बेंच के मुताबिक, न्यायिक व्यवस्था में एकरूपता और लोगों का भरोसा बनाए रखने के लिए यह सिद्धांत जरूरी है। यदि किसी मामले में एक बेंच दूसरी बेंच के निष्कर्षों से असहमत होती है, तो वह कानून के अनुरूप अपना निर्णय दे सकती है। हालांकि, असहमति को किसी न्यायाधीश या बेंच की श्रेष्ठता के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

अपीलीय बेंच को फैसला बदलने का अधिकार, लेकिन श्रेष्ठता का नहीं

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि अपीलीय डिवीजन बेंच किसी सिंगल जज के फैसले से असहमत हो सकती है। यदि कानून और मामले के तथ्यों के आधार पर उसे लगता है कि फैसले में सुधार की जरूरत है, तो वह उसे रद्द कर सकती है या उसमें बदलाव कर सकती है। यह अपीलीय प्रक्रिया का हिस्सा है।

लेकिन अदालत ने कहा कि किसी फैसले को सुधारने या बदलने की शक्ति का अर्थ यह नहीं है कि अपीलीय बेंच उस न्यायाधीश से संस्थागत रूप से श्रेष्ठ हो जाती है, जिसने मूल फैसला दिया था। अपील का उद्देश्य न्यायिक निर्णय की अतिरिक्त जांच करना है, न कि न्यायाधीशों के बीच ऊंच-नीच का संबंध स्थापित करना।

बेंच ने यह भी समझाया कि सिंगल जज और डिवीजन बेंच, दोनों हाईकोर्ट का हिस्सा हैं और संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करते हैं। इंट्रा-कोर्ट अपील के जरिए किसी फैसले की दोबारा समीक्षा की जा सकती है, लेकिन इससे मूल फैसला देने वाला सिंगल जज संस्थागत रूप से अपीलीय बेंच के अधीनस्थ नहीं हो जाता।

मुख्य न्यायाधीश भी 'बराबर लोगों में पहले'

अदालत ने मुख्य न्यायाधीश के पद का उल्लेख करते हुए 'प्राइमस इंटर पेरेस' के सिद्धांत की भी याद दिलाई। इसका अर्थ है- बराबर लोगों में पहला। इस सिद्धांत के जरिए अदालत ने स्पष्ट किया कि न्यायिक व्यवस्था में पद और प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बावजूद न्यायाधीशों के समान दर्जे की मूल भावना महत्वपूर्ण है।

बेंच की टिप्पणी का मुख्य संदेश यह रहा कि न्यायिक व्यवस्था में अधिकारों और जिम्मेदारियों का निर्वहन संस्थागत मर्यादा के साथ होना चाहिए। कानूनी सवालों पर मतभेद न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन उनका समाधान आपसी सम्मान और स्थापित प्रक्रियाओं के तहत होना चाहिए। यह मामला तिरुवनंतपुरम सर्विस को-ऑपरेटिव बैंक के एक कर्मचारी से जुड़ा था। कर्मचारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही थी। इस दौरान लेबर कोर्ट ने बैंक को कार्रवाई पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय देने की अनुमति दी थी। कर्मचारी ने इस आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का रुख किया।

मामला पहले सिंगल जज के सामने आया और बाद में डिवीजन बेंच तक पहुंचा। सुनवाई के दौरान मामले पर दोबारा विचार करने के लिए इसे सिंगल जज के पास वापस भेजने का मुद्दा सामने आया। इस पर सिंगल जज ने आपत्ति जताई थी कि सामान्य तौर पर डिवीजन बेंच इस तरह मामले को वापस नहीं भेजती।

इसी न्यायिक प्रक्रिया के संदर्भ में डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि अलग-अलग बेंचों के बीच प्रक्रिया और कानून को लेकर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन ऐसे मामलों में आपसी सम्मान और संयम बनाए रखना जरूरी है। मामले के मूल विवाद पर विचार करते हुए डिवीजन बेंच ने माना कि लेबर कोर्ट के पास बैंक को अनुशासनात्मक कार्रवाई पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय देने का अधिकार है। हालांकि, इस मामले में लेबर कोर्ट ने बैंक की ओर से देरी के कारणों और कर्मचारी की आपत्तियों पर पर्याप्त विचार नहीं किया था। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने लेबर कोर्ट के समय बढ़ाने संबंधी आदेश को रद्द कर दिया। साथ ही निर्देश दिया कि लेबर कोर्ट दोनों पक्षों को सुनने के बाद दो महीने के भीतर मामले पर नए सिरे से विचार करे और नया आदेश पारित करे।

देश की पॉलिटिक्स तो देखो भाई... और लोगों की हालत भी देखो!

'वाह डेमोक्रेसी, वाह पॉलिटिक्स!' चुनावों के दौरान वादों की बारिश और बाकी दिनों में लोगों की जेबें खाली करने का सिलसिला जारी है

अहमदाबाद आज के मॉडर्न ज़माने में देश की पॉलिटिक्स और आम लोगों की असल हालत के बीच का फ़र्क देखना हो तो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही ये सटायरिकल लाइनें काफ़ी हैं। एक तरफ़ देश के बड़े नेता और पॉलिटिकल पार्टियां सत्ता पाने या बनाए रखने के लिए हर दिन नए मुद्दे उठा रही हैं, वहीं दूसरी तरफ़ रोज़ाना की महंगाई से परेशान आम लोग चुपचाप यह सब सहने को मजबूर हैं।

अगर हम मौजूदा पॉलिटिकल हालात देखें तो एक अजीब तस्वीर दिखती है

BJP कहती है: 'देश में डेमोक्रेसी बचाओ!

कांग्रेस कहती है: 'वोट चोरी का मुद्दा बचाओ!

'और आम लोग बेबस होकर कहते हैं 'भैया, कुछ महंगाई भी कम करो!

आज की भारतीय राजनीति की कड़वी सच्चाई इन तीन डायलॉग में छिपी है।

नेताओं की लड़ाई सिर्फ़ कुर्सी के लिए है, जनता घुट रही है!

चुनाव आएं या जाएं, राजनीतिक पार्टियों का एजेंडा हमेशा अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने तक ही सीमित रहता है। नेता मंच से फ़ायदे की बातें करते हैं, एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते हैं और जनता को बड़े-बड़े सपने दिखाते हैं। लेकिन असलियत यह है कि जब सुबह होती है, तो सब्ज़ियों, दूध के डिब्बों, खाने के तेल के डिब्बों, गैस सिलेंडर और पेट्रोल-डीज़ल के आसमान छूते रेट आम आदमी का महीने का बजट बिगाड़ देते हैं। घर की औरतों के लिए रसोई चलाना अब लोहे के चने चबाने जैसा हो गया है। मिडिल क्लास और मज़दूर वर्ग टैक्स देने के बावजूद बुनियादी सुविधाओं और महंगाई से लड़ते हुए अपनी ज़िंदगी बिता रहा है। टीवी स्टूडियो और संसद में नेताओं की चर्चाएँ लोकतंत्र और वोट चोरी पर रुक जाती हैं, जबकि असल ज़िंदगी में जनता महंगाई की आर्थिक मार झेल रही है।

कौन किसकी रोटी सेंक रहा है? यह सवाल आज हर जागरूक नागरिक के मन में ज़रूर उठना चाहिए। नेता चुनाव जीतकर अपनी पीढ़ी सुधार लेते हैं, पार्टियां बदल जाती हैं, नेताओं के चेहरे बदल जाते हैं, लेकिन जनता की किस्मत नहीं बदलती। रोटी सेंकने का यह खेल सालों से चल रहा है, जहां गरीब और गरीब होता जाता है और महंगाई के दलदल में फंसता जाता है और नेता बचते रहते हैं। जनता अब बस यही चाहती है कि नेता सिर्फ भाषण या पॉलिटिकल स्टंट करना बंद करें और ज़मीनी स्तर पर लोगों की असली समस्याओं पर ध्यान दें–जैसे महंगाई, बेरोज़गारी और बुनियादी सुविधाएं।

आज 'महानगर मेट्रो न्यूज़ पेपर' के ज़रिए हमारा आप सभी से सवाल है आपको क्या लगता है? इस देश में असल में लोगों के हितों की परवाह किसे है और कौन सिर्फ अपने हितों के बारे में सोच रहा है?

आज का राशिफल

(बुधवार)28 अक्टूबर 2026

मेष – परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी, रुके हुए काम आगे बढ़ सकते हैं और धन के लेन-देन में सावधानी बरतना जरूरी होगा।

वृषभ – रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी, साझेदारी के कामों में लाभ के संकेत हैं और महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय जल्दबाजी से बचें

मिथुन – कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है, मेहनत का लाभ मिलेगा और आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लेना बेहतर रहेगा।

कर्क – व्यापार में लाभ के अवसर मिल सकते हैं, परिवार का सहयोग मिलेगा और सेहत के प्रति लापरवाही करने से बचना चाहिए।

सिंह – नई योजनाओं पर काम शुरू करने का अवसर मिलेगा, विद्यार्थियों को पढ़ाई में ध्यान लगाने से लाभ होगा और खर्चों पर नियंत्रण रखें

कन्या – नए लोगों से संपर्क लाभदायक साबित हो सकते हैं, कार्यक्षेत्र में सफलता के अवसर मिलेंगे और अपनी वाणी पर संयम रखें

तुला – रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी, साझेदारी के कामों में लाभ के संकेत हैं और महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय जल्दबाजी से बचें

वृश्चिक – कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है, परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और आराम को नजरअंदाज न करें

धनु – नए विचारों से लाभ के रास्ते खुल सकते हैं, मित्रों का सहयोग मिलेगा और निवेश से जुड़े फैसले पूरी जानकारी लेने के बाद ही करें

मकर – कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, धैर्य से काम लेने पर सफलता मिलेगी और विवादों से दूरी बनाए रखेंआत्मविश्वास में वृद्धि होगी, नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है

कुंभ – रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी, पारिवारिक रिश्तों में मधुरता आएगी और भावनाओं में बहकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने से बचें

मीन – मेहनत से अधूरे काम पूरे हो सकते हैं, कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता की सराहना होगी और आर्थिक फैसले सोच-समझकर लें

तमलुक में भाजपा कार्यालय के भूमि पूजन के बाद प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में खड़े होने की अपील

ममता बनर्जी की सरकार पर तुष्टीकरण, संस्कृति और राष्ट्रवाद को लेकर लगाए गंभीर आरोप

तमलुक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े होने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'दिमागी नक्सल', 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' और कॉकरोचों को पनपने नहीं देना चाहिए। सुवेंदु अधिकारी ने तमलुक में भाजपा के पार्टी कार्यालय के भूमि पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह बयान दिया। इस दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार की नीतियों पर भी सवाल उठाए।सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि समाज और राजनीति में ऐसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा नहीं मिलना चाहिए, जिन्हें वह देश और राज्य के हितों के खिलाफ मानते हैं। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े होने की अपील करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। उनके बयान के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का मुद्दा फिर चर्चा में आ गया है। सुवेंदु अधिकारी ने दो दिनों के भीतर दूसरी बार 'कॉकरोच पार्टी' कहकर अपने विरोधियों पर हमला किया। रविवार को रामनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में भी उन्होंने कॉकरोच और खटमल जैसी बुराइयों की तुलना कोरोना वायरस से की थी। उन्होंने कहा था कि ऐसी बुराइयां फैलने की कोशिश कर रही हैं और इन्हें कीटनाशक स्प्रे 'हिट' से ही खत्म किया जा सकता है। सोमवार को तमलुक में दिए बयान में भी उन्होंने इसी तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हुए विपक्षी समूहों पर निशाना साधा। उनके बयानों में राजनीतिक विरोधियों के प्रति आक्रामक रुख दिखाई दिया। उन्होंने स्पष्ट तौर पर लोगों से ऐसे समूहों को पनपने से रोकने और प्रधानमंत्री मोदी का समर्थन करने की अपील की। सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी की सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि ममता बनर्जी को राष्ट्रवाद की समझ नहीं थी और वह पश्चिम बंगाल को 'ग्रेटर बांग्लादेश' में बदलने की योजना बना रही थीं। ये आरोप सुवेंदु अधिकारी ने अपनी राजनीतिक टिप्पणी के दौरान लगाए। उन्होंने पश्चिम बंगाल में लंबे समय तक सत्ता में रहे वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस की सरकार को भी निशाने पर लिया। सुवेंदु के अनुसार, 34 वर्षों तक शासन करने वाले वामपंथी दलों और 15 वर्षों तक सत्ता में रही तृणमूल कांग्रेस सरकार ने राज्य की विरासत और संस्कृति को मिटाने की कोशिश की। उनके बयान में बंगाल की सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रवाद प्रमुख मुद्दे रहे। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों की नीतियों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि राज्य की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को उचित महत्व नहीं दिया गया। हालांकि, 'ग्रेटर बांग्लादेश' बनाने की योजना और संस्कृति को मिटाने संबंधी ये बातें सुवेंदु अधिकारी के आरोप हैं। सुवेंदु अधिकारी ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में विद्यार्थियों के नामांकन को लेकर भी तृणमूल कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों में एनसीसी में विद्यार्थियों के नामांकन को रोकने की कोशिश की और इसके स्थान पर 'जय हिंद वाहिनी' शुरू की। उन्होंने एनसीसी के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें भाग लेने से विद्यार्थियों को सशस्त्र



बलों में अग्निवीर के रूप में चयन में मदद मिल सकती थी। उनके मुताबिक, विद्यार्थियों को एनसीसी जैसी गतिविधियों से जोड़ना उनके अनुशासन और सैन्य सेवा की तैयारी के लिहाज से उपयोगी हो सकता है। सुवेंदु ने इस मुद्दे को भी राज्य सरकार की नीतियों से जोड़ते हुए सवाल उठाए। उनके बयान से स्पष्ट है कि वह शिक्षा संस्थानों में एनसीसी की भूमिका को लेकर तृणमूल कांग्रेस सरकार की आलोचना कर रहे हैं।

देवास में 13 संदिग्ध मौतों पर सियासी घमासान, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार को घेरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



देवास। देवास के चंदाना और बींजाना गांव में 13 लोगों की संदिग्ध मौतों के मामले ने तूल पकड़ लिया है. नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर मुख्यमंत्री मोहन यादव से फोन पर बात की. उन्होंने कथित जहरीली शराब की बिक्री को लेकर आबकारी विभाग और जिला प्रशासन पर सवाल उठाए. देवास के चंदाना और बींजाना गांव में 13 लोगों की संदिग्ध मौतों का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है. सोमवार शाम नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार चंदाना पहुंचे, जहां उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली. इस दौरान उन्होंने मौके से ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मोबाइल पर बातचीत कर पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया.मीडिया से चर्चा के दौरान सिंघार ने कलेक्टर और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए प्रदेश सरकार को घेरा. उन्होंने दावा किया कि मृतकों के परिजनों ने उन्हें बताया कि शराब ठेकेदार विनोद जायसवाल से शराब खरीदी गई थी, जो कथित तौर पर गांव में कई वर्षों से शराब बेच रहा था. सिंघार ने आरोप लगाया कि आबकारी विभाग की कथित मिलीभगत से अवैध शराब की बिक्री हो रही है. सिंघार ने कहा कि देशी शराब पीने के बाद लोगों को दिखाई देना बंद हुआ, उल्टियां हुईं और फिर उनकी मौत हो गई. उन्होंने सागर के बाद देवास में सामने आई इन घटनाओं का जिक्र करते हुए सरकार पर सवाल उठाए. उन्होंने आरोप लगाया कि गांव में कई दिनों से मौतें हो रही हैं, लेकिन प्रशासन इन्हें सामान्य मौतें बता रहा है. इतना ही नहीं उन्होंने देवास कलेक्टर को मंदबुद्धि तक करार दे डाला.नेता प्रतिपक्ष ने आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना को लेकर कहा कि दीपक सक्सेना मुख्यमंत्री के कॉलेज के मित्र हैं. मोहन, कृष्ण और दीपक सक्सेना सुदामा की भूमिका में है. कृष्ण-सुदामा का जिक्र करते हुए उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में कथित जहरीली शराब कैसे बिक रही है और इसकी जिम्मेदारी किसकी है? उन्होंने मुख्यमंत्री से तत्काल संज्ञान लेकर जांच कराने की मांग की. सिंघार ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री से मौके पर ही फोन पर बात कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी है. पीड़ित परिवारों की मदद के लिए अब तक किसी के नहीं पहुंचने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि ये बड़ी शर्म की बात है. उन्होंने प्रत्येक मृतक परिवार को 25 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग करते हुए कहा कि जांच अपनी जगह है, लेकिन प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए.मौतों के वास्तविक कारणों का आधिकारिक खुलासा होना अभी बाकी है.

नाजिया ने प्रेमी रविंद्र संग की शादी तो भड़के परिजन, गला घोंटकर मार डाला, फिर लाश कब्रिस्तान में दफनाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मथुरा। नाजिया ने प्रेमी रविंद्र संग की शादी तो भड़के परिजन, गला घोंटकर मार डाला, फिर लाश कब्रिस्तान में दफनाई; ऐसे हुआ खुलासा मथुरा के गोविंद नगर में प्रेमी संग शादी करने वाली नाजिया की उसके ही परिजनों ने गला दबाकर हत्या कर दी. हत्या के बाद शव को चुपचाप कब्रिस्तान में दफना दिया गया. राजस्थान में पति द्वारा दर्ज एफआईआर के बाद मथुरा पुलिस ने कब्रिस्तान से शव बरामद कर आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया है.उत्तर प्रदेश के मथुरा में खौफनाक वारदात हुई. थाना गोविंद नगर के नई बस्ती निवासी नाजिया की उसके ही परिजनों ने गला दबाकर हत्या कर दी और शव कब्रिस्तान में दफना दिया. प्रेमी रविंद्र से शादी करने के बाद परिजन नाजिया से खफा थे. राजस्थान के झुंझुनूं जिले के पचेरी कलां निवासी पति रविंद्र की शिकायत और अपहरण की जीरो एफआईआर के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की. सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्र के आदेश पर गोविंद नगर पुलिस ने नई बस्ती स्थित कब्रिस्तान से मृतका का शव एक्सह्यूम कर बरामद किया और आरोपी भाई अकरम को गिरफ्तार कर लिया. बता दें कि करीब डेढ़ महीने पहले नाजिया अपने प्रेमी रविंद्र के साथ चली गई थी, जहां दोनों ने शादी कर ली और दिल्ली में रहने लगे थे. करीब 15 दिन बाद नाजिया के घरवाले उसे समझा-बुझाकर और धूमधाम से शादी कराने का आश्वासन देकर वापस ले आए. घर लौटने के बाद परिजनों ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और आकस्मिक मौत दर्शाकर शव को कब्रिस्तान में दफना दिया.

पति की शिकायत पर खुली हत्या की पोल

रविंद्र से परिजनों ने बातचीत और फोन उठाना बंद कर दिया, तो उसने राजस्थान में पत्नी के अपहरण की जीरो एफआईआर दर्ज कराकर हत्या की आशंका जताई. मामले की जांच के दौरान पुलिस ने नाजिया के भाई अकरम से पूछताछ की, जिसने हत्या की बात स्वीकार कर ली. फरार चल रहे अन्य परिजनों की तलाश और मामले में विधिक कार्रवाई जारी है.

एसपी सिटी ने दी मामले की डिटेल जानकारी

एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया कि राजस्थान के झुंझुनूं जिले के पचेरी कलां थाने में इस संबंध में मामला पंजीकृत किया गया था. इसमें गोविंद नगर के लोगों को नामित किया गया था. परिजनों द्वारा युवती को लाकर हत्या करने और शव दफनाने की बात सामने आने पर सहायक मजिस्ट्रेट के आदेश से शव निकाला गया है, जिसे साक्ष्यों के साथ संबंधित थाने को अवगत कराया जाएगा.एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया कि राजस्थान के झुंझुनूं जिले के पचेरी कलां थाने में इस संबंध में मामला पंजीकृत किया गया था. इसमें गोविंद नगर के लोगों को नामित किया गया था. परिजनों द्वारा युवती को लाकर हत्या करने और शव दफनाने की बात सामने आने पर सहायक मजिस्ट्रेट के आदेश से शव निकाला गया है,

1 करोड़ दो, नहीं तो जान से जाओगे! गाजियाबाद के रियल एस्टेट कारोबारी को धमकी से मचा हड़कंप

धमकी देने वालों ने उस पर दिल?ली में फर्जी मुकदमा भी दर्ज कराया था। मामला सही ना मिलने पर पुलिस ने केस ख़त्म कर दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सुल्तानपुर। गाजियाबादः इंदिरापुरम में रियल एस्टेट कारोबारी को फोन पर धमकाकर एक करोड़ रुपये मांगने का मामला सामने आने से सनसनी फैल गई। कारोबारी का आरोप है कि रकम देने से इनकार करने पर उसे हत्या करने के साथ ही झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। लगातार मिल रही धमकियों से परेशान कारोबारी ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। इसके बाद इंदिरापुरम पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में हैबिटेट सेंटर निवासी कारोबारी सुमित कुमार शर्मा ने बताया कि आरोपियों की ओर से पहले 50 लाख रुपये की मांग की गई थी। कुछ समय तक फोन के जरिए उन पर रकम देने का दबाव बनाया गया। कारोबारी का आरोप है कि मांग पूरी नहीं होने पर आरोपियों ने रकम बढ़ाकर एक करोड़ रुपये कर दी। शिकायत में वैभव खंड निवासी चिराग जैन और दिल्ली के नेब सराय एक्सटेंशन निवासी श्याम किशन सर्राफ को नामजद किया गया है। कारोबारी ने पुलिस को बताया कि दबाव बनाने के लिए उसके खिलाफ दिल्ली में एक मुकदमा भी दर्ज कराया गया था। बाद में जांच में मामला सही नहीं पाए जाने पर उसे समाप्त कर दिया गया। कारोबारी का आरोप है कि इसके बावजूद उस पर रकम देने का दबाव कम नहीं हुआ और धमकियों का सिलसिला जारी रहा।

झूठे केस में फंसाने की धमकी

शिकायत में कारोबारी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि एक करोड़ रुपये नहीं देने पर उसकी हत्या कर शव यमुना में फेंकने की धमकी दी गई। साथ ही झूठे केस में फंसाने की बात भी कही गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए कारोबारी ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य के मुताबिक मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपों की जांच के साथ नामजद आरोपितों की तलाश कर रही है।मामले की गंभीरता को देखते हुए कारोबारी ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य के मुताबिक मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपों की जांच के साथ नामजद आरोपितों की तलाश कर रही है।

दमोह में पदस्थ वाणिज्य कर पदाधिकारी के ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा



महानगर मेट्रो ब्यूर

जबलपुर ।जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने दमोह में पदस्थ वाणिज्य कर पदाधिकारी के ठिकानों पर छापेमारी की है। भोपाल और सागर समेत अन्य जगहों पर कई संपत्तियों की जानकारी मिली है। शुरुआती जानकारी के अनुसार आय से करीब 265 फीसदी अधिक संपत्ति उनके पास हैं। लोकायुक्त ने दमोह में पदस्थ वाणिज्य कर अधिकारी के जबलपुर स्थित मकान में दबिश दी। लोकायुक्त की टीम को दबिश के दौरान प्रारंभिक जांच में वाणिज्य कर अधिकारी के पास से आय से लगभग 265 गुना अधिक संपत्ति मिली है। लोकायुक्त की कार्यवाही जारी है और अधिक संपत्ति मिलने की संभावना है।लोकायुक्त एसपी अंजूलता पटले ने बताया कि आयुक्त वाणिज्य कर अधिकारी कार्यालय में पदस्थ मनीष कुमार जैन की वर्तमान में पदस्थापना दमोह जिले में थी। उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत प्राप्त हुई थी। लोकायुक्त की टीम ने शिकायत पर कार्रवाई करते हुए रिलायबल डेवलपर कॉलोनी बिलहरी में मंगलवार की सुबह दबिश दी।

शव घर पहुंचते ही मची चीख-पुकार

ट्रिपल मर्डर केस में बड़ा एक्शन, इंस्पेक्टर-चौकी इंचार्ज सस्पेंड



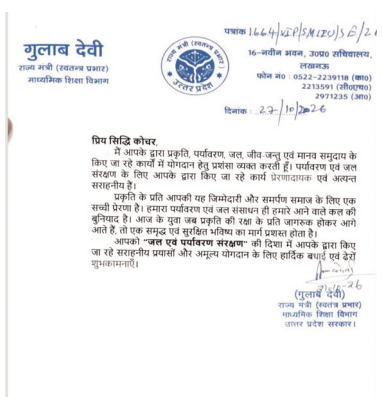
महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ के सआदतगंज में कार पार्किंग विवाद के दौरान हुए ट्रिपल मर्डर केस में पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है. पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने लापरवाही पर सआदतगंज इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य और कश्मीरी मोहल्ला चौकी इंचार्ज अजय कुमार चौरसिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है. लखनऊ के थाना सआदतगंज स्थित ब्राह्मणी टोला में 26 अक्टूबर को कार पार्किंग के विवाद में हुई अंधाधुंध फायरिंग में 3 लोगों की मौत हो गई थी. घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने थाना प्रभारी संतोष कुमार आर्य और चौकी प्रभारी अजय कुमार चौरसिया को सस्पेंड कर दिया है. वहीं, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पिस्टल और 4 खोखा कारतूस बरामद कर लिए हैं. आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है. वहीं क्षेत्र में पुलिस बल तैनात किया गया है. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल, पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजीउधर, सआदतगंज ट्रिपल मर्डर केस में तीनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही उनके घर पहुंचे, इलाके में कोहराम मच गया. अंतिम संस्कार की तैयारियों के बीच परिजनों और रिश्तेदारों की भारी भीड़ जमा हो गई. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और आक्रोशित लोगों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचे हैं. घटना के बाद इलाके में उपजे जनाक्रोश और तनाव को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है. सआदतगंज इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है. पुलिस अधिकारी मौके पर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं

पर्यावरण संरक्षण के लिए सिद्धि कोचर सम्मानित, मंत्री गुलाब देवी ने दिया प्रशस्ति-पत्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो





लखनऊ। उत्तर प्रदेश की होनहार बेटी और ग्रेटर नोएडा स्थित शिव नादर स्कूल की कक्षा 12वीं की छात्रा सिद्धि कोचर को पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार की माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने सिद्धि को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनके प्रयासों की सराहना की। सिद्धि ने गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने, जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करने के लिए प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को जागरूक किया है। सिद्धि कोचर ने सस्टेनेबिलिटी लीडर्स प्रोग्राम (एसएलपी) के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के व्यावहारिक पहलुओं से जोड़ने का प्रयास किया। इस कार्यक्रम का पहला संस्करण पंजाब में संचालित किया गया था। इसके बाद वर्ष 2025-26 में उत्तर प्रदेश में भी इसे व्यापक स्तर पर लागू किया गया। कार्यक्रम का पाठ्यक्रम सिद्धि ने स्वयं तैयार किया और इसके संचालन का नेतृत्व भी किया। अभियान को ऑनलाइन माध्यम के साथ विद्यालयों में प्रत्यक्ष रूप से पहुंचकर संचालित किया गया, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंचाया जा सके। अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों को गीले और सूखे कचरे के बीच अंतर समझाने के साथ दोनों को अलग-अलग एकत्रित करने की व्यावहारिक जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त जल संरक्षण, स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और जैव-उपचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी जागरूकता बढ़ाई गई। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पर्यावरण संबंधी जानकारी देना ही नहीं, बल्कि उन्हें अपने घर, विद्यालय और आसपास के क्षेत्रों में पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना भी रहा।

बालकनी से थूका गुटखा, 11000 वोल्टेज की लाइन से छूते ही मौत, बिजली विभाग को कोस रहे लोग



महानगर मेट्रो ब्यूर

विदिशा । जिले के गंजबासौदा इलाके में बालकनी से नीचे गुटका थूकना एक बुजुर्ग की जान पर भारी पड़ गया। घर की तीसरी मंजिल की बाल्कनी से थूकते वक्त बुजुर्ग पास ही से गुजर रही हाई-टेंशन बिजली की लाइन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। यह दुखद घटना शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे गंजबासौदा के गायत्री नगर की है।

बालकनी से थूका गुटखा और हुई मौत

65 वर्षीय प्रभुलाल गुप्ता, जो मूल रूप से छतरपुर के रहने वाले थे और पेशे से राजमिस्त्री थे, पिछले 10 वर्षों से यहां एक किराए के मकान में रह रहे थे। घटना के वक्त वे अपने घर की बालकनी में थे और गुटका खा रहे थे। स्थानीय निवासियों के अनुसार, जब उन्होंने नीचे की तरफ थूकने के लिए अपना सिर बाहर निकाला, तो उनके मुंह से निकला तरल पदार्थ पास से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाई-टेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे वे गंभीर रूप से झुलस गए।

इलेक्ट्रिकल एक्सपर्ट्स ने बताई तकनीकी वजह

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की दुर्घटनाएं कुछ खास परिस्थितियों में संभव हैं। लार में नमी और घुसे हुए लवण होते हैं, जो इसे सुचालक बनाते हैं। यदि तरल की कोई निरंतर धारा किसी लाइव कंडक्टर तक पहुंच जाए, तो यह एक सुचालक रास्ता प्रदान कर सकती है। इसके अलावा, 11 केवी की लाइन उपयुक्त परिस्थितियों में इलेक्ट्रिक आर्क भी पैदा कर सकती है। यदि बालकनी कंडक्टर के काफी करीब थी, तो हवा के जरिए बिजली का करंट शरीर तक पहुंच सकता था, जिसके परिणामस्वरूप गंभीर रूप से झुलसने या मौत की आशंका बढ़ जाती है।

बिजली विभाग की लापरवाही पर भड़के स्थानीय लोग

इस दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। परिजनों और पड़ोसियों का आरोप है कि इलाके में बिजली के खंभे, तार और ट्रांसफॉर्मर बेहद खस्ता हालत में हैं। निवासियों ने कई बार शिकायत की थी कि घरों के पास से गुजर रही 11 केवी की लाइन बेहद खतरनाक स्थिति में है, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। मकान मालिक पद्मा चिढ़ार ने भी आरोप लगाया कि उन्होंने कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर इस लाइन को वहां से हटाने की मांग की थी।

पुलिस ने 2 किलो 660 ग्राम गांजा बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धामपुर। नेशनल हाईवे पर चाय का ठेला लगाने वाले नौशाद के पास से पुलिस ने 2 किलो 660 ग्राम गांजा बरामद किया है। गांजा ठेले की छत पर रखा था। नौशाद के खिलाफ पहले भी एनडीपीएस और आबकारी के कई मामले दर्ज हैं. धामपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. उत्तर प्रदेश में बिजनौर जिले के धामपुर में एक ऐसा मामला सामने आया है. जिसने सभी को चौंका दिया है. नेशनल हाईवे पर चाय का ठेला लगाने वाले एक व्यक्ति के पास से पुलिस ने बड़ी मात्रा में गांजा बरामद किया है. लोग यहां चाय पीने के लिए रुकते थे. लेकिन पुलिस का कहना है कि इसी ठेले की आड़ में नशे का खेल चल रहा था.पुलिस के अनुसार पकड़ा गया व्यक्ति धामपुर के मोहल्ला नई सराय का रहने वाला नौशाद पुत्र अब्दुल रशीद है. वह नेशनल हाईवे पर चाय का ठेला लगाता था. जब पुलिस को सूचना मिली तो उसके ठेले की जांच की गई तो पुलिस को 2 किलो 660 ग्राम गांजा बरामद हुआ. पुलिस ने नौशाद को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया.इस मामले में सबसे ज्यादा चर्चा गांजे की मात्रा को लेकर हो रही है. चाय के एक छोटे से ठेले से इतनी बड़ी मात्रा में गांजा मिलना अपने आप में कई सवाल खड़े करता है. यह गांजा कहां से लाया जाता था? क्या इसके पीछे कोई और भी शामिल है? इन सवालों के जवाब अभी जांच के बाद ही सामने आ पाएंगे.पुलिस का कहना है कि नौशाद कोई नया नाम नहीं है. उसके खिलाफ पहले भी नशे और शराब से जुड़े कई मामले दर्ज हो चुके हैं. साल 2022 से 2026 के बीच धामपुर और शेरकोट थानों में उसके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हुए हैं.

'अबकी बार 300 पार', यूपी में चुनावी बिगुल से पहले केशव मौर्य का बड़ा दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है. उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा की 300 सीटों से अधिक जीत का दावा किया है. उन्होंने कहा कि चाहे समाजवादी पार्टी और कांग्रेस साथ लड़े या अलग, भाजपा विकास और सुशासन के मुद्दे पर चुनाव जीतेगी. उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत गरमा गई है. उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने '300 पार' का नारा दिया है. उन्होंने साफ कह दिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में जनता समाजवादी पार्टी, कांग्रेस को हटाकर बीजेपी का कमल खिलाएगी. उन्होंने कहा कि विपक्ष चाहे एकजुट हो जाए या अलग लड़े, भाजपा विकास और सुशासन के नाम पर चुनाव जीतेगी.उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में सियासी उठापठक जारी है. सूबे के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने साफ कह दिया है कि आगामी चुनाव में बीजेपी की जीत होगी. उन्होंने 300 पार का नारा दे दिया है. वहीं, सपा-कांग्रेस के गठबंधन पर उन्होंने कहा कि चाहे समाजवादी पार्टी-कांग्रेस साथ लड़े या अलग लड़े, चुनाव में बीजेपी की जीत होनी है.

BJP पूरे विपक्ष को हराएगी

मौर्य ने विपक्ष को हराने का भरोसा जताते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा का कमल खिलेगा. उन्होंने कहा, 'समाजवादी पार्टी-कांग्रेस चाहे एक साथ लड़े या नहीं, इससे भाजपा को कोई फर्क नहीं पड़ता. भाजपा, कांग्रेस-सपा और पूरे विपक्ष को हराएगी.' केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदेश में बीजेपी की जीत की हूंकार भर दी है. उन्होंने साफ कह दिया है कि प्रदेश में बीजेपी का कमल खिलेगा. उन्होंने कहा, 'सुरक्षा, विकास, सुशासन का कमल प्रदेश में खिलेगा.' वहीं, उन्होंने 300 पार का भी नारा दे दिया है. उनका कहना है कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी 300 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करेगी. उन्होंने कहा, 'इस बार भाजपा 300 पार करेगी.' उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की बिसात बिछनी शुरू हो चुकी है. सपा अपने विनिंग दांव 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) से बीजेपी के समीकरणों को चुनौती देकर सत्ता में वापसी की कवायद कर रही है. वहीं, बीजेपी के भीतर कार्यकर्ताओं की नाराजगी और क्षेत्रीय-जातीय संतुलन बिगड़ने जैसी बातें सामने आ रही हैं. ऐसे में बीजेपी के दिग्गज नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अब यूपी चुनाव में एंट्री होने जा रही है, जिनके रणनीतिक कौशल के सहारे पार्टी सत्ता की हैट्रिक लगाने का प्लान बना रही है.

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (बुधवार)
28 अक्टूबर 2026

कांग्रेस ज्ञानेश कुमार पर करना चाहती थी 'सार्वजनिक महाभियोग', दिल्ली पुलिस ने नहीं दी इजाजत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 30 अक्टूबर को 'सार्वजनिक महाभियोग' कार्यक्रम आयोजित करना चाहती थी, लेकिन पार्टी के अनुसार दिल्ली पुलिस ने अशोका होटल और रामलीला मैदान, दोनों जगह अनुमति नहीं दी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी को रामलीला मैदान में 25 अक्टूबर से 3 नवंबर तक कार्यक्रम की अनुमति मिली थी, फिर भी प्रस्तावित आयोजन की मंजूरी नहीं मिली। वहीं, दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस की रैली के लिए जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र रद्द नहीं किया गया है और अनुमति बरकरार है। अशोका होटल में संसदीय कार्यवाही की तरह कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति देना दिल्ली पुलिस के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। वैकल्पिक स्थान के सवाल पर वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस जानती है कि उसे कार्यक्रम कैसे करना है। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि पार्टी गृह मंत्री अमित शाह या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर भी ऐसा आयोजन कर सकती है। कांग्रेस 1 नवंबर को रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन की 'वोट बचाओ-देश बचाओ' महारैली आयोजित करेगी। पार्टी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित गड़बड़ियों को लेकर अभियान चला रही है। कांग्रेस महासचिव अविनाश पांडे के अनुसार, 26 अक्टूबर से 26 नवंबर तक यह अभियान अलग-अलग चरणों में जारी रहेगा।



बादल बढ़ाएंगे महिलाओं की चिंता करवा चौथ के चांद पर 'अर्नब' का साया, ऑनलाइन दर्शन होंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। नई दिल्ली। करवा चौथ पर इस बार चांद के दीदार में मौसम बाधा बन सकता है। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से 29 अक्टूबर को दिल्ली-एनसीआर में बादल छाने और बूंदाबांदी होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 29 और 30 अक्टूबर को गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। ऐसे में व्रत रखने वाली महिलाओं को चांद के दर्शन के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। कुछ महिलाओं ने आधी रात तक प्रतीक्षा करने, जबकि कुछ ने दूसरे शहरों से ऑनलाइन चांद के दर्शन करने की योजना बनाई है। करवा चौथ महिलाओं के लिए आस्था और परंपरा से जुड़ा विशेष पर्व है। इस दिन महिलाएं पति की लंबी आयु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए निर्जला व्रत रखती हैं। शाम को पूजा करने के बाद चांद निकलने का इंतजार किया जाता है। चंद्रमा को अर्घ्य देने और पति का चेहरा देखने के बाद व्रत खोला जाता है। ऐसे में आसमान में बादल छाने की संभावना ने महिलाओं की चिंता बढ़ा दी है। दिल्ली के सिविल लाइंस क्षेत्र में रहने वाली वसुंधरा ठाकुर के अनुसार, उनके परिवार में चांद दिखाई नहीं देने की स्थिति में रात 12 बजे व्रत खोलने की परंपरा है। इस बार भी वह इसी परंपरा का पालन करने की तैयारी कर रही हैं। वहीं, डिफेंस कॉलोनी में रहने वाली प्रेरणा मित्तल ने दूसरे शहरों में रहने वाले अपने 3 रिश्तेदारों से संपर्क किया है। उनकी योजना है कि वहां चांद दिखाई देने पर वे ऑनलाइन माध्यम से उन्हें चांद के दर्शन कराएंगे। मौसम विशेषज्ञ महेश पलावत के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती तूफान 28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश और यानम के तट पर पहुंच सकता है। इसके बाद इसके कमजोर होकर कम दबाव वाले क्षेत्र में बदलने और मध्य प्रदेश तक प्रभाव डालने की संभावना है। इसके चलते दिल्ली-एनसीआर के मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 29 और 30 अक्टूबर को राजधानी में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। यदि चांद निकलने के समय आसमान में घने बादल छाए रहे, तो चंद्रमा के दर्शन में देरी हो सकती है। हालांकि, वास्तविक स्थिति उस दिन के मौसम पर निर्भर करेगी। लहाल करवा चौथ की तैयारियों के बीच महिलाओं की निगाहें मौसम के पूर्वानुमान पर टिकी हैं। अब देखना होगा कि व्रत की शाम आसमान साफ रहता है या बादलों की वजह से चांद के दीदार के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है।



पहाड़ी के बीच सरकारी जामीन पर उगाता था अफीम, दिल्ली पुलिस ने पकड़ा गजब का नशा तस्कर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का खुलासा करते हुए झारखंड के चतरा से मुख्य आरोपी प्रकाश कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पहाड़ियों और जंगलों के बीच सरकारी जमीन पर अफीम की खेती करता था। वहां से कच्चा माल लखनऊ भेजा जाता था, जहां हेरोइन तैयार कर दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई की जाती थी। मामले में अब तक 7 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस को मुख्य आरोपी के नक्सलियों से कथित संबंधों की जानकारी भी मिली है, जिसकी जांच की जा रही है। रोहिणी जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने मामले की जांच के दौरान तस्करी की अलग-अलग कड़ियों को जोड़ते हुए झारखंड तक पहुंच बनाई। जांच अधिकारी के अनुसार, प्रकाश कुमार अपनी निजी जमीन के बजाय सरकारी जमीन पर अफीम की खेती करता था, ताकि पुलिस की नजर से बच सके। पुलिस अब उसके संपर्कों, मोबाइल फोन में मिले नंबरों और वॉट्सऐप संदेशों की जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, उस पर नक्सलियों को आर्थिक मदद देने के साथ भोजन और आश्रय उपलब्ध कराने का भी आरोप है। मामले की शुरुआत दिल्ली के बेगमपुर इलाके से हुई थी। पुलिस को लक्ष्मण हुड्डू के नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल होने की सूचना मिली थी। 16 सितंबर को उसे 300 ग्राम हेरोइन, एक कार और 3 लाख रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया। अगले दिन सोनीपत से अनिल उर्फ भोला को पकड़ा गया। उसके खिलाफ मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े 12 मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। लक्ष्मण से पूछताछ के दौरान पुलिस को लखनऊ में हेरोइन तैयार करने वाले रुखसार अली उर्फ राजू के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने लखनऊ में छापा मारकर 6.275 किलो तैयार हेरोइन के साथ रसायन और उपकरण बरामद किए। पूछताछ में सामने आई जानकारियों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई गई और बरेली के एजाज अहमद तथा बदायूं के मोहम्मद अजहर तक पुलिस पहुंची। इसके बाद टीम झारखंड के चतरा पहुंची, जहां से प्रकाश कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, इस पूरे नेटवर्क से अब तक 8.128 किलो हेरोइन, 12.81 लाख रुपये नकद, 3 एसयूवी और एक रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल बरामद की गई है। जब्त हेरोइन की अनुमानित कीमत करीब 60 करोड़ रुपये बताई गई है। फिलहाल पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य संपर्कों और नशीले पदार्थों की आपूर्ति की पूरी श्रृंखला की जांच कर रही है। प्रकाश कुमार के कथित नक्सली संबंधों की भी पड़ताल की जा रही है।



वायु प्रदूषण रोकने के लिए सेलिब्रिटी मुफ्त में करें जागरूकता अभियान, बॉम्बे हाईकोर्ट की अपील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण पर चिंता जताते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने फिल्मी हस्तियों और अन्य मशहूर लोगों से स्वेच्छा से जन जागरूकता अभियान चलाने की अपील की है। अदालत ने कहा कि मुंबई ने सेलिब्रिटी को बहुत कुछ दिया है, इसलिए शहर के प्रति अपनेपन की भावना से उन्हें प्रदूषण के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए आगे आना चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस काम के लिए उनकी सेवाएं निशुल्क ली जानी चाहिए और सरकारी खजाने से इस पर कोई खर्च नहीं किया जाना चाहिए। हाईकोर्ट ने प्रशासन से मराठी फिल्मी हस्तियों की मदद लेने पर भी विचार करने को कहा है। दिवाली के दौरान पटाखों से निकलने वाले धुएं और जहरीले उत्सर्जन के कारण हवा की गुणवत्ता बिगड़ने की आशंका के बीच अदालत ने व्यापक जन जागरूकता की जरूरत पर जोर दिया। सुनवाई के दौरान जस्टिस गिरीश कुलकर्णी की पीठ ने कहा कि मशहूर



हस्तियां मुंबई पुलिस के कार्यक्रमों में अपनी सेवाएं देती हैं। इसी तरह उन्हें शहर में प्रदूषण की समस्या के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए भी स्वेच्छा से आगे आना चाहिए। अदालत का मानना है कि प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या से निपटने के लिए प्रशासनिक कदमों के साथ समाज के प्रभावशाली लोगों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने बताया कि सेलिब्रिटी जागरूकता अभियान में भाग लेने के लिए शुल्क की मांग कर सकते हैं, इसलिए इस दिशा में अब तक कदम नहीं उठाए गए हैं। इस पर अदालत ने कहा कि इस तरह के सामाजिक मुद्दे पर मशहूर हस्तियों को स्वयं पहल करनी चाहिए। अदालत ने नगरसेवकों से भी विशेष रूप से झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले लोगों के बीच जागरूकता फैलाने की अपील की, ताकि प्रदूषण के दुष्प्रभावों और उससे बचाव के उपायों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि महानगरपालिका आयुक्त और संबंधित अधिकारी नगरसेवकों के साथ बैठक करें। बैठक में प्रदूषण के खिलाफ जागरूकता अभियान की रूपरेखा तैयार की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि संदेश केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि आम लोगों तक भी पहुंचें। अदालत ने स्कूलों में तथा त्योहार शुरू होने से पहले बसों, बस स्टॉप, रेलगाड़ियों और अन्य उपयुक्त सार्वजनिक स्थानों पर प्रदूषण के दुष्प्रभावों से संबंधित संदेश प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिए हैं। अभियान में फिल्मी हस्तियों की भागीदारी की संभावनाओं पर विचार करने को कहा गया है। सुनवाई के दौरान बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त, मुंबई पुलिस आयुक्त और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रमुख की ओर से प्रदूषण रोकने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी अदालत के समक्ष रखी गई। अधिकारियों ने अपने विभागों की ओर से किए गए प्रयासों और जन जागरूकता के लिए तैयार योजनाओं का विवरण भी दिया। अदालत ने इन कदमों को संतोषजनक और सराहनीय बताया, लेकिन साथ ही स्पष्ट किया कि केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं है। उनका प्रभावी क्रियान्वयन भी जरूरी है, तभी मुंबई के लोगों को अपेक्षाकृत स्वच्छ हवा उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस परिणाम मिल सकेंगे। अदालत ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जमीनी स्थिति को देखकर ऐसा लगता है कि अधिकारी किसी अलग दुनिया में रह रहे हैं और उन्हें प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े आदेशों के उल्लंघन की स्थिति दिखाई नहीं देती। पीठ ने संकेत दिया कि प्रदूषण रोकने के लिए जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

दिल्ली के हर्ष विहार में मकान गिरने से बाप-बेटे की मौत, पुराने ढांचे पर डाला जा रहा था लेंटर, सर्च ऑपरेशन के बाद सुबह मिले शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के हर्ष विहार स्थित मिलन गार्डन में रविवार शाम एक मकान ढहने से शटरिंग ठेकेदार चंद्रपाल (60) और उनके बेटे विजय कुमार (39) की मौत हो गई। हादसे के समय दोनों मकान की पहली मंजिल पर मौजूद थे। रातभर चले राहत एवं बचाव अभियान के बाद सोमवार सुबह दोनों के शव मलबे से निकाले गए। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि पुराने ढांचे पर नया लेंटर डालने के दौरान मकान अतिरिक्त भार नहीं झेल पाया। पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और मकान मालिक से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, हादसा रविवार शाम करीब 6:46 बजे ए-6, मिलन गार्डन, हर्ष विहार, सेवाधाम रोड पर हुआ। यहां मनोज कुमार का करीब 200 वर्ग गज का मकान है, जिसके भूतल का इस्तेमाल गोदाम के रूप में किया जा रहा था। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मकान में निर्माण और बदलाव का काम चल रहा था। लेंटर डालने के लिए चंद्रपाल और उनके बेटे को काम सौंपा गया था। रविवार सुबह पहली मंजिल पर



लेंटर डालने का काम शुरू हुआ, जो शाम करीब 5 बजे पूरा हुआ। इसके कुछ समय बाद मजदूरों के जाने पर चंद्रपाल और विजय शटरिंग की जांच करने के लिए पहली मंजिल पर मौजूद थे। इसी दौरान मकान ढह गया और दोनों मलबे में दब गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचाव अभियान में दमकल की 2 गाड़ियों, 2 एंबुलेंस, क्रेन और अन्य संसाधनों की मदद ली गई। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, दिल्ली मेट्रो रेल निगम, नगर निगम और नागरिक सुरक्षा की टीमें भी मौके पर पहुंचीं। बचावकर्मियों ने मलबा हटाकर दोनों की तलाश शुरू की। सोमवार सुबह करीब 8:15 बजे चंद्रपाल का शव निकाला गया, जबकि 8:35 बजे विजय का शव बरामद हुआ। दोनों को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। सोमवार दोपहर बाद तक मलबा हटाने का काम जारी था। देर रात दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा भी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य का जायजा लिया। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक, मकान मंडोली एक्सटेंशन के खसरा नंबर 2/17 में स्थित है। करीब 200 वर्ग गज के इस मकान में पिछले कुछ समय से बदलाव का काम कराया जा रहा था। मकान के अलग-अलग हिस्सों को तीन प्रवेश द्वारों के जरिए विभाजित किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, लगभग 150 वर्ग गज के हिस्से में भूतल और पहली मंजिल की छत पत्थर की पट्टियों से बनी हुई थी। निर्माण के दौरान टी-आयरन और पत्थर की पट्टियों वाली पुरानी छत हटाकर उसके स्थान पर नया लेंटर डालने का काम किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि पहली मंजिल की ऊंचाई बढ़ाने के लिए पुरानी दीवारों की ऊंचाई में बदलाव किया गया था।

बंद पड़े सिग्नल, लोकल पर असर, ट्रैक पर चलने को मजबूर यात्री, 1 की मौत



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेन सेवाएं सोमवार को दो अलग-अलग तकनीकी घटनाओं के कारण बुरी तरह प्रभावित हुईं। कांजुरमार्ग स्टेशन के रिले रूम में आग लगने से भांडुप से विक्रोली के बीच 24 सिग्नल ठप हो गए, जबकि मुलुंड और ठाणे के बीच ओवरहेड तार पर दूसरा तार गिरने से भी सेवाएं बाधित हुईं। सुबह से शुरू हुई परेशानी का असर शाम तक बना रहा। ट्रेनें डेढ़ से 2 घंटे तक देरी से चलीं और हार्बर लाइन की 22 लोकल रद्द करनी पड़ीं। इसी बीच भांडुप स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पार करते समय 21 वर्षीय साहिल थिटे की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 9:23 बजे मुलुंड और ठाणे के बीच ओवरहेड बिजली के तार पर एक अन्य तार का टुकड़ा गिर गया। सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे ने बिजली आपूर्ति बंद कर मरम्मत के लिए ब्लॉक लिया। सुबह 10:48 बजे मरम्मत का काम पूरा होने के बाद ब्लॉक समाप्त कर दिया गया। इसी दौरान सुबह करीब 9:30 बजे कांजुरमार्ग स्टेशन के रिले रूम में आग लग गई। इससे सिग्नलिंग व्यवस्था प्रभावित हुई और भांडुप से विक्रोली के बीच करीब 24 सिग्नल बंद पड़ गए। नतीजतन अप और डाउन दोनों दिशाओं में लोकल ट्रेनों की आवाजाही बाधित हो गई। सिग्नल ठप होने के कारण कई ट्रेनों को आगे बढ़ने में परेशानी हुई। जगह-जगह लोकल और लंबी दूरी की ट्रेनें रुकी रहीं। एक के पीछे दूसरी ट्रेन खड़ी होने से ट्रेनों की कतार लग गई। लंबे समय तक लोकल के नहीं चलने से यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में कठिनाई हुई। कई यात्री ट्रेन से उतरकर पटरियों पर पैदल चलते हुए नजदीकी स्टेशन की ओर बढ़े। हालांकि, रेलवे ट्रैक पर पैदल चलना जोखिम भरा है और इससे गंभीर हादसे की आशंका बनी रहती है। रेलवे कर्मचारियों ने सिग्नलिंग व्यवस्था बहाल करने के लिए मरम्मत का काम शुरू किया। अलग-अलग लाइनों को चरणबद्ध तरीके से चालू किया गया। डाउन फास्ट लाइन दोपहर 4:10 बजे, अप फास्ट लाइन 4:46 बजे, डाउन स्लो लाइन शाम 5:30 बजे और अप स्लो लाइन 6:18 बजे बहाल हुई। शाम 7 बजे तक 4 लाइनों पर सेवाएं बहाल होने की जानकारी सामने आई। इसके बावजूद ट्रेनों का समय बिगड़ा रहा और यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा। मेन लाइन पर ट्रेनों की देरी का असर हार्बर लाइन पर भी पड़ा।

मुंबई के घाटकोपर में दिल दहला देने वाली घटना, आरोपी पिता पहले ही गिरफ्तार; बच्चे की मौत के बाद पुलिस ने मामले में हत्या से जुड़ी धाराएं जोड़ीं

पत्नी से विवाद के बाद पिता ने 9 महीने के बेटे को स्कायवॉक से फेंका, इलाज के दौरान मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई के घाटकोपर में घरेलू विवाद के दौरान एक पिता पर अपने ही 9 महीने के मासूम बेटे को स्कायवॉक से नीचे फेंकने का आरोप है। करीब 20 फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी पिता जाफर शेख को गिरफ्तार कर लिया। बच्चे की मौत के बाद मामले में हत्या से संबंधित धाराएं भी जोड़ी गई हैं। पुलिस घटना की परिस्थितियों की जांच कर रही है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली जा रही है। पुलिस के अनुसार, घटना रविवार, 25 अक्टूबर की रात करीब 8:15 बजे घाटकोपर रेलवे स्टेशन के बाहर बने स्कायवॉक पर हुई। जाफर शेख की पत्नी आरती अपने 9 महीने के बेटे आरव के साथ वहां मौजूद थीं। इसी दौरान जाफर भी मौके पर पहुंच गया। बताया जा रहा है कि किसी घरेलू बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर जाफर ने कथित तौर पर गाली-गलौज की। आरती ने इसका विरोध किया तो मामला और बिगड़ गया। आरोप है कि गुस्से में आकर जाफर ने

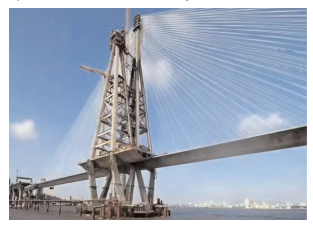


अपनी गोद में मौजूद मासूम आरव को स्कायवॉक की रेलिंग के ऊपर से नीचे फेंक दिया। अचानक हुई इस घटना से मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। मासूम को नीचे गिरता देख उसकी मां और आसपास मौजूद लोगों ने मदद के लिए आवाज लगाई। बच्चे को गंभीर चोटें आई थीं और उसकी हालत नाजुक हो गई थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की मदद से उसे मुंबई के सायन अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने बच्चे को बचाने के लिए उपचार शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसकी हालत में सुधार नहीं हो सका। आखिरकार इलाज के दौरान मासूम की मौत हो गई। घटना ने स्थानीय लोगों को स्तब्ध कर दिया। पुलिस ने मामले में आरती शेख की शिकायत के आधार पर अपराध क्रमांक 1280/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1), 351(3) और 352 में मामला दर्ज किया था। इन धाराओं में हत्या के प्रयास, आपराधिक धमकी और जानबूझकर अपमान करने से संबंधित प्रावधान शामिल हैं। बच्चे की मौत के बाद पुलिस ने मामले में हत्या से जुड़ी धाराएं भी जोड़ी हैं। आरोपी जाफर शेख को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। डीसीपी गणेश शिंदे ने बताया कि स्कायवॉक से नीचे गिराए जाने के बाद बच्चे की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मामले में हत्या से संबंधित प्रावधान जोड़े गए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि घटना के समय वास्तव में क्या हुआ था और विवाद किन परिस्थितियों में बढ़ा। इसके लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच की जा रही है। पुलिस मामले से जुड़े अन्य तथ्यों और साक्ष्यों को भी जुटा रही है। घरेलू विवाद के बीच एक मासूम की जान चले जाने की इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस बच्चे को अपने माता-पिता की सुरक्षा और देखभाल की जरूरत थी, वही इस विवाद का शिकार हो गया। फिलहाल पुलिस की जांच जारी है और आगे की कार्रवाई जांच में सामने आने वाले तथ्यों तथा साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी।

वर्सोवा-बांद्रा सी लिंक की डेटलाइन चौथी बार बढ़ी, मई 2028 तक पूरा होना मुश्किल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबईकरों को वर्सोवा-बांद्रा सी लिंक के शुरू होने के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। महानगर में यातायात का दबाव कम करने और यात्रा का समय बचाने के उद्देश्य से बनाई जा रही इस महत्वाकांक्षी परियोजना की समय-सीमा लगातार चौथी बार बढ़ाई जा चुकी है। शुरुआत में इस परियोजना को वर्ष 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, जिसे बाद में 2024, फिर दिसंबर 2026 और उसके बाद 17 मई 2028 तक बढ़ा दिया गया। हालांकि, निर्माण कार्य की मौजूदा प्रगति को देखते हुए निर्धारित समय तक परियोजना पूरी होने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) के अनुसार, परियोजना के निर्माण की प्रगति तय लक्ष्य से पीछे चल रही है। निर्माण कार्य का 40 प्रतिशत हिस्सा पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन अब तक करीब 35 प्रतिशत काम ही पूरा हो पाया है। ऐसे में मई 2028 तक परियोजना को पूरा करना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। इस परियोजना में देरी की प्रमुख वजह समुद्र की परिस्थितियां हैं। तटीय क्षेत्र में निर्माण के दौरान ज्वार-भाटा, समुद्र की उथल-पुथल और मानसून का सीधा असर पड़ता है। मानसून के दौरान करीब 4 महीने तक काम प्रभावित रहने से निर्माण एजेंसियों को सीमित समय में काम करना पड़ता है। एमएसआरडीसी के एक अधिकारी के मुताबिक, ठेकेदारों को कई बार दिन में केवल 6 घंटे ही काम करने का अवसर मिल पाता है। कम ज्वार के समय निर्माण सामग्री को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना भी मुश्किल होता है। हालांकि, इस साल मानसून की तीव्रता अपेक्षाकृत कम रहने के कारण बारिश का मौसम समाप्त होने के बाद अक्टूबर में निर्माण कार्य दोबारा शुरू हो गया। फिलहाल समुद्र तल पर खुदाई के लिए 12 तैरते हुए प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया जा रहा है। परियोजना के कुछ हिस्सों का निर्माण मलाड स्थित निर्माण केंद्र में किया जा रहा है। पूरे प्रोजेक्ट में करीब 3,000 पाइल्स और पियर्स यानी आधार संरचनाएं तथा खंभे लगाने की जरूरत है। इसके साथ ही सी लिंक को जोड़ने वाली 4 संपर्क सड़कों पर भी काम जारी है। वर्सोवा-बांद्रा सी लिंक का उद्देश्य मुंबई के पश्चिमी तटीय हिस्से में यातायात को सुगम बनाना है। करीब 9.8 किलोमीटर लंबा यह तटीय मार्ग बांद्रा-वर्ली सी लिंक को उत्तरी तटीय सड़क से जोड़ेगा। इसके शुरू होने से सड़क यातायात के दबाव को कम करने और यात्रियों का समय बचाने में मदद मिलने की उम्मीद है। परियोजना का असर समुद्र पर निर्भर व्यवसायों पर भी पड़ रहा है।



लाल बत्ती पर स्कूटी रोकना पड़ा भारी! पीछे से कार ने मारी टक्कर, फिर नीचे उतरकर युवक को पीटा

पुणे के जहांगीर हॉस्पिटल चौक की घटना का वीडियो सामने आने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में सड़क पर विवाद के बाद मारपीट का मामला सामने आया है। शहर के जहांगीर हॉस्पिटल चौक पर लाल बत्ती होने के कारण अपनी स्कूटी रोकने वाले एक युवक के साथ कथित तौर पर कार सवार 2 लोगों ने मारपीट की। बताया जा रहा है कि युवक यातायात नियमों का पालन करते हुए सिग्नल पर रुका था, तभी पीछे से आ रही एक कार ने उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी। आरोप है कि टक्कर लगने के बाद कार सवार नीचे उतरे और युवक के साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना का वीडियो सामने आने की बात कही जा रही है, जिसके बाद सड़क पर वाहन चालकों के व्यवहार और आम लोगों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, घटना पुणे के व्यस्त जहांगीर हॉस्पिटल चौक की है। यहां स्कूटी सवार युवक यातायात सिग्नल की लाल बत्ती होने के कारण रुका हुआ था। इसी दौरान पीछे से आ रही एक कार ने उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी।



टक्कर लगने के बाद मौके पर विवाद की स्थिति बन गई। आमतौर पर ऐसी स्थिति में दोनों वाहन चालकों के बीच नुकसान और गलती को लेकर बातचीत होती है, लेकिन इस मामले में आरोप है कि कार में सवार 2 लोग वाहन से नीचे उतरे और युवक के साथ मारपीट करने लगे। बताया जा रहा है कि कार सवारों ने युवक से इस बात को लेकर भी सवाल किए कि उसने लाल बत्ती पर स्कूटी क्यों रोकी थी। आरोप सही पाए जाने पर यह मामला और भी गंभीर हो जाता है, क्योंकि लाल बत्ती पर वाहन रोकना यातायात नियमों का पालन करना है। हालांकि, घटना के पूरे घटनाक्रम और विवाद की वजह की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना के दौरान सड़क पर मौजूद लोगों का ध्यान भी इस विवाद की ओर गया। स्कूटी को पीछे से टक्कर लगने के बाद युवक के साथ कथित मारपीट की घटना ने सड़क पर होने वाले विवादों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। कई बार मामूली टक्कर या वाहन को लेकर शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते मारपीट में बदल जाती है। ऐसे मामलों में सबसे जरूरी है कि वाहन चालक संयम बनाए रखें और विवाद को कानून के दायरे में सुलझाने का प्रयास करें। यातायात सिग्नल पर रुकना सड़क सुरक्षा व्यवस्था का अहम हिस्सा है। लाल बत्ती होने पर वाहन रोकना प्रत्येक चालक की जिम्मेदारी है। यदि किसी वाहन के पीछे से टक्कर लगती है, तो संबंधित पक्षों को पहले स्थिति समझनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर पुलिस की सहायता लेनी चाहिए। किसी भी विवाद में मारपीट करना कानून व्यवस्था के लिए चुनौती पैदा कर सकता है और सड़क पर मौजूद अन्य लोगों को भी परेशानी में डाल सकता है। जहांगीर हॉस्पिटल चौक की इस घटना का वीडियो सामने आने का दावा किया जा रहा है।

सनटेक रियल्टी का मुनाफा 17 प्रतिशत बढ़कर 57 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में सनटेक रियल्टी लिमिटेड का मुनाफा 17 प्रतिशत बढ़कर 57.11 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का मुनाफा वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में 48.96 करोड़ रुपये था। रियल एस्टेट कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी की कुल आय 27 प्रतिशत बढ़कर 333.82 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 262.16 करोड़ रुपये थी।चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में कंपनी का मुनाफा बढ़कर 99.07 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 82.39 करोड़ रुपये था। अप्रैल-सितंबर अवधि में कंपनी की कुल आय बढ़कर 535.85 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 463.69 करोड़ रुपये थी। परिचालन के मोर्चे पर, सनटेक रियल्टी ने बताया कि दूसरी तिमाही में उसकी पूर्व-बिक्री 17 प्रतिशत बढ़कर 824 करोड़ रुपये रही। वहीं, चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में पूर्व-बिक्री 19 प्रतिशत बढ़कर 1,611 करोड़ रुपये हो गई। मुंबई स्थित सनटेक रियल्टी देश की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है।

विशालकाय एयरबस ए340-600 ने भरी अंतिम विदाई उड़ान

नई दिल्ली ।

उड्डयन इतिहास के एक स्वर्णिम अध्याय का अंत हो गया है। विशालकाय एयरबस ए340-600 ने अपनी अंतिम व्यावसायिक यात्री उड़ान पूरी कर हमेशा के लिए आसमान को अलविदा कह दिया। जर्मन विमानन कंपनी लुफ्थांसा की वाशिंगटन से फ्रैंकफर्ट पहुंची फ्लाइट एलएच419 इस ऐतिहासिक चार-इंजन वाले विमान की अंतिम नियमित यात्री सेवा रही। वर्ष 2002 में अपनी पहली व्यावसायिक उड़ान भरने वाला एयरबस ए340-600 लगभग 75.3 मीटर लंबा था, जिसने इसे एक समय दुनिया का सबसे लंबा यात्री विमान बनाया था। चार शक्तिशाली रोल्स-रॉयस इंजनों से लैस इस विमान को अत्यधिक लंबी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया था। इसकी एक अनूठी विशेषता लुफ्थांसा के कुछ विमानों में मुख्य यात्री केबिन के नीचे स्थित शौचालय थे, जहां सीढ़ियों से पहुंचा जाता था, जिससे केबिन में बैठने की अधिक जगह मिलती थी। करीब 23 वर्षों के कार्यकाल में लुफ्थांसा ने इस मॉडल के 24 विमानों का संचालन किया और चार करोड़ से अधिक यात्रियों को सेवाएं दीं। हालांकि, चार इंजन होने के कारण इसका ईंधन खर्च और रखरखाव बहुत महंगा साबित हो रहा था। आधुनिक और अधिक किफायती दो-इंजन वाले विमानों जैसे बोइंग 777 और एयरबस ए350 के आगमन से इसकी मांग घट गई। लुफ्थांसा अब अपने पुराने विमानों को हटाकर नए और पर्यावरण-अनुकूल विमानों को अपने बेड़े में शामिल कर रही है।

दिल्ली के लग्जरी रेस्टोरेंट पर एक लाख का जुर्माना



नई दिल्ली ।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने दिल्ली के एक लग्जरी पांच सितारा रेस्टोरेंट पर ग्राहकों के बिल में जबरन 10 प्रतिशत सर्विस चार्ज जोड़ने के लिए 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने इसे उपभोक्ता अधिकारों का हनन और अनुचित व्यापार प्रथा मानते हुए रेस्टोरेंट को भविष्य में ऐसी गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई दो ग्राहकों की शिकायतों के बाद की गई, जिन्होंने बताया कि उनके बिल में बिना सहमति के सर्विस चार्ज पहले से जोड़ दिया गया था। सीसीपीए की जांच में सामने आया कि रेस्टोरेंट के बिलिंग सॉफ्टवेयर में सर्विस चार्ज स्वचालित रूप से शामिल होता था, जिससे ग्राहक इसे अनिवार्य भुगतान समझते थे। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि सर्विस चार्ज या टिप पूरी तरह से ग्राहक की इच्छा पर निर्भर करता है और इसे किसी भी सूरत में बिल में थोपा नहीं जा सकता। सीसीपीए ने रेस्टोरेंट को अपनी बिलिंग प्रणाली में तुरंत सुधार करने के निर्देश भी दिए हैं।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।



भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 8.08 अंकों की गिरावट के साथ 73,598.67 अंकों पर बंद हुआ। जबकि 50 शेयरों पर आधारित एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स 3.45 अंक नीचे आकर 22,749.75 अंकों पर बंद हुआ। आज भारती एयरटेल, ट्रेंट, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड के शेयर जोरदार तेजी के साथ बंद हुए। जबकि, एसबीआई, एक्सिस बैंक, टीसीएस के शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

आज निफ्टी की 50 में से 25-25 कंपनियों के शेयर लाभ में जबकि इतने ही गिरावट पर बंद हुए। आज सेंसेक्स की 30 में से 17 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि शेष 12 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आये हैं। में बंद हुए और 1 कंपनी का शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से 25 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 25 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल के शेयर आज सबसे ज्यादा बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि एसबीआई का शेयर आज सबसे ज्यादा गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर लगातार दूसरे दिन बिना किसी बदलाव के बंद हुए।

सेंसेक्स की अन्य कंपनियों की बात करें तो आज अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट , मारुति सुजुकी , पावर ग्रिड , एटरनल , बीईएल , टाटा स्टील , एनटीपीसी आदि शेयरा के शेयर बढ़त लेकर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर एक्सिस बैंक, टीसीएस , एशियन पेंट्स , एचडीएफसी बैंक , आईसीआईसीआई बैंक , बजाज फाइनेंस के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की बढ़त पर शुरु हुआ। बाजार के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार सेंसेक्स 73400 और निफ्टी 22750 के ऊपर कारोबार कर रहे थे।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 16 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं शुरुआती कारोबार में सात पैसे टूटकर 95.22 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, भू-राजनीतिक अनिश्चितता तथा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से पहले डॉलर के मजबूत होने के कारण घरेलू मुद्रा में उतार-चढ़ाव रहा। भारतीय मुद्रा में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से कुछ सुधार दिखा, लेकिन घरेलू शेयर बाजार में कमजोर धारणा के बीच विदेशी पूंजी की निकासी के दबाव को यह झेल नहीं सकी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.17 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद नुकसान कम करते हुए 95.11 प्रति डॉलर तक पहुंचा। हालांकि, जल्द ही फिर टूटकर 95.22 प्रति डॉलर पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से सात पैसे कम है। सोमवार को रुपया लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ 22 पैसे टूटकर 95.15 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपये में पिछले तीन कारोबारी सत्रों में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 77 पैसे की गिरावट आई है। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत बढ़कर 101.86 पर रहा।

कमजोर मानसून का असर- रबी फसलों की बुवाई धीमी, गेहूं रकबा घटा

अक्टूबर अंत तक गेहूं की बुवाई में 50 फीसदी से अधिक की कमी

नई दिल्ली ।

कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार कमजोर दक्षिण-पश्चिम मानसून के कारण इस साल रबी फसलों की बुवाई धीमी गति से चल रही है। 23 अक्टूबर तक गेहूं का रकबा पिछले साल के मुकाबले 50 फीसदी से अधिक घटकर मात्र 11,000 हेक्टेयर रह गया है, जबकि पिछले वर्ष यह 27,000 हेक्टेयर था। इस स्थिति ने आगामी फसल उत्पादन पर चिंता बढ़ा दी है। प्रमुख रबी फसल गेहूं की बुवाई आम तौर पर अक्टूबर-नवंबर में होती है, लेकिन जून-सितंबर के दौरान 13 फीसदी कम मानसून वर्षा ने मिट्टी की नमी और जलाशयों के जलस्तर को बुरी तरह प्रभावित किया है। सिंचाई की आवश्यकता वाली इस फसल के लिए पानी की कमी से बुवाई में देरी, रकबे में कमी और अंततः पैदावार पर असर पड़ने की आशंका है। मंत्रालय ने 2026-27 के लिए 12.1 करोड़ टन गेहूं उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जो पिछले साल के रिकॉर्ड उत्पादन से थोड़ा अधिक है। पंजाब और राजस्थान, जो देश के कुल गेहूं रकबे का लगभग 31 फीसदी हिस्सा हैं, क्रमशः 38 फीसदी और 22 फीसदी कम बारिश का सामना कर रहे हैं। इन क्षेत्रों में सिंचाई की कमी राष्ट्रीय स्तर पर गेहूं बुवाई को प्रभावित कर सकती है। इसके अतिरिक्त, वर्षा आधारित क्षेत्रों जैसे राजस्थान, मध्य प्रदेश और बुंदेलखंड में भी जोखिम बढ़ गया है।

एंथ्रोपिक आईपीओ की ओर अग्रसर- शानदार राजस्व वृद्धि के साथ भारी घाटे का खुलासा

वाशिंगटन।



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी एंथ्रोपिक ने अमेरिका में अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लाने के लिए आवेदन कर दिया है। कंपनी ने अपनी वित्तीय रिपोर्ट में जहाँ आय में प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है, वहीं दूसरी ओर भारी घाटे का खुलासा किया है। सैन फ्रांसिस्को स्थित कंपनी नैस्डैक स्टॉक एक्सचेंज पर एएनटी प्रतीक के तहत सूचीबद्ध होने की तैयारी में है। एंथ्रोपिक ने यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) के पास फॉर्म एम-1 के तहत आवेदन दाखिल किया है, जो क्लास ए सामान्य शेयरों की प्रस्तावित बिक्री से संबंधित है, हालांकि अभी तक बिकने वाले शेयरों की संख्या या उनकी कीमत का खुलासा नहीं किया है।

कंपनी की फाइलिंग के अनुसार, एंथ्रोपिक का राजस्व 2023 में 4.1 करोड़ डालर से बढ़कर 2024 में 38.6 डालर करोड़ और 2025 में 4.6 अरब डालर तक पहुंच गया। 30 जून 2026 को समाप्त हुए छह महीनों में, राजस्व 16.3 अरब डालर तक जा पहुंचा, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 1,300 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि को दर्शाता है। हालांकि, एंथ्रोपिक ने निवेशकों को आगाह किया है कि भविष्य में इतनी तेज वृद्धि जारी रहना आवश्यक नहीं है।

राजस्व में इस विस्फोटक वृद्धि के बावजूद, कंपनी को भारी घाटा उठाना पड़ा है। फाइलिंग से पता चलता है कि 2025 में कंपनी को 41.97 अरब डालर का शुद्ध नुकसान हुआ और 2026 के पहले 6 महीनों में यह नुकसान 80.75 अरब डालर रहा। यह दर्शाता है कि कारोबार तेजी से बढ़ने के बावजूद, भारी निवेश और परिचालन खर्चों के कारण कंपनी अभी भी बड़े घाटे में है। इस प्रस्तावित आईपीओ को गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टेनली और जेपी मॉर्गन जैसे कई प्रमुख वित्तीय संस्थान संभालने वाले है।

2021 में स्थापित एंथ्रोपिक एक पब्लिक बेनिफिट कॉरपोरेशन है, जहाँ इसके लॉन्ग-टर्म बेनिफिट ट्रस्ट के पास बोर्ड के अधिकांश सदस्यों को चुनने की शक्ति है।

पीएनबी का फैसला-10 नवंबर के बाद बंद होंगे निष्क्रिय खाते

शून्य-बैलेंस वाले वे खाते होंगे बंद जिनमें तीन साल से नहीं हुआ कोई लेनदेन

नई दिल्ली ।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए एक बेहद अहम सूचना जारी की है, जिसके तहत 10 नवंबर के बाद कुछ निष्क्रिय खातों को स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। बैंक ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई उन खातों पर होगी जिनमें पिछले तीन साल से कोई लेनदेन नहीं हुआ है और जिनका बैलेंस भी शून्य है। बैंक का यह कदम वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने और बैंकिंग प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में उठाया गया है। पीएनबी द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह नियम केवल उन खातों पर लागू होगा जिनमें 30 सितंबर 2026 तक पिछले लगातार तीन वर्षों (यानी सितंबर 2023 से) कोई वित्तीय या गैर-वित्तीय लेनदेन नहीं हुआ है, और साथ ही खाते में बैलेंस भी शून्य है। स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी खाते में पैसा जमा है, तो भले ही वह लंबे समय से इस्तेमाल न हुआ हो, उसे इस अभियान के तहत स्वतः बंद नहीं किया जाएगा। प्रायः ऐसा देखा जाता है कि लोग नौकरी बदलने, स्थान परिवर्तन या अन्य बैंकों में नया खाता खुलवाने के बाद अपने पुराने खातों का उपयोग बंद कर देते हैं। पीएनबी का यह निर्णय ऐसे ही लावारिस या निष्क्रिय खातों की समीक्षा करने के लिए है ताकि बैंकिंग प्रणाली को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जा सके। बैंक अधिकारियों के अनुसार लंबे समय से निष्क्रिय और शून्य बैलेंस वाले खाते वित्तीय सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं और इनके गलत इस्तेमाल की संभावना बनी रहती है।

अनूप बागची से एचडीएफसी बैंक के सीईओ एवं एमडी का पद संभाला

नई दिल्ली।

अनूप बागची ने एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभाल लिया है। बैंक ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उनके पूर्ववर्ती शशिधर जगदीशन ने अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद सोमवार को पद छोड़ दिया। आईसीआईसीआई समूह में लंबे समय तक काम कर चुके बागची, एचडीएफसी बैंक के तीन दशक से अधिक के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाले पहले बाहरी व्यक्ति हैं। इससे पहले वह आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ थे।

बागची ऐसे समय में एचडीएफसी बैंक से जुड़े हैं, जब बैंक कई चुनौतियों से जूझ रहा है। इनमें मुख्य आय में वृद्धि एवं 'मार्जिन' से जुड़ी चुनौतियां भी शामिल हैं जिनके कारण निवेशक सतर्क हो गए हैं। बागची ने बैंक की आय पर आयोजित एक बैठक में कहा कि आवास वित्त क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एचडीएफसी के साथ 2023 में हुए विलय से जुड़ा कुछ काम अभी पूरा किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि वह बैंक को बेहतर ढंग से समझने के लिए सभी संबंधित पक्षों से मुलाकात करेंगे।

ऊर्जा सुरक्षा और विविधता पर भारत का जोर-मंत्री नाइक

वैश्विक व्यवधानों के बीच विश्वसनीय, सस्ती आपूर्ति आर्थिक प्रगति के लिए जरूरी

सिंगापुर ।

बिजली एवं नवीन तथा नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक ने सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा सप्ताह में ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यवधानों के मद्देनजर ऊर्जा आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाना भारत की प्राथमिकता है। नाइक ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा का आर्थिक प्रगति, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक विकास से गहरा संबंध है, इसलिए विश्वसनीय और किफायती ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने देशों से जोखिमों का अनुमान लगाने, आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाने और पूरी ऊर्जा मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने का आग्रह किया। मंत्री ने बताया कि ऊर्जा सुरक्षा अब केवल अधिक उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उभरती प्रौद्योगिकियों और बदलती खपत के अनुरूप ढलने वाली कुशल प्रणालियों के विकास से संबंधित है।

उन्होंने कहा कि खनिज खदानों या परिवहन मार्गों में व्यवधान दूरस्थ ऊर्जा प्रणालियों को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे राष्ट्रीय तैयारी और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता बढ़ जाती है।

पारे से सोना बनाने का दावा,क्या हीरों जैसा होगा अंजाम?

मुंबई ।

सोने के भविष्य को लेकर एक सनसनीखेज दावा सामने आया है। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को की स्टार्टअप मैराथन फ्यूजन ने परमाणु प्रक्रिया के जरिए पारे (मर्करी) को स्थिर सोने में बदलने का तरीका विकसित करने का दावा किया है। हालांकि, अभी तक विस्तृत आंकड़े सार्वजनिक नहीं हुए हैं, लेकिन इस घोषणा ने सोने की सप्लाई और कीमतों पर संभावित प्रभाव को लेकर ज्वेलरी बाजार में एक नई बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह तकनीक पारंपरिक सोने के लिए वैसी ही चुनौती बनेगी, जैसी लैब-ग्रोन हीरों ने प्राकृतिक हीरों के सामने खड़ी की है? लैब-ग्रोन डायमंड्स (एलजीडी) ने पहले ही इस ट्रेंड का उदाहरण पेश किया है। ये हीरे नियंत्रित परिस्थितियों में तकनीकी रूप से बनाए जाते हैं, जिनकी रासायनिक संरचना प्राकृतिक हीरों जैसी होती है, पर इनकी उत्पादन लागत कम होती है। इनकी लोकप्रियता बढ़ने के साथ ही चीन और भारत जैसे देशों में उत्पादन में भारी वृद्धि हुई। परिणामस्वरूप, बाजार में अत्यधिक आपूर्ति के कारण कीमतें तेजी से गिरीं। डायमंड एनालिस्ट के अनुसार, 2018 के बाद से 1-2 कैरेट के एलजीडी की थोक कीमतें 96 फीसदी तक घट चुकी हैं।

टाटा मोटर्स ने इवेको अधिग्रहण में पार किया अहम पड़ाव

कंपनी ने 3.8 अरब यूरो के सौदे में 89.42 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की

जगुआर लैंड रोवर के बाद यह टाटा मोटर्स का सबसे बड़ा अधिग्रहण होगा।

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स ने इतालवी वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता इवेको ग्रुप के अधिग्रहण की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर पार कर लिया है। कंपनी ने अपनी पेशकश के तहत आवश्यक न्यूनतम हिस्सेदारी से अधिक शेयर सफलतापूर्वक हासिल कर लिए हैं, जिससे 3.8 अरब यूरो (लगभग 38,240 करोड़ रुपये) के इस महत्वपूर्ण सौदे के पूरा होने का रास्ता साफ हो गया है। यह अधिग्रहण टाटा मोटर्स को वैश्विक वाणिज्यिक वाहन बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। नियामकीय सूचना के अनुसार, अस्थायी नतीजों से पता चला है कि पेशकशकर्ता (टीएमएल सीवी होल्डिंग्स बीवी) के पास इवेको की 89.42 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जो संशोधित 80 प्रतिशत की न्यूनतम सीमा से कहीं अधिक है। 26 अक्टूबर को समाप्त हुई पेशकश अवधि के दौरान, इवेको ग्रुप के कुल 23.816 करोड़ साधारण शेयरों की पेशकश की गई, जो कंपनी की कुल साधारण शेयर पूंजी का लगभग 87.81 प्रतिशत है। यह अधिग्रहण 2008 में फोर्ड से जगुआर लैंड रोवर को खरीदने के बाद टाटा मोटर्स का सबसे बड़ा अधिग्रहण होगा। टाटा मोटर्स ने शुरुआत में इवेको के लिए प्रति शेयर 14.10 यूरो की पेशकश की थी, जिसे बाद में 9 अक्टूबर को बढ़ाकर प्रति शेयर 14.40 यूरो (लाभांश सहित) कर दिया गया था। इस सौदे में इवेको का रक्षा कारोबार शामिल नहीं है और इसका अनुमानित मूल्य लगभग 3.8 अरब यूरो है। इस अधिग्रहण का प्राथमिक उद्देश्य इवेको के स्थापित परिचालन और उत्पाद पोर्टफोलियो के माध्यम से वैश्विक वाणिज्यिक वाहन बाजार में टाटा मोटर्स की मौजूदगी का विस्तार करना है। नियामक सूचना में यह भी बताया गया है कि शुरुआती स्वीकृति अवधि के दौरान पेशकश किए गए शेयरों के लिए कुल भुगतान राशि 3.43 अरब यूरो बैठती है, जिसका भुगतान 30 अक्टूबर को किया जाना है।

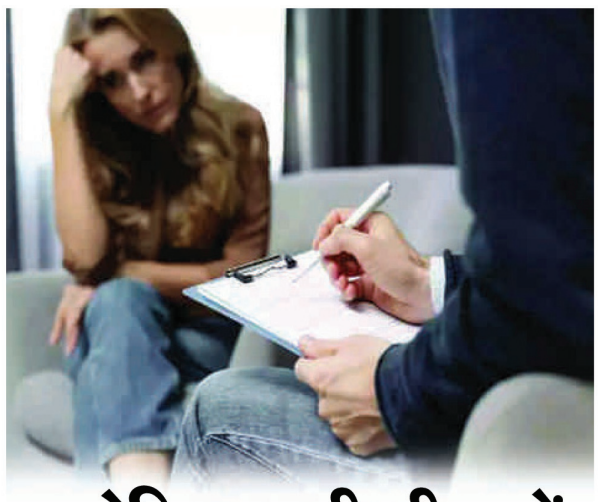
जीएसटी नियमों में बदलाव की तैयारी, छोटे कारोबारियों को मिलेगी राहत

1 नवंबर से चरणबद्ध तरीके से लागू होगी पूरी प्र क्रिया

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार माल और सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली को सरल बनाने और कारोबारियों का बोझ कम करने के लिए बड़े सुधारों की तैयारी कर रही है। ये बदलाव चरणबद्ध तरीके से लागू होंगे, जिनका उद्देश्य टैक्स रिफंड में तेजी लाना, अनुपालन को आसान बनाना और पूरी कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाना है। विशेष रूप से छोटे व्यापारियों को इन सुधारों से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के एक सदस्य के अनुसार जिन सुधारों के लिए कानून में बदलाव की आवश्यकता नहीं है, उन्हें 1 नवंबर से चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। वहीं कानूनी संशोधनों वाले बदलावों के लिए 1 अप्रैल 2027 का लक्ष्य रखा गया है। 5 करोड़ रुपये से कम टर्नओवर वाले बी2सी (बिजनेस-टू-कंज्यूमर) आपूर्तिकर्ताओं के लिए अब साल में एक बार रिटर्न दाखिल करने और हर तीन महीने में टैक्स का भुगतान करने की नई व्यवस्था को मंजूरी मिली है। 5 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले छोटे कारोबारियों पर, जो देय तिथि वाले महीने में रिटर्न दाखिल करते हैं, देरी के बावजूद लेट फीस नहीं लगेगी। पात्र मामलों में रिफंड की स्वचालित मंजूरी की व्यवस्था लागू होगी, जिससे भविष्य के दावों में लगने वाला समय कम होगा।

हालांकि, यह व्यवस्था लंबित पुराने मामलों पर लागू नहीं होगी। 1 अप्रैल 2027 से लागू होने वाले कानूनी संशोधनों में गिरफ्तारी से जुड़े कुछ प्रावधानों को हटाना, अभियोजन की सीमा को तर्कसंगत बनाना और ई-वे बिल के नियमों में बदलाव शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए 10,000 रुपये की न्यूनतम सीमा प्रस्तावित है, जिससे छोटे मामलों में अनावश्यक कानूनी कार्रवाई से बचा जा सकेगा।



मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

◗ मनोविज्ञानी ◗ मनोचिकित्सक ◗ समाज सेवक ◗ काउंसलर ◗ शैक्षिक मनोवैज्ञानिक ◗ मानव संसाधन प्रबंधक ◗ अध्यापक ◗ अनुसंधान भूमिकाएं ◗ मीडिया भूमिकाएं ◗ मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।



इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

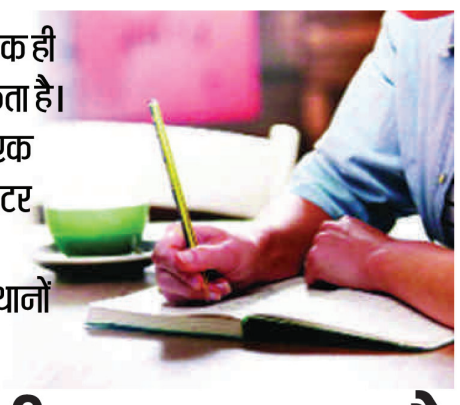
पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथेड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।



करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।



अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।



पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

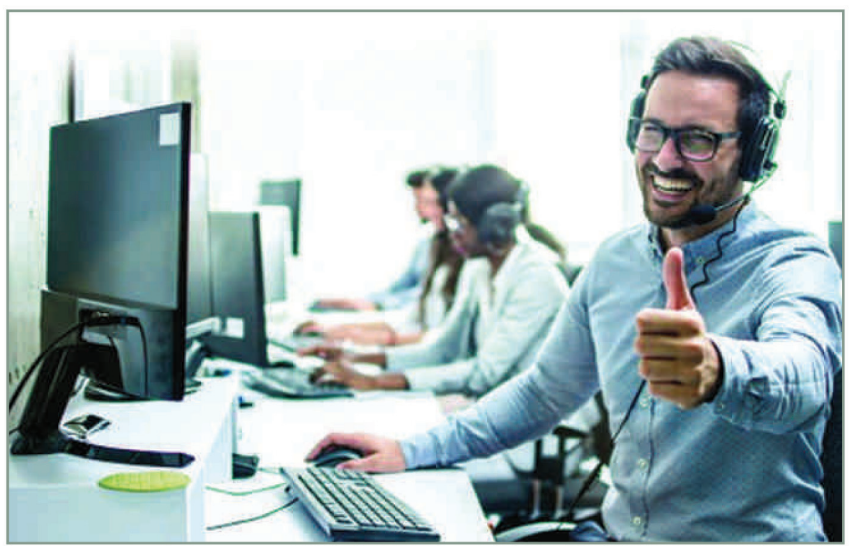
अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।



रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

मुनीबा अली आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की कप्तान होंगी

लाहौर। विकेटकीपर-बल्लेबाज मुनीबा अली आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 में पाकिस्तान की कप्तानी होंगी। आयशा जफर उपकप्तान होंगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को टूर्नामेंट के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टूर्नामेंट 10 टीमों के बीच 12 से 25 नवंबर तक अजमान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। पाकिस्तान टीम पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है। टूर्नामेंट की शुरुआत 2025 में हुई थी। टीम में मुनीबा और आयशा के अलावा पांच और बल्लेबाज–इमान नसीर, इमान फातिमा, सदफ शमास, सायरा जबीन और शवाल जुल्फिकार–हैं। गुल फिरोजा, जिन्हें हाल ही में नेशनल विमेंस टी20 टूर्नामेंट में श्रेष्ठ विकेटकीपर-बल्लेबाज चुना गया था, को भी शामिल किया गया है। लेफ्ट-आर्म स्पिनर नशरा सुंधू गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करेंगी। उन्हें स्पिनर मोमिना रियासत, तुबा हसन और उम्म-ए-हानी का सहयोग मिलेगा। तस्मिया रुबाब और वहीदा अख्तर फ्रंटलाइन पेस ऑप्शन हैं। पाकिस्तान अपने नियमित कप्तान फातिमा सना के बिना खेलेगी। सना इस दौरान ऑस्ट्रेलिया में विमेंस बिग बैश लीग खेल रही होंगी। टीम के पिछले असाइनमेंट से 12 खिलाड़ियों ने अपनी जगह बनाए रखी है, जबकि सदफ शमास और वहीदा अख्तर को वापस बुलाया गया है। पाकिस्तान, जिसने हाल ही में जापान में एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, को ग्रुप बी में डिफेंडिंग चैंपियन थाईलैंड, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स और जिम्बाब्वे के साथ रखा गया है। ग्रुप ए में श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, पापुआ न्यू गिनी और मेजबान यूएई शामिल हैं।



पाकिस्तानी टीम

मुनीबा अली सिद्दीकी (कप्तान, विकेटकीपर), आयशा जफर (उपकप्तान), इमान नसीर, इमान फातिमा, गुल फिरोजा (विकेटकीपर), मोमिना रियासत, नशरा सुंधू, सदफ शमास, सायरा जबीन, शवाल जुल्फिकार, तस्मिया रुबाब, तुबा हसन, उम्म-ए-हानी, वहीदा अख्तर।

अरशद शेख एशियन पैरा गेम्स के दौरान हुई इंजरी से रिकवर कर रहे हैं

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों के टाइम ट्रायल के दौरान हुए क्रैश में लगी चोटों की सर्जरी के बाद भारतीय पैरा-साइक्लिस्ट अरशद शेख ठीक हो रहे हैं। शेख के बाएं फीमर में डिस्प्लेस्ड फ्रैक्चर के बाद उनका शिजुओका प्रीफेक्चर के चुटोएन जनरल मेडिकल सेंटर में इलाज चल रहा है। यह चोट शेख के लिए



खास तौर पर गंभीर है, जो घुटने के ऊपर से एंप्यूटी (अंगहीन) हैं और चलने-फिरने तथा कॉम्पिटिशन के लिए प्रोस्थेसिस पर निर्भर हैं। जापान में भारतीय एंबेसडर नगमा मोहम्मद मलिक सोमवार को एथलीट से मेडिकल फैसिलिटी में मिलीं और उनके जल्दी ठीक होने की कामना की। उन्होंने शेख और उनकी टीम को यह भी भरोसा दिलाया कि जब तक उन्हें घर लौटने के लिए मेडिकली क्लियर नहीं किया जाता, तब तक भारतीय एंबेसी जरूरी मदद देगी। खेल मंत्रालय और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) एंबेसी के साथ कोऑर्डिनेट कर रहे हैं और एथलीट के साथ रेगुलर कॉन्टैक्ट में हैं, ताकि यह पक्का हो सके कि उसे ठीक होने के दौरान जरूरी सपोर्ट मिले।

कोहली ने हैरी केन को 'बैलन डी'ओर' के लिए दी बधाई



कहा- आप इस सम्मान के हकदार हैं

नई दिल्ली। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के फुटबॉल कप्तान हैरी केन को प्रतिष्ठित बैलन डी'ओर अवॉर्ड से सम्मानित होने पर बधाई दी है। विराट ने कहा कि केन इस अवॉर्ड के हकदार हैं।

इंग्लैंड के कप्तान ने फ्रांस के काइलियन एम्बाप्पे और स्पेन के लामिन यामाल जैसे खिलाड़ियों को हराकर यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड जीता। केन को यह अवॉर्ड लंदन पैलेडियम थिएटर में हुए समारोह में दिया गया। वह सर स्टेनली मैथ्यूज (1956), सर बॉबी चार्लटन (1966), केविन कीगन (1978 और 1979), माइकल ओवेन (2001) के बाद यह अवॉर्ड जीतने वाले सिर्फ पांचवें अंग्रेज खिलाड़ी हैं। केन पिछले 25 साल में बैलन डी'ओर का खिताब पाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं।

केन ने 2025/26 में बुंडेसलीगा में बायर्न म्यूनिख के लिए 36 गोल किए, जिससे स्ट्राइकर को दूसरा यूरोपियन गोल्डन शू मिला, जबकि जर्मन जायंट के लिए सभी कॉम्पिटिशन में उनके 61 गोल ने दुनिया भर में सुर्खियां बटोरीं।



उन्हें गर्ड मुलर ट्रॉफी भी मिली, जो साल के बेस्ट मेन्स स्ट्राइकर को दी जाती है। यह दूसरी बार है जब उन्होंने यह अवॉर्ड जीता है, इससे पहले 2024 में उन्होंने काइलियन एम्बाप्पे के साथ यह अवॉर्ड साझा किया था। इंग्लिश स्ट्राइकर ने बायर्न म्यूनिख और इंग्लैंड के साथ गोल से भरा सीजन खेला, जिसमें उन्होंने 65 गेम में 73 गोल किए–जिनमें से 61 उनके क्लब के लिए और 12 उनके देश के लिए आए। केन के योगदान से इंग्लैंड फीफा विश्व कप 2026 में तीसरे स्थान पर रहा। 1966 में वर्ल्ड कप जीतने के बाद इंग्लैंड का यह सबसे अच्छा प्रदर्शन था।

'हैरी, मेरे दोस्त...', कोहली ने कही दिल की बात

कोहली ने एक्स पर लिखा, 'हैरी मेरे दोस्त, इतने सालों तक टॉप पर फुटबॉल खेलते हुए जिस लगन, कड़ी मेहनत और ईमानदारी से तुमने खुद को संभाला है, उसके लिए तुम इस अवॉर्ड के हर तरह से हकदार हो। तुम्हारे लिए सच में बहुत खुश हूं। भगवान तुम्हें और तुम्हारे परिवार को आशीर्वाद दें। वे सभी तुम पर बहुत गर्व करते होंगे, जैसे तुम्हें अपने सफर पर गर्व होता होगा। मेरी शुभकामनाएं हमेशा। बधाई हो।'



स्पेन की एलेक्सिया पुटेलस ने महिलाओं का 'बैलन डी'ओर' जीता, बोनमाटी की बराबरी की

नई दिल्ली। स्पेन की मिडफील्डर एलेक्सिया पुटेलस ने 2026 का 'बैलन डी'ओर' पुरस्कार जीता है। एलेक्सिया ने तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। वहीं, यह लगातार छठा साल है, जब स्पेन की किसी महिला फुटबॉलर ने इस सम्मान को हासिल किया है। एलेक्सिया पुटेलस 2021 और 2022 में भी 'बैलन डी'ओर' जीत चुकी हैं। पुटेलस ने स्पेन की अपनी साथी ऐताना बोनमाटी के रिकॉर्ड की बराबरी की। बोनमाटी ने 2023, 2024 और 2025 में लगातार तीन साल यह सम्मान हासिल किया था। पुटेलस को फीफा की टॉप-50 रैंकिंग वाले देशों के पत्रकारों के एक इंटरनेशनल पैनल से सबसे ज्यादा वोट मिले। पुटेलस के साथ सम्मान की रेस में बार्सिलोना की स्ट्राइकर इवा पाजोर और मैनचेस्टर सिटी की फॉरवर्ड खदीजा शॉ भी थीं। पाजोर दूसरे, जबकि खदीजा तीसरे नंबर पर रहीं। पुटेलस ने 2022 में खतरनाक एंटीरियर क्रूशिएट लिगामेंट की चोट से रिकवर करने के बाद यह सम्मान हासिल किया है। यह खेल के प्रति उनके जुनून का ही उदाहरण है। अवॉर्ड मिलने के बाद पुटेलस ने कहा, 'दुनिया भर के सभी लड़के और लड़कियां–अगर आपको फुटबॉल पसंद है और अगर आप फुटबॉल खेलना चाहते हैं, तो फुटबॉल खेलें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप लड़के हैं या लड़की। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां से आते हैं। अगर कोई आपसे कहे कि आप यह नहीं कर सकते, तो उसकी बात मत सुनो। खुद पर भरोसा रखो। 'पिछले सीजन में पुटेलस ने अपने प्रदर्शन से दिखाया कि वह अभी भी दुनिया की एलीट खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 21 गोल किए और 13 असिस्ट किए।

सूर्यवंशी पर क्लूजनर का बड़ा बयान

'भारत को मिल गया अगला सुपरस्टार'

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर लांस क्लूजनर का मानना है कि भारतीय क्रिकेट में अगले दौर में आसानी से प्रवेश करने की क्षमता है। उन्होंने शुभमन गिल का समर्थन करते हुए कहा कि वे आने वाले कई सालों तक टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भविष्य के संभावित सुपरस्टार के रूप में पहचाना है, जो विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद उनकी जगह ले सकते हैं। क्लूजनर ने कहा कि कोहली और रोहित के कद को देखकर भारतीय क्रिकेट को अपनी अगली पीढ़ी को अपनाने से पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस खेल ने हमेशा ऐसे खिलाड़ी दिए हैं जो अपने पूर्ववर्तियों की विरासत को आगे बढ़ाने में सक्षम रहे हैं। साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर, जो वर्तमान में अबू धाबी टी10 लीग में 'अरेबियन एसेस' के मुख्य कोच हैं, ने एक कार्यक्रम के दौरान 'आईएएनएस' से कहा, 'विराट और रोहित अतीत में जितने शानदार रहे हैं, एक न एक दिन उन्हें खेल से विदा लेनी ही होगी। लेकिन क्रिकेट की खूबी यही है कि यह चलता रहता है। कभी-कभी तो यह और भी मजबूत हो जाता है। जब हम खेलते थे, तो लोगों को कभी नहीं लगा था कि सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड कभी टूट पाएंगे। और अब लोग उन रिकॉर्ड्स को चुनौती दे रहे हैं। इसलिए, खिलाड़ी आते-जाते रहते हैं। यह एक दुखद दिन होता है जब आपके खेल और देश के दिग्गज खिलाड़ी संन्यास लेते हैं। लेकिन अच्छी बात यह है कि हमेशा युवा, अधिक फिट और तेज खिलाड़ी तैयार रहते हैं।' पूर्व ऑलराउंडर ने गिल को बल्लेबाजी में एक 'असली सुपरस्टार' बताया और कहा कि इस युवा कप्तान के लिए अगली चुनौती एक लीडर के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को भारत के प्रमुख बल्लेबाज के रूप में अपनी भूमिका से अलग रखना होगा। उन्होंने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से, मुझे पूरा यकीन है। मुझे लगता है कि वह इस काम के लिए बिल्कुल सही व्यक्ति हैं। बल्लेबाजी में वह एक असली सुपरस्टार हैं। उनके लिए बस यह सीखना जरूरी है कि एक बल्लेबाज के रूप में शुभमन गिल और एक कप्तान के रूप में शुभमन गिल की भूमिकाओं को कैसे अलग रखा जाए। सभी बेहतरीन कप्तानों ने इन दोनों चीजों को अलग-अलग रखना सीखा है। मुझे यकीन है कि उन्हें ऐसा करने के लिए कई मौके मिलेंगे और कई लोग होंगे जो उनकी मदद करेंगे, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि बल्लेबाजी में वह बेहतरीन हैं। और कप्तानी की बात करें तो, अनुभवी कप्तानों को भी हमेशा कुछ न कुछ नया सीखना पड़ता है। उनके साथ भी ऐसा ही होगा। इसलिए, मैं उनके लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि वह एक सुपरस्टार हैं। उम्मीद है कि वह आने वाले कई सालों तक बहुत साहस और एक बड़े मकसद के साथ भारत के लिए खेलेंगे।' गिल का एक लीडर के रूप में सामने आना ऐसे समय में हुआ है जब भारत कोहली और रोहित के बाद के दौर की तैयारी कर रहा है। इन दोनों खिलाड़ियों ने एक दशक से भी ज्यादा समय तक भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। भले ही उनके संन्यास लेने से एक बड़ी कमी महसूस होगी, लेकिन क्लूसनर का मानना है कि इस बदलाव को खेल के एक स्वाभाविक हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता के लिए किसी खतरे के रूप में। उन्होंने सूर्यवंशी का उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय प्रतिभा की एक नई पीढ़ी पहले से ही सामने आ रही है।



न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ तीसरा रेड-बॉल मैच खेल सकते हैं पंत

बुमराह की वापसी के आसार

नई दिल्ली। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत 7 से 10 नवंबर तक लिंकन में न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ होने वाले भारत 'ए' के तीसरे रेड-बॉल मैच में खेल सकते हैं, क्योंकि समय रहते पंत के 'साइड स्ट्रेन' से उबरने की उम्मीद है। इस महीने की शुरुआत में श्रीनगर में 'रेस्ट ऑफ इंडिया' टीम की कप्तानी करते हुए जम्मू-कश्मीर के खिलाफ जीत दिलाने के दौरान पंत को बाईं तरफ खिंचाव आ गया था, जिसके बाद से वे मैदान से दूर हैं। इस चोट के कारण वे दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेल पाए और न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ शुरुआती दो चार-दिवसीय मैचों से भी बाहर रहे। पता चला है कि पंत बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब कर रहे हैं और उन्होंने हल्के स्किल-आधारित अभ्यास शुरू कर दिए हैं। 'आईएएनएस' को एक सूत्र ने बताया, 'पंत ठीक हो रहे हैं और अगर उन्हें फिटनेस सर्टिफिकेट मिल जाता है, तो वे भारत 'ए' के तीसरे मैच के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो वे नवंबर के शुरुआती दिनों में न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो सकते हैं। 'पंत की गैरमौजूदगी में, चयनकर्ताओं ने पहले दो चार-दिवसीय मैचों के लिए झारखंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को उनकी जगह टीम में शामिल किया था। हाल ही में, जब झारखंड के कप्तान ईशान किशन को न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज के लिए चुना गया, तब उन्हें (ईशान को) दाएं पैर के ऊपरी हिस्से (एडक्टर) में हल्की चोट लग गई थी। ऐसे में कुशाग्र को कवर के तौर पर टीम में बुलाया गया। माना जा रहा है कि स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी भारत 'ए' के तीसरे रेड-बॉल मैच में खेलते नजर आ सकते हैं, जो लिंकन के बर्ट सटक्लिफ ओवल में खेला जाना है।

बुमराह ने आखिरी बार अक्टूबर की शुरुआत में एशियन गेम्स में हिस्सा लिया था। इसके बाद, वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू व्हाइट-बॉल सीरीज और न्यूजीलैंड के मौजूदा दौरे पर उन्हें आराम दिया गया। यह भी माना जा रहा है कि तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा न्यूजीलैंड दौरे पर खेलने के लिए तैयार हैं। गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए वनडे मैच के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जिसके बाद से वह खेल से दूर थे। पंत, बुमराह और प्रसिद्ध न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं।



जरमनप्रीत ने संन्यास की अटकलों को नकारा



नई दिल्ली। भारतीय हॉकी डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बाद उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है, हालांकि ऐसी खबरें हैं कि हॉकी इंडिया 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों के तहत चार वरिष्ठ खिलाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से टीम से बाहर करने की तैयारी कर रही है। जारमनप्रीत का नाम उन चार खिलाड़ियों की सूची में शामिल होना है जिन्हें टीम से बाहर किया जा सकता है, यह एक आश्चर्य की बात है, क्योंकि कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना था कि 30 वर्षीय खिलाड़ी ने कम से कम लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक खेलने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया है।

विंग-बैक के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका में भारत के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जो उच्च परिश्रम, आक्रामक क्षमता और रक्षात्मक अनुशासन का बेहतरीन संयोजन प्रस्तुत करते हैं।

पेरिस ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक दिलाने वाली टीम के सदस्य रहे इस डिफेंडर ने पीटीआई को बताया कि वह भारत के लिए खेलना जारी रखना चाहते हैं और लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। जरमनप्रीत, मनदीप सिंह, अमित रोहिदास और नीलाकांता शर्मा सहित कई वरिष्ठ खिलाड़ी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए अपना अंतिम मैच खेल सकते हैं। 'मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं और लॉस एंजिल्स ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं,' जरमनप्रीत ने पीटीआई को बताया। हॉकी इंडिया कथित तौर पर लॉस एंजिल्स 2028 को ध्यान में रखते हुए टीम में धीरे-धीरे बदलाव करने की योजना बना रही है।

जरमनप्रीत का मूल्य

जारमनप्रीत को लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक टीम में बनाए रखने का उनका दावा उस भूमिका से और मजबूत होता है जिसे उन्होंने अपने पूरे करियर में बखूबी निभाया है। भारत ने विंग-बैक के तौर पर कई अन्य खिलाड़ियों को आजमाया है, लेकिन 30 वर्षीय जारमनप्रीत की कार्यकुशलता, आक्रमण में योगदान और रक्षात्मक कौशल का मेल कुछ ही खिलाड़ी कर पाए हैं। इन्हीं खूबियों के चलते वे मुख्य कोच क्रेग फुल्टन के पसंदीदा खिलाड़ी बन गए थे और जारमनप्रीत का नाम अक्सर टीम में शीर्ष पर होता था। पिच के दोनों छोर पर योगदान देने की उनकी क्षमता ने उन्हें भारतीय टीम का अहम हिस्सा बना दिया है, और इसी वजह से उन्हें टीम से बाहर करने की संभावना पूर्व खिलाड़ियों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। जारमनप्रीत ने 171 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और वह पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य थे। उनके नाम दो एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक भी हैं, क्योंकि वह 2022 और 2026 में खिताब जीतने वाली टीमों का हिस्सा थे। अर्जुन पुरस्कार विजेता का मानना है कि एक डिफेंडर के रूप में उनका विकास जारी है और वह अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को समाप्त करने के बजाय उन सुधारों को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने अपने रक्षात्मक कौशल को बेहतर बनाने, अच्छे अवसर पैदा करने और टीम के प्रदर्शन में योगदान देने की कोशिश की है। मैं एक डिफेंडर के रूप में अपनी जिम्मेदारियों पर काम करना जारी रखूंगा और आगे सुधार करने का प्रयास करूंगा।'

जर्मनप्रीत की नज़रें अधिनियम के शीर्षक पर हैं

पांच बार की चैंपियन और एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम भारत इस टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। लेकिन जरमनप्रीत ने आत्मविश्वास में कमी न आने की चेतावनी देते हुए कहा कि एशियाई खेलों में हालिया सफलता के बावजूद टीम को हर मैच में उतनी ही तीव्रता से खेलना होगा। उन्होंने कहा, 'हमने हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है, और हम यहां भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। लेकिन हम किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते, हालांकि भारत हॉकी में एक मजबूत टीम है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम पूरी ताकत के साथ खेल रहे हैं और एशिया की नंबर एक टीम हैं, लेकिन हम किसी भी प्रतिद्वंदी को कम नहीं आंकेंगे। हम टूर्नामेंट में एक-एक मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगे।



ओटीटी के आने से कलाकारों को मिल रहे बेहतर मौके

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर मनोज बाजपेयी अपनी फिल्म 'गजब रात' को लेकर चर्चा में हैं। यह शुक्रवार, 23 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। इसमें उनके साथ दिव्या दत्ता और श्रद्धा दास भी हैं। यह वही फिल्मो है, जो इसी साल फरवरी में अपने टाइटल 'घूसखोर पंडत' को लेकर विवादों में रही थी। अब नए नाम के साथ फिल्म आई है। इस बीच मनोज बाजपेयी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों को एक ही तरह के किरदारों तक सीमित रखने की सोच पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री ने कई टैलेंटेड एक्टर्स को सही मौके न देकर उनका टैलेंट बर्बाद कर दिया। उन्होंसने कहा कि यह इंडस्ट्री के 'बुरे कर्म' हैं, जो एक्टर्स को तबाह कर देती है। खुद अपने बारे में उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिभा का 25 प्रतिशत हिस्सा ही अब तक इस्तेमाल हुआ है। 'सत्या' जैसी फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचाने जाने वाले मनोज बाजपेयी ने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कई बेहतरीन कलाकारों को एक ही तरह के किरदारों में बांधकर उनकी प्रतिभा का सही इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने इंडस्ट्री के 'बुरे कर्मों' का जिक्र करते हुए कहा, 'इस इंडस्ट्री में कई कलाकारों को स्टीरियोटाइप किया जाता है, और ऐसा करके हमने कई बेहतरीन टैलेंट को बर्बाद कर दिया है। मैंने हमेशा कहा है कि इस इंडस्ट्री की बदनामी है और इसके सिर पर ऐसे महान कलाकारों को बर्बाद करने का बुरा कर्म है। सेट पर उन्हें कोई अहमियत न देकर, उनके किरदारों को सीमित करके और उनके साथ खराब बर्ताव करके उन्हें खत्म कर दिया गया। कई लोग तो बिना किसी पहचान के ही गुमनामी में खो गए।'

मनोज बाजपेयी का मानना है कि फिल्म निर्माता अब तक उनकी अभिनय क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाए हैं। अपनी प्रतिभा के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा यही माना है कि मेरी अभिनय क्षमता का केवल 25 प्रतिशत ही इस्तेमाल हुआ है; अभी बहुत कुछ बाकी है। लेकिन मुझे लगता है कि यह एक कलाकार का लालच या उसकी भूख है, और मुझे खुशी है कि मेरे अंदर अभी भी कुछ कर दिखाने की वह आग बाकी है।' मनोज के मुताबिक, एक कलाकार के अंदर हमेशा कुछ नया करने की चाह होती है। उन्हें खुशी है कि इतने लंबे करियर के बाद भी उनके अंदर बेहतर काम करने और नए किरदार निभाने का जुनून बना हुआ है। मनोज बाजपेयी ने माना कि उन्होंने भी अपने करियर में इस तरह की सोच का सामना किया है और इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बेचैनी पूरी तरह से समझ में आती है, क्योंकि हम आज भी काफी हद तक औपनिवेशिक मानसिकता से घिरे हैं और पदानुक्रम में बहुत विश्वास करते हैं। वह मुख्य अभिनेता है, वह मुख्य अभिनेत्री है, यह एक कैरेक्टर एक्टर है, यह एक सपोर्टिंग एक्टर है, इन्हीं आधारों पर हम एक पदानुक्रम तय कर देते हैं। मैं खुद इस दौर से गुजरा हूं और मैंने व्यक्तिगत स्तर पर कई लड़ाइयां लड़ी हैं, लेकिन मुझे खुशी है कि जैसा कि दिव्या ने बिल्कुल सही कहा अब ऐसा नहीं है।'

मनोज बाजपेयी का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के आने से फिल्म इंडस्ट्री में धीरे-धीरे बदलाव हो रहा है। अब छोटे या सहायक किरदार निभाने वाले कलाकारों को भी अपना टैलेंट दिखाने के ज्यादा मौके मिल रहे हैं। मनोज ने कहा, 'पहले, छोटे या सपोर्टिंग रोल करने वाले कई एक्टर्स के साथ काफी नाइंसाफी होती थी, लेकिन अब हालात काफी बेहतर हैं। कई प्रड्यूसर्स अब इस बात का पूरा ध्यान रखते हैं कि सभी को एक जैसा सम्मान और मौके मिलें। खासकर ओटीटी के आने के बाद से चीजें पूरी तरह बदल गई हैं। हमें अपने देश में ओटीटी के आने का शुक्रगुजार होना चाहिए।'

दर्शक अब कहानियों और किरदारों को बारीकी से समझते हैं

ओटीटी के प्रभाव पर बात करते हुए मनोज ने कहा, 'आज परिवार साथ बैठकर कंटेंट देख रहे हैं। वे बहुत बारीकी से चीजों को समझते हैं और उन पर विस्तार से बात करते हैं। उदाहरण के लिए, जब मैं किसी डीएम (डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट) या उनके परिवार के साथ बैठता हूं, तो वे जिस तरह से किसी किरदार और कहानी की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, वह वाकई हैरान कर देने वाला होता है। उन्हें बिल्कुल पता होता है कि कहां क्या कमी रह गई। किसी भी क्रिटिक की समीक्षा सुनने के बजाय, मुझे इन आम दर्शकों की बातें सुनना कहीं ज्यादा अच्छा लगता है।' मनोज के मुताबिक, आज दर्शक फिल्मों और वेब सीरीज को पहले से ज्यादा ध्यान से देखते हैं। वे कहानियों और किरदारों की बारीकियों को समझते हैं और अपनी राय खुलकर रखते हैं।





डिजिटल क्रिएटर से एक्ट्रेस बनने तक का सफर

दर्शकों का प्यार देता है कॉन्फिडेंस

एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में डिजिटल क्रिएटर से फिल्मों तक के अपने सफर और दर्शकों से मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर उनसे जुड़े लोगों की वजह से उन्हें प्रोफेशनल लाइफ में एक अलग तरह का कॉन्फिडेंस मिलता है। एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने कहा कि जब वह बड़े कलाकारों के साथ फिल्मों में काम करती हैं, तो उनके मन में यह चिंता नहीं रहती कि दूसरे लोग उन्हें पसंद करेंगे या नहीं। इसके बजाय वह चाहती हैं कि जो दर्शक उनकी फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदते हैं, उन्हें भी उनका काम पसंद आए। प्राजक्ता ने कहा, 'ज्यादातर जगहों पर मैं थोड़े कॉन्फिडेंस के साथ जाती हूं, क्योंकि सोशल मीडिया पर मेरी अपनी कम्युनिटी है। मैं यह बात विनम्रता के साथ कहना चाहती हूं कि मुझे जो काम मिला है, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। जब मैं 'जुगजुग जिओ' कर रही थी, तब वह मेरी सबसे बड़ी फिल्म थी। उसमें बड़े कलाकार और शानदार स्टारकास्ट थी। लेकिन, मेरे दिमाग में यह नहीं था कि पता नहीं वे लोग मुझे पसंद करेंगे या नहीं।' उन्होंने कहा, ''मेरी सोच यह थी कि जो लोग फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदते हैं, वे मुझे पसंद करें। मैं चाहती थी कि दर्शकों को मेरा काम अच्छा लगे, लेकिन इसके लिए दूसरे कलाकारों की अहमियत कम नहीं होनी चाहिए।'' प्राजक्ता ने बताया कि 'जुगजुग जिओ' के सेट पर अनिल कपूर, नीतू कपूर, कियारा आडवाणी, करण जौहर, मनीष पॉल और वरुण धवन समेत सभी लोगों ने उनके साथ अच्छा व्यवहार किया। एक्ट्रेस ने कहा, ''डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्शकों से मिले प्यार ने मुझे फिल्मों में काम करते समय भी आत्मविश्वास दिया। मेरे लिए यह जरूरी है कि मैं अपने काम से उन लोगों का दिल जीत सकूं, जो लंबे समय से मुझे फॉलो कर रहे हैं और अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर मेरे काम को देखते हैं।''



05 फरवरी को दस्तक देगी हर्षवर्धन राणे की 'सिला'

नए साल में हर्षवर्धन राणे के नए तेवर देखने को मिलने वाले हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'पुलिस कंपनी' की रिलीज डेट का एलान किया गया था। यह फिल्म अगले साल जून में दस्तक देगी। इस बीच एक और फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है। अभिनेता की आगामी फिल्मों की लिस्ट में 'सिला' का नाम भी शामिल है। हर्षवर्धन राणे की फिल्म 'सिला' एक्शन से भरपूर एक रोमांटिक फिल्म है। आज इस फिल्म का पोस्टर रिलीज हुआ है, जिसमें हर्षवर्धन इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। यह अगले साल मोहब्बत वाले महीने यानी फरवरी में रिलीज होगी। पोस्ट के जरिए मिली जानकारी के मुताबिक, यह फिल्म 05 फरवरी 2027 को रिलीज होने वाली है।

कल्पना से भी परे होगी कहानी

फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने इसकी कहानी को लेकर संकेत दिया है। यह सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर एक्शन-रोमांटिक फिल्म होगी। पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, 'किस्मत से परे प्यार। हद से परे एक सफर और कल्पना से भी परे एक कहानी। 'सिला' की तलाश शुरू।

कौन-कौन होगा फिल्म का हिस्सा

बता दें कि फिल्म 'सिला' का निर्देशन उमंग कुमार ने किया है। इसमें 'बिग बॉस 18' के विजेता करण वीर मेहरा भी नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे फिल्म में नेगेटिव रोल में नजर आएंगे। 'सिला' फिल्म में हर्षवर्धन को विराट नाम के किरदार में देखा जाएगा। वहीं, सादिया खतीब भी फिल्म का हिस्सा हैं।

करण टैकर ने शुरू की नए प्रोजेक्ट की शूटिंग!

मुंबई एक्टर करण टैकर ने अपने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग स्कॉटलैंड में शुरू कर दी है और इसकी पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर कर फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। करण ने शूट के पहले दिन की बिहाइंड द सीन्स तस्वीर पोस्ट करते हुए एक ऐसा नोट लिखा, जिसने उनके नए सफर को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। तस्वीर शेयर करते हुए करण ने लिखा, 'एक नया प्रोजेक्ट, एक नया चैप्टर और एक बड़ा रिस्क। अभी ज्यादा कुछ नहीं बता सकता, लेकिन कभी-कभी सबसे बड़े रिस्क ही सबसे रोमांचक सफर की शुरुआत करते हैं। अभी और भी बहुत कुछ आने वाला है।' करण की इस पोस्ट में शूटिंग के शुरुआती दिनों की झलक देखने को मिली। हालांकि, उन्होंने फिलहाल प्रोजेक्ट से जुड़ी डिटेल्स को सीक्रेट ही रखा है, लेकिन उनके कैप्शन से साफ है कि वह इस नई शुरुआत को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। स्कॉटलैंड में कैमरा रोल हो चुका है और अब फैंस को इंतजार है कि आखिर इस बार करण क्या नया लेकर आने वाले हैं। इस बार करण का लुक भी काफी बदला-बदला नजर आ रहा है। बढ़े हुए बाल और घनी दाढ़ी के साथ उनका रफ-टफ अंदाज चर्चा में है। नए प्रोजेक्ट के साथ उनका यह नया लुक भी फैंस की उत्सुकता बढ़ा रहा है। हालांकि, प्रोजेक्ट की कहानी और बाकी कलाकारों को लेकर अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है। वर्कफ्रंट की बात करें तो स्कॉटलैंड में शूटिंग शुरू होने के साथ करण टैकर के पास कई और प्रोजेक्ट्स भी पाइपलाइन में हैं। यानी आने वाला वक्त उनके लिए काफी बिजी और दिलचस्प रहने वाला है। फिलहाल, फैंस को करण के अगले अपडेट का इंतजार करना होगा, क्योंकि इस नए प्रोजेक्ट के पत्ते अभी पूरी तरह खुले नहीं हैं!



रश्मिका मंदाना ने अपने हिंदी एक्सेंट की आलोचनाओं पर दिया जवाब

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना हाल ही में अपने पति और चर्चित एक्टर विजय देवरकोंडा के साथ करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण सीजन 9' में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर होने वाली अपनी आलोचनाओं पर बात की। अभिनेत्री ने कहा कि वे ऑनलाइन होने वाली ट्रोलिंग को अपनी भाषा या फिल्म इंडस्ट्री चुनने में रुकावट नहीं बनने देंगी। रश्मिका मंदाना ने अपने हिंदी एक्सेंट की आलोचनाओं पर जवाब देते हुए कहा है कि उनसे यह उम्मीद करना गलत है कि वे साउथ इंडियन न लगें। वे इस इलाके से आती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वे अपनी डायलॉग डिलीवरी पर टिप्पणियों को अपनी भाषा या फिल्म इंडस्ट्री चुनने में रुकावट नहीं बनने देंगी। रश्मिका ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि साउथ इंडियन एक्सेंट को प्रॉब्लम क्यों माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे इससे कोई खास दिक्कत नहीं थी, क्योंकि उन्होंने कहा कि मेरा साउथ इंडियन एक्सेंट है, लेकिन मैं साउथ इंडिया से हूं। इसलिए मेरा एक्सेंट तो होगा ही। इसके अलावा कुछ और सोचना गलत है'। अभिनेत्री ने कहा कि अगर कोई डायरेक्टर यह मानता है कि किसी दूसरे आर्टिस्ट की आवाज किसी किरदार पर ज्यादा सूट करेगी तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। हालांकि, उनके डायरेक्टर्स ने अब तक यही पसंद किया है कि वह खुद के लिए डब करें।

एक्शन ड्रामा फिल्म 'प्रताप' में नजर आएंगी ईशा देओल

ईशा देओल, फिल्म 'प्रताप' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। प्रदीप रंगवानी और यूवी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इस आगामी एक्शन ड्रामा के निर्माताओं ने ईशा देओल का कैरेक्टर पोस्टर जारी किया है, जिसमें वह पूनम के किरदार में नजर आ रही हैं। पूनम की कहानी जीवन में आने वाले अप्रत्याशित मोड़ों, आत्मखोज और मुश्किल हालात में सामने आने वाली अंदरूनी ताकत को दर्शाने का वादा करती है। पूनम के लिए उसका परिवार ही उसकी पूरी दुनिया है और उसने अपनी जिंदगी उन रिश्तों और विश्वास के आधार पर बनाई है, जो उसके लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। लेकिन तब क्या होता है, जब जिस सच्चाई पर उसने हमेशा भरोसा किया, वही बिखरने लगती है? ऐसे हालात का सामना करते हुए, जो उसके विश्वास और सोच को चुनौती देते हैं, पूनम को अपने पैरों पर खड़े होकर उस ताकत को पहचानना होगा, जिससे वह अब तक अनजान थी। हालांकि, उसके सफर से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन उसका किरदार एक ऐसे भावनात्मक बदलाव की ओर इशारा करता है, जो उसकी अब तक की पहचान से कहीं आगे जाती है। ईशा देओल का यह कैरेक्टर पोस्टर हाल ही में जारी किए गए फिल्म के मोशन पोस्टर के बाद सामने आया है, जिसमें अमित साध एक जांबाज एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के किरदार में नजर आए हैं, जो खुद कानून के दूसरी तरफ खड़ा हो जाता है। सत्ता, न्याय और अपने फैसलों के परिणामों की पड़ताल करती 'प्रताप' की कहानी में जहाँ व्यक्तिगत संघर्षों के साथ-साथ हाई-स्टेक्स ड्रामा भी देखने को मिलेगा, वहीं, पूनम का सफर फिल्म की कहानी में एक मजबूत भावनात्मक पहलू जोड़ता है। सचिन सराफ के लेखन और निर्देशन में बनी इस फिल्म में अमित साध और ईशा देओल के अलावा तिग्मांशु धूलिया, सीमा बिस्वास और मिलिंद गुणाजी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।



कर्नाटक में एसआईआर के बाद 99.32 लाख मतदाताओं के नाम कम, अंतिम सूची में 4.55 करोड़ वोटर

ड्राफ्ट सूची के बाद दावे-आपत्तियों से 8.64 लाख मतदाता जुड़े, 1.88 लाख नाम हटाए गए; कांग्रेस ने प्रक्रिया पर उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कर्नाटक में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदाताओं की संख्या में 99.32 लाख की कमी दर्ज की गई है। मंगलवार को जारी अंतिम मतदाता सूची में करीब 4.55 करोड़ मतदाताओं के नाम शामिल हैं, जबकि पुनरीक्षण प्रक्रिया शुरू होने से पहले यह संख्या 5.54 करोड़ थी। इस तरह शुरुआती सूची की तुलना में अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या लगभग 17.92 प्रतिशत कम हो गई है। अंतिम मतदाता सूची में 2.26 करोड़ पुरुष, 2.29 करोड़ महिलाएं और 2,841 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। इससे पहले 24 अगस्त को जारी मसौदा सूची में करीब 4.46 करोड़ सामान्य मतदाताओं के नाम थे। एसआईआर से पहले की संख्या की तुलना में मसौदा सूची में लगभग 1.08 करोड़ मतदाता कम दर्ज किए गए थे। दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम सूची में 8.64 लाख मतदाताओं की शुद्ध बढ़ोतरी हुई।

घर-घर जाकर किया गया सत्यापन

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार, 30 जून से 17 अगस्त के बीच राज्य में घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया गया। इस काम में 60,923 बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) लगाए गए थे। इस दौरान 5.54 करोड़ मतदाताओं के एन्यूमरेशन फॉर्म तैयार किए गए, जिनमें से 4.46 करोड़ मतदाताओं ने अपने फॉर्म जमा कराए। यह कुल संख्या का 80.52 प्रतिशत था। करीब 1.08 करोड़ मतदाताओं ने एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं किए। इनकी हिस्सेदारी कुल मतदाताओं की संख्या में 19.48 प्रतिशत रही। ऐसे मतदाताओं को मसौदा सूची में शामिल नहीं किया गया। इनमें 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 6.83 लाख युवा मतदाता और 85 वर्ष या उससे अधिक आयु के 3.92 लाख मतदाता भी शामिल हैं।

दावे-आपत्तियों में जुड़े 10.08 लाख नाम

मसौदा सूची जारी होने के बाद मतदाताओं को नाम जुड़वाने, विवरण में सुधार कराने और आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर दिया गया। इस दौरान कुल 10.08 लाख नाम जोड़े गए। इनमें फॉर्म-6 के जरिए 8.77 लाख, फॉर्म-6ए के जरिए 2,312 और निवास स्थान बदलने के कारण फॉर्म-8 के जरिए 1.29 लाख नाम



शामिल किए गए

टाटा संस में चेयरमैन की नियुक्ति पर विवाद, नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन के 5 साल के एक्सटेंशन को दी चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने टाटा संस के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को अगले पांच साल का कार्यकाल देने के फैसले पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने नियुक्ति प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी, वोटिंग प्रक्रिया में कथित उल्लंघन और हितों के टकराव जैसे मुद्दे उठाते हुए कंपनी प्रबंधन से संबंधित दस्तावेज मांगे हैं। यह विवाद टाटा समूह की शीर्ष होल्डिंग कंपनी टाटा संस के महत्वपूर्ण फैसलों को लेकर सामने आया है।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नोएल टाटा ने 26 अक्टूबर को टाटा संस के कंपनी सेक्रेटरी सुप्रकाश मुखोपाध्याय को पत्र लिखकर 17 सितंबर को हुई बोर्ड बैठक का पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की मांग की है। इसमें बैठक की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग, अंतिम हस्ताक्षरित कार्यवाही विवरण, वोटिंग रिकॉर्ड और रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) के पास जमा कराए गए दस्तावेज शामिल हैं। उन्होंने इन रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने की मांग भी की है। टाटा संस के बोर्ड ने सितंबर में एन. चंद्रशेखरन को 21 फरवरी 2027 से अगले पांच साल के लिए एग्जीक्यूटिव चेयरमैन नियुक्त करने का प्रस्ताव पारित किया था। नोएल टाटा ने इस फैसले की प्रक्रिया पर आपत्ति जताई है। विवाद तब और बढ़ गया, जब बोर्ड में विरोध के बावजूद कंपनी की ओर से कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के पास नियुक्ति से संबंधित फाइलिंग जमा कर दी गई। नोएल टाटा का कहना है कि 17 सितंबर की बोर्ड बैठक के मूल और संशोधित एजेंडे में चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति का प्रस्ताव स्पष्ट रूप से शामिल नहीं था।



माइक्रोसॉफ्ट में 60 हजार कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने का ऑफर, एक साल तक की सैलरी मिलेगी एकमुश्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट ने कर्मचारियों की संख्या कम करने और खर्च पर नियंत्रण पाने के लिए वॉलेंटरी एग्जिट ऑफर पेश किया है। इसके तहत पात्र कर्मचारियों को स्वेच्छा से नौकरी छोड़ने के बदले उनके ग्रेड के अनुसार एक साल तक की सैलरी एकमुश्त देने की पेशकश की गई है। कंपनी का यह कदम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सिस्टम विकसित करने पर बढ़ते खर्च की भरपाई करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। कंपनी में कुल करीब 2.23 लाख कर्मचारी काम करते हैं, जिनमें लगभग 23 हजार कर्मचारी भारत में हैं। हालांकि, इस योजना के तहत वास्तव में कितने कर्मचारियों को ऑफर दिया जाएगा, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। माइक्रोसॉफ्ट ने यह योजना भारत, अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में काम करने वाले उन कर्मचारियों के लिए पेश की है, जो लेवल 70 या उससे नीचे के पदों पर हैं। पात्र कर्मचारियों को कंपनी की ओर से ईमेल भेजकर योजना की जानकारी दी जाएगी। कर्मचारियों को इस ऑफर पर 1 दिसंबर तक अपना फैसला देना होगा। कंपनी के कर्मचारियों का वर्गीकरण अलग-अलग स्तरों में किया जाता है। शुरुआती पद लेवल 59 से शुरू होते हैं, जबकि लेवल 70 से ऊपर के पद वरिष्ठ स्तर के माने जाते हैं। योजना के दायरे में जूनियर और मिड-लेवल के साथ कुछ अन्य श्रेणियों के कर्मचारी भी आ सकते हैं। इनमें सॉफ्टवेयर इंजीनियर, वरिष्ठ इंजीनियर, प्रोजेक्ट मैनेजर, टीम लीडर और मिड-लेवल मैनेजर जैसे पद शामिल हैं। वॉलेंटरी एग्जिट ऑफर का मतलब है कि कर्मचारी अपनी इच्छा से कंपनी छोड़ने का विकल्प चुन सकते हैं।



एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट में राहुल गांधी और विपक्ष की याचिका पर सुनवाई, चुनाव आयोग को लेकर उठे सवालों पर जवाब तलब

याचिकाकर्ताओं को आयोग के हलफनामे पर जवाब देने के लिए 10 दिन का समय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर राहुल गांधी तथा अन्य विपक्षी नेताओं की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को चुनाव आयोग के हलफनामे पर जवाब दाखिल करने के लिए 10 दिन का समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि चुनाव आयोग ने सोमवार को ही अपना जवाब दाखिल किया है, इसलिए उसका अध्ययन कर जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान सिंघवी ने अदालत से यह भी आग्रह किया कि चुनाव आयोग में एसआईआर से संबंधित बैठकों, संवाद और आंतरिक संचार का विवरण सुरक्षित रखने का निर्देश दिया जाए। इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, 'हमें सब पता है। हम जांच करेंगे।' विपक्षी नेताओं की याचिका में चुनाव आयोग के कामकाज और एसआईआर से जुड़े फैसलों की प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ता यह जांच चाहते हैं कि आयोग के



फैसले निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार सामूहिक रूप से लिए गए थे या नहीं। आयोग ने हलफनामे में फैसलों को सर्वसम्मति से लिया गया बताया सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले चुनाव आयोग ने सोमवार को हलफनामा दाखिल कर एसआईआर से जुड़े फैसलों का बचाव किया था। आयोग ने कहा कि इस प्रक्रिया से संबंधित प्रमुख निर्णय तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए थे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू तथा विवेक जोशी की सहमति से फैसले लिए जाने की बात हलफनामे में कही गई है। आयोग के अनुसार, हलफनामे पर भी तीनों के हस्ताक्षर हैं। विपक्ष की ओर से आयोग के कामकाज और निर्णय लेने की प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं। इन आरोपों के जवाब में आयोग ने कहा कि फाइलों पर दर्ज टिप्पणियां, सुझाव या आपत्तियां अपने आप में आयोग का अंतिम निर्णय नहीं मानी जा सकतीं। आयोग के अनुसार, फाइलें निर्धारित प्रक्रिया के तहत अलग-अलग आयुक्तों के पास जाती हैं और आवश्यक मंजूरी के बाद निर्णय दर्ज किए जाते हैं। आयोग ने अपने हलफनामे में एकतरफा निर्णय लिए जाने के आरोपों को खारिज किया है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि एसआईआर के तहत फॉर्म-6 में कोई बदलाव नहीं किया गया है। फॉर्म-6 का उपयोग मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए किया जाता है। आयोग के मुताबिक, नियमों के तहत इस फॉर्म में बदलाव करने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। आयोग ने स्पष्ट किया कि उसने फॉर्म में संशोधन नहीं किया है। फॉर्म-6 और एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों के बीच आयोग ने अपने हलफनामे में कहा कि उसके फैसले सामूहिक सहमति से लिए गए थे। अब इस मामले में विपक्षी याचिकाकर्ताओं को आयोग के जवाब पर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया है। अदालत अगली सुनवाई में दोनों पक्षों की दलीलों पर विचार करेगी। पुरानी मतदाता सूची से नाम नहीं जुड़ने पर बीएलओ करेंगे मददचुनाव आयोग ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान उन लोगों के संबंध में भी अपना पक्ष रखा है, जिनके नाम पुरानी मतदाता सूची से मेल नहीं खा पाए हैं।

इमरान खान को देश छोड़ने के आदेश पर हाईकोर्ट से राहत, 2 नवंबर तक नहीं होगी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता इमरान खान को भारत छोड़ने के आदेश के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट से अंतरिम राहत मिल गई है। अदालत ने संबंधित नोटिस के अमल पर 2 नवंबर को दोपहर 3 बजे तक रोक लगा दी है। केंद्र सरकार ने अदालत को मौखिक आश्वासन दिया कि अगली सुनवाई तक अभिनेता के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। इमरान खान ने विदेशियों के क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) की ओर से जारी नोटिस को चुनौती देते हुए इसे मनमाना बताया था। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा। इसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 2 नवंबर को दोपहर 3 बजे निर्धारित करते हुए नोटिस के अमल को तब तक स्थगित रखने का आदेश दिया। मरान खान को एफआरआरओ की ओर से नोटिस जारी कर 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का निर्देश दिया गया था। अभिनेता ने इस आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिका में नोटिस को मनमाना बताया गया। मामले की सुनवाई के दौरान इमरान के वकील वेंकटेश धोंड ने इसकी गंभीरता पर जोर देते हुए अदालत को बताया कि नोटिस के अनुसार उनके मुवक्किल को मंगलवार तक देश छोड़ना था इस पर केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने मौखिक आश्वासन दिया कि अगली सुनवाई तक इमरान खान के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।



मारुति सुजुकी का मुनाफा 26.4% घटकर 2,466 करोड़ रुपये, बिक्री ने बनाया नया रिकॉर्ड

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के नतीजों में मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई है। जुलाई से सितंबर के दौरान कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 26.4 प्रतिशत घटकर 2,466 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि, इस अवधि में परिचालन से होने वाला राजस्व 26 प्रतिशत बढ़कर 53,355.5 करोड़ रुपये पहुंच गया। कंपनी की बिक्री ने इस तिमाही में नया रिकॉर्ड बनाया, लेकिन बढ़ती लागत और निवेश पर हुए नुकसान ने मुनाफे को प्रभावित किया। कंपनी के मुताबिक, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण जिंसों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। इसके साथ ही निवेशित अतिरिक्त धनराशि पर बाजार मूल्य के अनुसार हुए नुकसान का असर भी वित्तीय नतीजों पर पड़ा। इन कारणों से कंपनी के परिचालन लाभ और कुल मुनाफे पर दबाव आया। दूसरी तिमाही में मारुति सुजुकी का परिचालन लाभ यानी ईबीआईटी सालाना आधार पर 17.1 प्रतिशत घटकर 2,803.7 करोड़ रुपये रह गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 3,382 करोड़ रुपये था। कंपनी ने परिचालन लाभ में गिरावट के लिए पश्चिम एशिया संकट के चलते बढ़ी जिंस लागत को प्रमुख कारण बताया। हालांकि, पिछली अप्रैल-जून तिमाही के मुकाबले कंपनी के परिचालन लाभ में 10.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, निवेशित अतिरिक्त धनराशि के बाजार मूल्य में बदलाव से हुए नुकसान के कारण गैर-परिचालन आय भी प्रभावित हुई।



शाहरुख खान की 'किंग' का नया पोस्टर जारी, होंठों में गुलाब और आंखों में गुस्सा; एक्शन के साथ दिखेगा रोमांस

क्रिसमस 2026 पर रिलीज होगी फिल्म, बेटी सुहाना खान पहली बार बड़े पर्दे पर पिता के साथ आएंगी नजर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने अपनी आगामी फिल्म 'किंग' का नया पोस्टर मंगलवार को जारी किया। पोस्टर में शाहरुख के होंठों के बीच गुलाब नजर आ रहा है। उनकी आंखों में गुस्सा और चेहरे के अंदाज में रोमांस दिखाई दे रहा है। पोस्टर से संकेत मिलते हैं कि फिल्म में दमदार एक्शन के साथ रोमांटिक अंदाज भी देखने को मिलेगा। शाहरुख ने सोशल मीडिया पर पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'आज फिर याद आया... कातिल नहीं, आशिक हूं।' उनके इस अंदाज ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म 'किंग' का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। इसका निर्माण रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स ने मिलकर किया है। फिल्म में शाहरुख खान एक नए एक्शन अवतार में नजर आएंगे। पोस्टर में उनके लुक को इस तरह पेश किया गया है, जिसमें उनके किरदार की आक्रामकता और रोमांटिक अंदाज दोनों झलकते हैं। फिल्म की कहानी एक मेंटर और शिष्य के सफर पर आधारित है, जो कठिन परिस्थितियों में अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करते हैं। 'किंग' की सबसे खास बात यह है कि शाहरुख खान पहली बार अपनी बेटी सुहाना खान के साथ बड़े पर्दे पर नजर आएंगे। इस फिल्म से



सुहाना का थिएटर डेब्यू भी होगा। इससे पहले वह ओटीटी फिल्म 'द आर्चीज' में दिखाई दी थीं। पिता और बेटी की जोड़ी को एक साथ बड़े पर्दे पर देखने के लिए प्रशंसकों में उत्सुकता है फिल्म में दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, अभय वर्मा और अरशद वारसी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अभिषेक बच्चन फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाएंगे। उनके किरदार को काफी खतरनाक बताया जा रहा है। हालांकि, फिल्म के सभी किरदारों और कहानी से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। 'किंग' में शाहरुख खान और रानी मुखर्जी की जोड़ी भी दर्शकों के लिए खास होगी। दोनों करीब 20 साल बाद बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। इससे पहले वे वर्ष 2006 में रिलीज हुई फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' में साथ दिखाई दिए थे। वहीं, शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की यह साथ में छठी फिल्म होगी। दोनों इससे पहले भी कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। जानकारी के अनुसार, फिल्म के एक खास गाने की शूटिंग केप टाउन में की गई थी। फिल्म के गानों और पृष्ठभूमि संगीत की जिम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंदर और सचिन-जिगर संभाल रहे हैं। सिद्धार्थ आनंद और शाहरुख खान इससे पहले फिल्म 'पठान' में साथ काम कर चुके हैं। वर्ष 2023 में करीब पांच साल बाद शाहरुख ने 'पठान' के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी की थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफल रही थी।

'किंग' से सुहाना का थिएटर डेब्यू

शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' क्रिसमस 2026 पर रिलीज होगी। फिल्म के नए पोस्टर में शाहरुख के होंठों के बीच गुलाब और आंखों में गुस्सा नजर आ रहा है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में सुहाना खान पहली बार पिता शाहरुख के साथ बड़े पर्दे पर दिखाई देंगी। दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी और अभिषेक बच्चन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे

ट्रम्प पर पूर्व मिस स्विट्जरलैंड का दुष्कर्म का आरोप, अमेरिकी संसद की रिपोर्ट में 1993 की घटना का उल्लेख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर स्विट्जरलैंड की पूर्व मॉडल और पूर्व मिस स्विट्जरलैंड बीट्रिस क्यूल ने 1993 में दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। यह आरोप अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा की न्यायिक समिति के डेमोक्रेटिक सदस्यों की ओर से 26 अक्टूबर को जारी एक नई रिपोर्ट में सामने आया है। क्यूल ने समिति के कर्मचारियों को बताया कि न्यूयॉर्क के प्लाजा होटल में ट्रम्प ने उनके साथ जबरदस्ती की थी। उनके दावे के मुताबिक, इस घटना में उनके शरीर के कई हिस्सों पर चोटें आईं और खून भी बहने लगा था। रिपोर्ट में जेफ्री एपस्टीन से जुड़े मामलों और ट्रम्प पर महिलाओं की ओर से लगाए गए विभिन्न आरोपों का भी उल्लेख किया गया है। हालांकि, रिपोर्ट में दर्ज आरोप अपने आप में न्यायिक रूप से सिद्ध तथ्य नहीं हैं। व्हाइट हाउस ने रिपोर्ट को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हुए आरोपों को खारिज किया है। बीट्रिस क्यूल ने वर्ष 2024 में ट्रम्प पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। उस समय उनके सार्वजनिक बयान के अनुसार, 1993 में ट्रम्प ने उन्हें जबरन पकड़ा, चूमा और उनके कपड़े उतारने की कोशिश की थी। अब अमेरिकी संसद की न्यायिक समिति के डेमोक्रेटिक सदस्यों की रिपोर्ट में क्यूल के हवाले से घटना का अधिक गंभीर विवरण सामने आया है। उन्होंने समिति के कर्मचारियों से कहा कि उनके साथ दुष्कर्म किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, क्यूल ने घटना के बाद चोट लगने और खून बहने की बात भी कही। उनके अनुसार, घटना के बाद ट्रम्प ने उन्हें चुप रहने के लिए कहा था। रिपोर्ट में उनके पहले के बयान और अब समिति के सामने दिए गए विवरण के बीच अंतर का उल्लेख भी महत्वपूर्ण है। उपलब्ध रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि उनके बयान में यह बदलाव क्यों आया।



'सीआईडी' के निर्माता-निर्देशक बीपी सिंह का निधन,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। टेलीविजन के लोकप्रिय अपराध आधारित धारावाहिक 'सीआईडी' और हॉरर शो 'आहट' के निर्माता-निर्देशक बृजेंद्र पाल सिंह (बीपी सिंह) का मंगलवार सुबह दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनके निधन की जानकारी फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर साझा की। अशोक पंडित के मुताबिक, बीपी सिंह को सुबह बड़ा हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से टेलीविजन जगत में शोक की लहर है। उनका अंतिम संस्कार बुधवार, 28 अक्टूबर को किया जाएगा। फल्म निर्माता अशोक पंडित ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर बीपी सिंह के निधन पर दुख जताया। उन्होंने उन्हें बेहतरीन निर्माता-निर्देशक बताते हुए कहा कि 'सीआईडी' और 'आहट' जैसे धारावाहिकों के माध्यम से उन्होंने लंबे समय तक दर्शकों को बांधे रखा। अशोक पंडित ने बताया कि इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन डायरेक्टर्स एसोसिएशन (आईएफटीडीए) के अध्यक्ष के रूप में काम करने के दौरान उन्हें बीपी सिंह के साथ करीब से काम करने का अवसर मिला था। अशोक पंडित ने दिवंगत निर्माता-निर्देशक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि टेलीविजन के क्षेत्र में उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।



केंद्र सरकार ने 100% एथेनॉल-ब्लेंडेड फ्यूल के इस्तेमाल को दी मंजूरी; 2014 में 91,287 किलोमीटर से बढ़कर 2026 में 1.46 लाख किलोमीटर हुई राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई

गडकरी बोले–E20 फ्यूल का विरोध पैसे देकर चलाया गया अभियान, अब खत्म हुआ विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल यानी ई20 फ्यूल को लेकर हो रहे विरोध पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि करीब तीन महीने पहले ई20 फ्यूल का काफी विरोध किया गया था, लेकिन अब यह विरोध खत्म हो गया है। गडकरी ने इस विरोध को पैसे देकर चलाया गया अभियान बताया। उनका यह बयान केंद्र सरकार की ओर से 100 प्रतिशत एथेनॉल-ब्लेंडेड फ्यूल के इस्तेमाल को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद आया है। ई20 फ्यूल में 20 प्रतिशत एथेनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल होता है। भारत में इस मिश्रण को लेकर पहले विवाद सामने आया था। कुछ वाहन मालिकों ने दावा किया था कि वर्ष 2023 से पहले बनी पेट्रोल कारों में इस ईंधन के इस्तेमाल से माइलेज घट रहा है, रखरखाव का खर्च बढ़ रहा है और इंजन के कुछ पुर्जे जल्दी खराब हो रहे हैं। हालांकि, गडकरी ने विरोध को पैसे देकर चलाया गया अभियान बताया है।

हाईवे की गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा

गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति और निर्माण कार्यों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर राजमार्गों की खराब हालत को लेकर शिकायतें मिली थीं। इसके बाद करीब 700 से 800 परियोजनाओं की समीक्षा की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि हाईवे की गुणवत्ता से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। देश में राष्ट्रीय राजमार्गों का नेटवर्क लगातार बढ़ा है। गडकरी के अनुसार, वर्ष 2014 में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 91,287 किलोमीटर थी, जो 2026 में बढ़कर 1.46 लाख किलोमीटर हो गई है। सड़क नेटवर्क के विस्तार को सरकार बुनियादी ढांचे के विकास और आर्थिक गतिविधियों को गति देने के लिए अहम मान रही है। गडकरी ने कहा कि अगले दो महीने में हाईवे परियोजना शुरू होने के बाद दिल्ली से हरिद्वार का सफर 90 मिनट में पूरा किया जा सकेगा। इससे यात्रियों को यात्रा में समय बचाने और आवागमन को अधिक सुविधाजनक बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। उन्होंने चारधाम परियोजना की प्रगति का भी उल्लेख किया। उनके मुताबिक, परियोजना का 80 से 85 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। उत्तराखंड में धार्मिक स्थलों की ओर जाने वाले यातायात में तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। बेहतर सड़कों से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं।



printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.